{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 07 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 106
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सीबीआई ने एक्टर विजय को जारी किया समन

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने साउथ के सुपरस्टार, पॉलिटिशियन और तमिलगा वेट्री कजगम के संस्थापक विजय को करूर भगदड़ मामले में 12 जनवरी को पेश होने के लिए समन जारी किया है। यह भगदड़ 27 सितंबर 2025 को करूर जिले के वेलुस्वामीपुरम में एक रैली के दौरान हुई थी। हादसे में 41 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। विजय की स्पीच के लिए बड़ी तादाद में लोग जमा थे। इसी दौरान भगदड़ मच गई थी।

अबू सलेम ने मांगी इमरजेंसी परोल

मुंबई। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को बार-बार मिल रही परोल को लेकर मचे बवाल के बीच अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने भी इमरजेंसी परोल की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। राम रहीम रेप और हत्या के मामले में 20 साल की जेल और उम्रकैद की दोहरी सजा काट रहा है। उसे 8 साल में 15वीं बार परोल मिली है। वहीं अबू सलेम 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट और बिल्डर की हत्या का दोषी है। गैंगस्टर अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद परिवार से मिलने और अंतिम संस्कार की रस्में अदा करने के लिए इमरजेंसी परोल की मांग की है। उसने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) जाने की अनुमति मांगी गई है। सलेम के बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। सलेम ने उन्हें पिता तुल्य बताया है। अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद इमरजेंसी परोल मांगी है, ताकि 40वें दिन की रस्में, कुरान ख्वानी, कब्रिस्तान पर दुआ और परिवार से मिल सके।

मणिपुर में 3 घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किए गए थे। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और बिष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए धमाके वाली जगहों का दौरा किया। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8ः45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में दो लोग घायल हो गए।

कुछ ना कहना

जेएनयू में नारे लगे-

मोदी-शाह की कब्र खुदेगी

भाजपा का दावा- उमर-शरजील के समर्थन में हुआ प्रदर्शन, कांग्रेस बोली- यह गुस्सा जाहिर करने का तरीका

नई दिल्ली। दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में सोमवार रात कुछ छात्रों ने पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ विवादित नारे लगाए। नारेबाजी का 35 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया। यह अब वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्र मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर नारे लगाते और गाते दिखे। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया है कि जेएनयू में यह प्रदर्शन उमर खालिद-शरजील के समर्थन में हुआ। यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार है। कांग्रेस ने कहा है कि यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है।

दरअसल, एक दिन पहले 2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार किया था। जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे।

वहीं, इस मामले में मुकदमा दर्ज करने के लिए वसंतकुंज थानाध्यक्ष को जेएनयू की ओर से पत्र लिखा गया है। सोमवार रात हुए विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। यह घटना 5 जनवरी 2020 को जेएनयू परिसर में छात्रों पर हुए हमले की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है।

हम सब आहत हुए थे- मनोज झा

वहीं, आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, मैं स्पष्ट तौर पर एक बात कहूं तो हम सब आहत हुए थे। एक-दो बातें बहुत चिंताजनक हैं, किसी को बिना ट्रायल के इतने वर्षों तक जेल में कैसे रखा जा सकता है, ताकि इसे सहनशक्ति की आखिरी परीक्षा माना जाए, और तभी उनके संवैधानिक अधिकार एक्टिवेट हों? व्यक्तिगत तौर पर मैं मुर्दाबाद के नारों का विरोधी हूं, और इसलिए ऐसे नारों की एक सभ्य लोकतंत्र में कोई जगह नहीं है। लेकिन यह चयनात्मक गुस्सा क्या है? जब बिहार की लड़कियों के बारे में कुछ कहा गया, तो किसी ने कोई गुस्सा क्यों नहीं दिखाया? हमारे लोकतंत्र में यह अस्वस्थ होने वाले लक्षण है।

यह निंदनीय है और देश के खिलाफ है-आशीष सूद

दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कल जेएनयू कैंपस में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ हुई कथित नारेबाजी पर कहा कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होने के बाद जेएनयू में इस प्रकार के नारे लगना निंदनीय है। शरजील इमाम ने चिकन नेक काटकर पूर्वोत्तर भारत को अलग करने की बात कही थी। उमर खालिद ने भारत के टुकड़े-टुकड़े होंगे के नारे लगाए थे और 2020 के दंगों में भी उसका हाथ पाया गया था। ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति इसलिए दिखाई जाती है क्योंकि इस विधानसभा में ऐसे लोग हैं जिन्होंने शरजील इमाम के साथ मंच साझा किया था। जब आप ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं, तो जेएनयू में ऐसे गैर-जिम्मेदार तत्व सिर उठाते हैं, जिसकी मैं निंदा करता हूं। जेएनयू में जो हुआ है, जहां शरजील इमाम और उमर खालिद का एक तरह से समर्थन किया गया है, यह निंदनीय है और देश के खिलाफ है।

यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है- गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जेएनयू टुकड़े-टुकड़े गैंग, राहुल गांधी जैसी देश विरोधी मानसिकता वाले लोग, चाहे वह आरजेडी हो, डीएमसी हो, या वामदल हो उनका कार्यालय बन गया है। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत है, यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है। विवेकानंद ने कहा था कि भगवा ही होगा। मैं टुकड़े-टुकड़े गैंग से कहना चाहता हूं कि जो लोग उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करते हैं, जो पाकिस्तान की सोच रखते थे और चिकन नेक को अलग करने की बात करते, वे देशद्रोही हैं।

टीएमसी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

ममता बोलीं - एसआईआर भाजपा आईटी सेल के मोबाइल-ऐप्स से हो रहा

गंगासागर। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राज्य में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में भाजपा की आईटी सेल के बनाए मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल कर रहा है। बनर्जी ने मंगलवार को साउथ 24 परगना जिले के सागर आइलैंड में कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर करने के लिए हर तरह के गलत कदम उठा रहा है। यह एलिजिबल वोटर्स को मरा हुआ बता रहा है और बुजुर्ग और बीमार लोगों को सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। बनर्जी ने कहा कि लोग एसआईआर में हिस्सा लेते समय सावधान रहें। उन लोगों की मदद करनी चाहिए जिन्हें मदद की जरूरत है। उन्हें मेरा साथ देने की जरूरत नहीं है, सिर्फ उनका साथ दें जो इस काम की वजह से मुश्किल में हैं। वहीं पार्टी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है, जिसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर को करने के लिए मनमानी और प्रोसेस में गलत कामों का सहारा लिया है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव आयोग के एसआईआर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसआईआर की इस प्रक्रिया ने एलिजिबल और असली वोटर्स की मुश्किलों को काफी बढ़ा दिया है।

चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले ममता ने सोमवार को कहा था कि वह राज्य में वोटर लिस्ट के स्क्रूटनी के दौरान हुई मौतों के मामले में कोर्ट जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग वॉट्सऐप पर चलाया जा रहा है। ममता ने दावा किया कि जब से एसआईआर शुरू हुई है, डर के मारे करीब 70 लोगों की मौत हो चुकी है और कई अस्पताल में भर्ती हैं। वह सुप्रीम कोर्ट में वकील के तौर पर नहीं बल्कि एक आम नागरिक के तौर पर पेश होने की अनुमति मांगेगी। कहा कि जरूरत पडने पर मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगी और जनता के लिए पैरवी करूंगी। मैं जनता की आवाज बनूंगी। ममता ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने कानूनी शिक्षा प्राप्त की है। ममता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा, अगर लोगों के अधिकार छीन लिए गए, तो आप भी गायब हो जाएंगे, गायब हो जाइए कुमार।

एसआईआर से 70 लोगों की मौत हो चुकी

ममता ने आरोप लगाया कि गंभीर रूप से बीमार लोगों को भी एसआईआर के दौरान मतदान केंद्र पर वैधता साबित करने के लिए कतारों में खड़ा किया गया। दो महीनों में लगभग 70 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या किसी का दिल नहीं दुखता? अगर आपकी 85 वर्षीय मां को एम्बुलेंस में घसीटा जाए, तो दिल्ली के नेता क्या जवाब देंगे।

कोर्ट-ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकियां

नई दिल्ली। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार रात 2 बजे धमकी भरा ईमेल आया था। सुबह जब कर्मचारियों ने ईमेल चेक किया तो पुलिस को सूचना दी। आणंद, राजकोट, अहमदाबाद और भरूच के सेशन कोर्ट को इसी तरह का ईमेल मिला। हालांकि, बम स्क्वॉड की जांच में कोर्ट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी एलटीटीई (लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम) के नाम से दी गई है।

सोनिया गांधी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

प्रदूषण के कारण खांसी की दिक्कत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी को नियमित जांच के लिए सोमवार शाम को भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और उन्हें छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, सोनिया गांधी को लंबे समय से खांसी की समस्या है, जिस वजह से वे समय-समय पर चेकअप के लिए आती रहती हैं। खासकर दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के कारण उनकी दिक्कत बढ़ जाती है। सोनिया गांधी दिसंबर 2025 में 79 साल की हो चुकी हैं। इससे पहले सोनिया को 15 जून, 2025 को पेट में परेशानी के चलते सर गंगाराम अस्पताल के सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया था। वे 3 से 4 दिनों तक भर्ती थीं। सोनिया की 7 जून को भी अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी। वे प्रियंका गांधी के साथ शिमला स्थित घर में छुट्टियां बिताने गई थीं। हालांकि, तबीयत खराब होने के चलते अगले दिन दिल्ली लौट आई थीं। उन्होंने 9 जून को सर गंगाराम अस्पताल में मेडिकल चेक-अप कराया था।

मैं मुख्यमंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल पूरा करूंगा, मुझे कांग्रेस हाईकमान पर पूरा भरोसा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस हाईकमान पर पूरा भरोसा जताया। राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों के बीच मंगलवार को यह बात सामने आई है, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे हाईकमान पर पूरा भरोसा है। मुझे कांगेस हाईकमान पर भरोसा हैं कि मैं मुख्यमंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल पूरा करूंगा। जो भी होगा, हाईकमानद ही फैसला करेगी। हाई कमांड का निर्णय अंतिम होगा। एक समय मुझे लगता था कि एक बार विधायक बनना ही काफी होगा। लेकिन मैं विधायक, उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री बन चुका हूं।

इ स क े अलावा, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ मुलाकात के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा या मंत्रिमंडल में फेरबदल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वे बेंगलुरु होते हुए मैसूरु के रास्ते दिल्ली जा रहे थे। इसलिए मेरी मेरी वेणुगोपाल से मुलाकात हुई, बस इतना ही। कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। मैंने

उनसे मंत्रिमंडल फेरबदल के बारे में भी बात नहीं की। मंत्रिमंडल फेरबदल के बारे में, जब भी उच्च कमान मुझे दिल्ली बुलाएगी, मैं दिल्ली जाऊंगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहा विवाद कांग्रेस के भीतर चल रही सत्ता की जद्दोजहद है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सरकार ने अपना आधा कार्यकाल पूरा कर लिया, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गईं। मुख्य किरदारों में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर शामिल हैं, जो एक प्रमुख दलित नेता भी हैं।

देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस

बंगलूरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को आरएसएस को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को

नोटिस जारी किया है। अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने कहा कि कुछ चुनिंदा लोगों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं- ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तरीकों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं?

एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी,यूपी में अब 12.55 करोड़ वोटर्स

उत्तरप्रदेश के 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे

लखनऊ। यूपी में एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो गई है। इसमें 2.89 करोड़ (18 फीसदी) नाम कट गए हैं। पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ वोटर थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता बचे हैं। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां कर सकते हैं। फॉर्म 6 या 7 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं। दावे के लिए फॉर्म 6 और आपत्ति के लिए फॉर्म 7 भरे जाएंगे। इसकी फीस नहीं लगेगी। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि जिनका फॉर्म मिला है, उनकी मैपिंग नहीं है। उन्हीं को नोटिस दिया जाएगा। 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंग हुई है। करीब 9 प्रतिशत लोगों को मैपिंग के लिए नोटिस जाएगा। 1.4 करोड़ ऐसी संख्या है। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

कारोबारी के साथ डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 7.12 करोड़ की ठगी

हैदराबाद । हैदराबाद के एक 81 वर्षीय कारोबारी के साथ डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 7.12 करोड़ रुपये की बड़ी ठगी हुई है। ठगों ने बुजुर्ग को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर उनकी जीवनभर की कमाई लूट ली। ठगी की शुरुआत 27 अक्टूबर 2025 को व्हाट्ससएप कॉल से हुई। कॉल करने वाले ने खुद को एक प्रतिष्ठित कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताकर पीड़ित से कहा कि उनके नाम से थाईलैंड जा रहे पार्सल में ड्रग्स, फर्जी पासपोर्ट और क्रेडिट कार्ड बरामद हुए हैं। इसके तुरंत बाद, कॉल को कथित तौर पर मुंबई पुलिस के अधिकारियों को ट्रांसफर कर दिया गया। जालसाजों ने बुजुर्ग पर मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद जैसे गंभीर आरोप लगाकर उन्हें डरा दिया। उन्हें वीडियो कॉल के जरिए डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और सख्त हिदायत दी गई कि वे इस बारे में परिवार, बैंक या वकील, किसी को भी न बताएं। डर के कारण पीड़ित ने 29 अक्टूबर से 5 दिसंबर 2025 के बीच अपने फिक्स्ड डिपॉजिट और म्यूचुअल फंड तोड़कर कुल 7.12 करोड़ रुपये ठगों द्वारा दिए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। ठगों ने इसे जांच और सत्यापन के लिए जरूरी बताया था।

दीपक जलाने की अनुमति..याचिकाकर्ता ने लाखों भगवान मुरुगा के भक्तों की जीत बताया

चेन्नई। अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके के नेतृत्व वाली स्टालिन सरकार को बड़ा झटका देकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने मंगलवार को एक एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक दरगाह के पास तिरुपरकुंड्रम पहाड़ियों के ऊपर मौजूद पत्थर के स्तंभ पर, जिसे दीपतून कहा जाता है, दीपक जलाने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और के.के. रामकृष्णन की खंडपीठ ने फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि जिस स्थान पर पत्थर का स्तंभ (दीपातून) स्थित है, वह भगवान सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर का हिस्सा है।

मदुरै की अदालत ने कहा कि जिला प्रशासन को इस मुद्दे को समुदायों के बीच मतभेदों को सुलझाने के मौके के रूप में देखना चाहिए था। अदालत ने कहा कि चूंकि यह पहाड़ी एक संरक्षित स्थल है, इसलिए वहां की जाने वाली कोई भी गतिविधि अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन करते हुए होनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से परामर्श के बाद ही दीपक जलाया जा सकता है और उसमें उपस्थित होने वाले व्यक्तियों की संख्या निर्धारित हो सकती है। याचिकाकर्ता रामा रविकुमार ने फैसले का स्वागत कर इस भगवान मुरुगा के भक्तों की जीत बताया।

याचिकाकर्ता और हिंदू मुन्नानी नेता राजेश ने कहा कि अदालत ने एक उल्लेखनीय फैसला सुनाया है। स्टालिन सरकार की अपील याचिका खारिज की है। दीपथून पर दीपक जलाया जाना चाहिए और मंदिर प्रशासन को इसके लिए आवश्यक व्यवस्था करनी चाहिए। कानून-व्यवस्था बिगड़ने की संभावना का हवाला देकर सरकार द्वारा आज दिए गए तर्कों को अदालत ने खारिज कर कहा कि ये सरकार की निष्क्रियता को दर्शाते हैं। यह फैसला तमिलनाडु के हिंदुओं और मुरुगन भक्तों, जिसमें छात्र भी शामिल हैं, की जीत है।

चीन को पछाड़ दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बना भारत

नई दिल्ली। भारत ने चीन को पीछे छोड़कर नई उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में भारत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बन गया है। कृषि मंत्री शिवराज ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि भारत 15.18 करोड़ टन के कुल उत्पादन के साथ चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बन गया है।

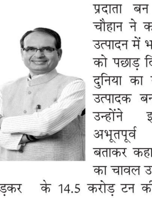

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि भारत जो कभी भोजन की कमी वाला देश था, अब वैश्विक खाद्य प्रदाता बन गया है। चौहान ने कहा, चावल उत्पादन में भारत ने चीन को पछाड़ दिया है और दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। उन्होंने इस एक अभूतपूर्व उपलब्धि बताकर कहा कि भारत का चावल उत्पादन चीन के 14.5 करोड़ टन की तुलना में 15.18 करोड़ टन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भारत अब पूरी दुनिया के बाजारों में चावल की आपूर्ति कर रहा है।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री चौहान ने 25 फसलों की 184 नई किस्में भी जारी की। उन्होंने कहा है कि नई उच्च उपज वाली बीज किस्मों से फसल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में बेहद इजाफा होगा। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नई किस्में किसानों तक जल्दी पहुंचें। कार्यक्रम में चौहान ने कहा कि देश ने अधिक उपज देने वाले बीजों के विकास में बड़ी सफलता हासिल की है।

जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में छाया बारदानों का संकट

बारदानों के अभाव में किसान और प्रबंधक हो रहे परेशान, 72 घंटे में परिवहन वाले नियम का भी नहीं किया जा रहा पालन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शासन द्वारा प्रदेश भर में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की गई है, जो आगामी 20 जनवरी तक चलेगी। जिसके लिए जिले में 185 केंद्र बनाए गए हैं,जिसमें से ज्यादातर केंद्रों में 1 माह से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी उचित व्यवस्था नही बन पाई है।जहां सबसे अधिक परेशानी बारदानों को लेकर आ रही है, जहां बारदाने समय पर ना मिलने के चलते किसानों की धान नही खरीदी जा रही है।तो वही पहले से खरीदकर रखी गई धान का भी तय नियमो के अनुसार परिवहन नही हो रहा है।जिससे जिले के विभिन्न केंद्रों में धान बेचने पहुंच रहे किसानों और उपार्जन खरीदी केंद्र प्रभारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

न मिल रहे बारदाने/ न हो पा रहा तौल, केंद्र में कार्य बंद

जिले के नाहरवानी एवं हट्टा धान खरीदी केंद्र में बारदाने नही होने के कारण धान खरीदी बन्द है ,यहा के सैकड़ो किसान केंद्र में धान लाने के बाद अब हफ्तों से बारदानों का इंतजार कर रहे है और इस कड़कड़ाती ठंड में परेशान हो रहे है।वही अन्य केंद्रों के हाल काफी बुरे है। जहां खरीदी हुई धान का उठाव न हो पाने के कारण जगह ही नहीं बची है। जिसके चलते किसानों से धान खरीदी का कार्य करना तो दूर की बात है उन्हें धान पलटाने,धान के ढेर लगाने के लिए जगह नही है। वही बारदाने तक नहीं मिल रहे है।जिसके चलते किसानों को परेशान होना पड़ रहा है।

किसानों और उपार्जन खरीदी केंद्र प्रभारियों को हो रही अनेक परेशानियां

जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों की तरह ही नाहरवानी एवं हट्टा धान खरीदी केंद्र में समस्याओं का अंबार देखने को मिल रहा है। जहां सबसे अधिक परेशानी बारदानों को लेकर देखी जा रही है।वही पूर्व में खरीदी गई धान का भी उठाव नही हो रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 15 हजार क्विंटल से अधिक धान केंद्र में पड़ी है।जिसका परिवहन ना होने से धान खरीदी के लिए जगह की कमी बनी हुई है।वही बारदाने नही होने से किसानों का धान भी नही खरीदा जा रहा है।जिसको लेकर धान खरीदी केंद्र प्रभारियों और केंद्र में पहुंचने वाले किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बात अगर पंजीकृत किसानों की करें तो इस वर्ष जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 2लाख 27 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन कराया था, जिनकी धान की खरीदी 1 दिसंबर से शुरू हुई है।

तो धान बेचने से वंचित हो जाएंगे कई किसान

ज्ञात हो कि समर्थन मुख्य पर धान खरीदी की अंतिम तारीख 20 जनवरी तक सरकार द्वारा तय की गई है ,यही स्थिति रही तो जिले के हजारों किसान अपनी धान समर्थन मूल्य पर सरकार को बेचने से वंचित रह जाएंगे और व्यापारियों को औने पौने दाम में अपनी धान बेचने मजबूर होंगे ,क्योकि सौ क्विंटल वाले किसानों के स्लॉट तो अभी तक बुक नही हुए है ! जिला प्रशासन की इस लचर कार्यप्रणाली और व्यवस्था से जिले के किसान परेशान है और सरकार को कोस रहे है !

72 घंटे वाले नियम का, नहीं किया जा रहा पालन

बात अगर नियम की करें तो नियम के मुताबिक किसानों से धान खरीदने के 72 घंटे या तीन दिन के भीतर खरीदी गई उस धान का परिवहन किए जाने का नियम बनाया गया है। ताकि विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर किसानों से धान खरीदने और किसानों को उस केंद्र पर धान बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। वही विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त जगह बनी रहे। लेकिन जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर इस नियम को ताक में रखा जा रहा है। जहां 72 घंटे वाले इस नियम की धज्जियां उड़ाते हुए परिवहनकर्ता धान का परिवहन नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते किसान और केंद्र प्रभारियों दोनों परेशान है। वही सबसे ज्यादा परेशानी भुगतान को लेकर आ रही है। बताया जा रहा है कि जब तक धान का परिवहन गोदाम तक नहीं हो जाता और गोदाम में उस धान की एंट्री नहीं हो जाती तब तक बेची गई उस धान का किसानों को भुगतान नहीं किया जाएगा।

परिवहनकर्ता नही दे रहे ध्यान

आपको बताए कि जिले के 185 खरीदी केन्द्रों में लाखों क्लिंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं मौसम के डर से क्षेत्र के तमाम किसान एक साथ अपनी उपज लेकर केन्द्रों में पहुंच गए हैं, जिसके चलते समितियों ने उपलब्ध बोरों के अनुसार खरीदी कर धान को परिसर में ही रख लिया, लेकिन उसका परिवहन अभी तक नहीं हुआ है.ज्ञात हो कि परिवहनकर्ता इस ओर ध्यान नही दे रहे है। ऐसे में केन्द्रों पर भारी मात्रा में धान का स्टॉक रखा हुआ है, जिसके चलते नई खरीदी नहीं हो पा रही है।

1सप्ताह से नहीं मिले बारदाने दुर्गा प्रसाद

चर्चा के दौरान केशलेवाड़ा के किसान दुर्गा प्रसाद चौधरी ने बताया कि वे पिछले एक सप्ताह से केंद्र में धान बेचने के लिए आए हैं, लेकिन उन्हें अभी तक बारदाने नहीं मिले हैं। केवल हम ही नहीं बल्कि बहुत सारे किसान बारदाने की समस्या से परेशान है, कई किसान अभी स्लॉट बुक कर रहे हैं, कई किसान बारदाने नहीं होने के चलते अपनी धान लेकर केंद्र नहीं आ रहे हैं।हमने केंद्र प्रभारी को बोले तो उनका कहना है कि ऊपर से ही बारदाने नहीं मिल रहे हैं, अब पता नहीं कब बारदाने आएंगे और कब हमारा तौल कांटा होगा। यह चिंता हर किसी को सताए जा रही है।

कड़कड़ाती ठंड में जगवाली करने को मजबूर किसान-श्यामलाल गौतम

वही तिवड़ी कला के किसान श्यामलाल गौतम ने बताया कि वे 30 जनवरी को अपनी धान बेचने के लिए केंद्र पहुंचे थे, लेकिन आज तक उनकी धान का तौल कांटा नहीं हो पाया है। यहां तक की बोरी पलटने के लिए बारदाने तक नहीं दिए गए हैं। बोलते हैं कि जब तक पुरानी धान का परिवहन नहीं हो जाता तब तक दूसरी बोरिया केंद्र नहीं आएगी। ऐसे में किसानों को धान का नुकसान हो रहा है, धान चोरी जाने का भी खतरा मंडरा रहा है। इसीलिए मजबूरन सभी किसानों को रात दिन यह कड़कड़ाती ठंड में जगवाली करनी पड़ रही है।

3-4 बार डिमांड भेज चुके है, नही हो रही सुनवाई-रामपाल पांचे

केंद्र प्रभारी रामपाल पांचे ने बताया कि एक सप्ताह पहले डिमांड भेजने के बाद भी बारदाने केंद्र तक नही पहुँचे है ,जिसके कारण किसानों के साथ साथ प्रभारी भी परेशान है। उन्होंने बताया कि पहले हमें एक दो तारीख तक बारदाने देने कहा गया था, लेकिन आज तक बारदाने नहीं मिले हैं।3 से4 बार पत्र व्यवहार किया जा चुका है।फिरभी कोई सुनवाई नही हो रही है।अब भी करीब 150 से अधिक किसानों का धान खरीदा जाना है, वहीं 15000 क्विंटल से अधिक धान की बोरियां अभी भी केंद्र में पड़ी है, परिवहन भी नहीं हो पा रहा है। इससे परेशानी हो रही है जब तक परिवहन नहीं होगा, तब तक किसानों के खातों में पैसा भी नहीं आएगा। हमने मिलर्स और बैंक दोनों को डिमांड भेज चुके हैं लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

एकल अभियान के तहत महिला बहनों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकल अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक विकास को लेकर 6 जनवरी को शहर के स्थानीय संस्थान में महिला बहनों का एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के लगभग पांच विकासखंडों से बड़ी संख्या में महिलाएं मुख्यालय पहुंचीं और पंचमुखी शिक्षा पद्धति को लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान एकल अभियान की पंचमुखी विधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें विकास, जागरण, आरोग्य, शिक्षा एवं संस्कार से जुड़े विषयों पर महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में यह बताया गया कि किस प्रकार ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में महिलाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। इस अवसर पर एकल अभियान से जुड़ी दीक्षा शर्मा और श्वेता सेठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि एकल विद्यालय विकास को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है और इसी क्रम में जिले भर में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयोजित इस प्रशिक्षण में अलग-अलग ब्लॉकों से आई महिलाओं के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण सत्र रखा गया था। प्रशिक्षण में विशेष रूप से महिलाओं को जानकारी दी गई

कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं के विकास, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक चेतना और शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर, बैहर और भानेगांव विकासखंडों से महिला बहनों की सहभागिता रही। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संभाग महिला समिति अध्यक्ष अर्पिता उपाध्याय , महिला प्रमुख शांति पटेल ,बालाघाट महिला समिति अध्यक्ष श्वेता सेठिया, ज्योत्सना राठौर, दीक्षा शर्मा , दुर्गा राठौर, सुरभि करदा, शिल्पा पुरोहित ,रीना पांडे , मिताली दुबे , ऋच्चा नेमा ,हेमा वाधवानी, मीना चावड़ा, गौरी लिलहरे, दीपिका टांक, अलका अग्रवाल , शालू गांधी सहित जिले की अन्य गणमान्य महिला कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए महिला बहनों को समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक सक्रिय होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

वाहन चालकों को मिले इंसाफ, राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन की बैठक में उठी आवाज

वर्षों से लंबित मांगों को लेकर संगठन ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ड्राइवरी के पेशे में वाहन चालकों को आ रही विभिन्न समस्याओं, प्रशासनिक कार्यवाही व बीमा, पेंशन आदि मुद्दों पर विचार विमर्श करने और वाहन चालकों की इस समस्या से शासन व प्रशासन को अवगत कराने की प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। नगर के मोती तालाब गार्डन परिसर में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन से जुड़े विभिन्न पदाधिकारी ने वाहन चालको को कार्यक्षेत्र व जीवन मे आने वाली विभिन्न परेशानियों से अवगत कराया तो वही वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन भी सौपा है। जिसमें उन्होंने वाहन चालकों को देश का आंतरिक सिपाही बताते हुए, देश की जीडीपी में वाहन चालकों का विशेष योगदान होने की बात कही है।जिन्होंने वाहन चालकों का 20 लाख रुपए का बीमा कराने, 60 वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर प्रतिमाह 6000रु की पेंशन प्रदान करने सहित वर्षों से लंबित अन्य मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

बैठक में शामिल हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष, वाहन चालकों के हितों में भरी हुंकार

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार मलिक व संगठन के संस्थापक रघुवर विश्वकर्मा का मंगलवार को बालाघाट आगमन हुआ। जिनकी मौजूदगी में राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के जिला पदाधिकारियों की बैठक स्थानीय मोती उद्यान में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष व संगठन के संस्थापक का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। बैठक में वाहन चालकों की समस्याओं व विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। तत्पश्चात् कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया गया। जिसमें उन्होंने उनकी विभिन्न मांगो को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

वाहन चालकों को भी इंसाफ मिलना चाहिए- मलिक

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मलिक ने बताया कि वाहन चलाने के दौरान ड्रायवरों को कई किमी का सफर करना प?ता है, सफर के दौरान अक्सर उनका अनावश्यक चालान काट दिया जाता है। चालकों को तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता है और समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है। जिससे उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आगे बताया कि ना तो समय पर सैलरी दी जा रही है और ना ही खर्चो के लिए उचित पैसे मिलता हैं। ड्राइवर को लाइसेंस बनाने, उसे रिन्यू कराने सहित अन्य कामों के लिए ड्राइवर शासन को शुल्क जमा करते हैं इसीलिए लाइसेंस विथ इंश्योरेंस की सुविधा वाहन चालकों को मिलनी चाहिए। वही उनका 20 लाख रु का बीमा शासन द्वारा कराया जाना चाहिए। इसके अलावा जो ड्राइवर 60 वर्ष की अवधि पूर्ण कर लेते हैं वह किसी काम के नहीं रहते, इसीलिए उन्हें शासन द्वारा प्रतिमाह 6000 रु की पेंशन दी जानी चाहिए, ताकि वह भी उस पेंशन के सहारे अपना गुर्जर बसर कर सके। उन्होंने बताया कि वाहन चालक देश के आंतरिक सिपाही हैं देश की जीडीपी में ड्राइवरो का विशेष योगदान रहता है। इसीलिए शासन ने भी वाहन चालकों को इंसाफ देना चाहिए ,इसी मांग को लेकर आज हमने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपा है ।

मानदेय में कटौती से आक्रोशित आशा बहनें कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं

आर्थिक संकट,अभद्र व्यवहार करने और सेवा समाप्ति की धमकी दिये जाने का अकाउंटेंट पर लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आशा कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं दे रही आधा सैकड़ा से अधिक आशा बहनें कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याएं रखीं। आशा बहनों ने बताया कि उन्हें बीते कई महीनों से मिलने वाले मानदेय में लगातार कटौती की जा रही है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे जमीनी स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, सर्वे कार्य, जागरूकता अभियान सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं, इसके बावजूद उन्हें पूरा मानदेय नहीं दिया जा रहा है। आशा बहनों ने आवेदन में उल्लेख किया कि मानदेय में हो रही कटौती के कारण घर-परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने वाली आशा बहनों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने अपने मानदेय में की जा रही कटौती को लेकर गहरी नाराजगी जताई और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। ज्ञापन देते हुए आशा बहन शर्मिला ने बताया कि उन्हें बीते कई महीनों से मिलने वाले मानदेय में लगातार कटौती की जा रही है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आशा बहनों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वह महत्वपूर्ण कार्यों अन्य विभागों के भी पूरी निष्ठा से निभाने के बावजूद उनके मानदेय को लेकर विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहा है। शर्मिला ने यह भी बताया कि इससे पहले भी मानदेय से जुड़ी समस्याएं कई बार सामने रखी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले में आशा सुपरवाइजर ललित सुलाखे ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जब वे अपने मानदेय में कटौती को लेकर खैरलांजी स्वास्थ्य विभाग की अकाउंटेंट के पास पहुंचीं, तो वहां संबंधित महिला कर्मी द्वारा उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और उन्हें कार्यालय से बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अकाउंटेंट ने उन्हें सीधे जिला कार्यालय में संपर्क करने की बात कही और सेवा समाप्त करने की धमकी भी दी। आशा सुपरवाइजर द्वारा लगाए गए इन आरोपों के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। आशा बहनों ने कलेक्टर से मांग की है कि मानदेय में की जा रही कटौती को तत्काल बंद किया जाए, काटी गई राशि का भुगतान कराया जाए और संबंधित कर्मचारियों के व्यवहार की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।

खैरलांजी के गांधी चौक हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। खैरलांजी के गांधी चौक हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया । भक्तिमय कार्यक्रम से नूतन वर्ष का आगाज किया गया। हर वर्ष हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का कार्यक्रम होता है सभी भक्तजन मिलकर इस कार्यक्रम को करते है। हनुमान की पूजा अर्चना कर सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया गया। हनुमान के भजन व गीत संगीत के साथ हनुमान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ सुंदरकांड पाठ के समापन पर प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान शिवचरण मसकरे, भैयालाल लिल्हारे, अजबसिंह कृपगये, राजकुमार बहेटवार, मधुकर पोरगड़े,बंसी करकाडे,हिरा मचाने, लालाजी मचाडे, सरविस मसकरे, शिवलाल भोरजार,गणेश मसकरे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

मेंढरा प्राथमिक शाला के शिक्षक सूर्यकांत कालबेले निलंबित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने शासकीय प्राथमिक शाला मेंढरा, संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी, विकासखंड किरनापुर, जिला बालाघाट में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक (प्रभारी प्रधानपाठक) श्री सूर्यकांत कालबेले को अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय शासकीय प्राथमिक शाला छतरपुर, जन शिक्षा केंद्र शासकीय हाईस्कूल जैतपुरी, विकासखंड बैहर निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि शासकीय प्राथमिक शाला मेंढरा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मध्यान्ह भोजन पत्तों में परोसे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी किरनापुर द्वारा निरीक्षण एवं जांच की गई। जांच के दौरान शिक्षक श्री कालबेले द्वारा बच्चों को पत्तों में भोजन परोसे जाने की बात स्वीकार की गई। इस संबंध में कार्यालय जनपद शिक्षा केंद्र किरनापुर द्वारा शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था, परंतु उनके द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि विद्यालय में थाली एवं अन्य बर्तनों की खरीदी हेतु 3 हजार रुपये की राशि उपलब्ध होने के बावजूद मध्यान्ह भोजन के लिए बर्तन नहीं खरीदे गए। साथ ही, बर्तनों की अनुपलब्धता के संबंध में किसी भी वरिष्ठ कार्यालय को पूर्व में सूचना नहीं दी गई, जो उनके पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर अनुशासनहीनता, उदासीनता एवं छात्र कल्याणकारी योजना के विपरीत आचरण को दर्शाता है। बीआरसी एवं बीईओ किरनापुर द्वारा की गई जांच में यह भी पाया गया कि विद्यालय में भोजन वितरण के लिए थाली उपलब्ध होने के बावजूद जानबूझकर विद्यार्थियों को खेले के पत्तों में भोजन परोसा गया। इसके अतिरिक्त, कक्षा 2 एवं 3 के विद्यार्थियों की गणित एवं हिंदी विषय में दक्षता हेतु एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) की प्रगति शीट न तो तैयार की गई और न ही इस दिशा में कोई प्रयास किया गया। जांच में शिक्षक द्वारा दी गई जानकारी गलत एवं भ्रामक पाई गई, जो मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों के विपरीत है। अशोभनीय आचरण, अनुशासनहीनता एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही का दोषी पाए जाने पर कलेक्टर द्वारा प्राथमिक शिक्षक (प्रभारी प्रधानपाठक) श्री सूर्यकांत कालबेले को निलंबित किए जाने की कार्यवाही की गई।

कान्हा टाइगर रिजर्व में पेंच से आया अनाथ शावक कर चुका 180 चीतलों का शिकार, अब नौरादेही उद्यान भेजने की तैयारी

कान्हा में शिकारी बना अपनी माँ बाघिन से बिछड़ा बाघ शावक !!

घोरेला रिवाइल्डिंग बाड़े में तीन साल चला शिकार कराने का प्रशिक्षण, जनवरी के पहले पखवाड़े में ही शिफ्टिंग का प्लान

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रिवाइल्डिंग स्कूल के नाम से प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व में सिवनी के पेंच पार्क से लाया गया अनाथ शावक अब खुले जंगल में दहाड़ने के लिए तैयार हो गया है। तीन साल तक घोरेला बाड़े में चले प्रशिक्षण के बाद अब तक 180 चीतल का शिकार कर चुका है। कान्हा पार्क प्रबंधन को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) से अनुमति मिलने के बाद अब नौरादेही में रिलीज करने की तैयारी की जा रही है, संभवत: जनवरी के पहले पखवाड़े में ही बाघ को नौरादेही (वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) सागर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके लिए कान्हा प्रबंधन के द्वारा तैयारी की जा रही हैं।

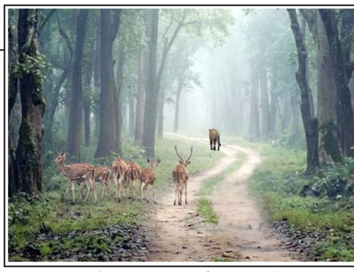

तीन साल पहले पेंच टाइगर रिजर्व से लाया गया

यह नर शावक मर्मो (बाधिन) से बिछड़ गया था। वर्ष 2022 में पेंच टाइगर रिजर्व के रूखड़ परिक्षेत्र सिवनी से लाया गया था, इस दौरान शावक की उम्र महज 4-5 माह थी। यहां घोरेला बाड़ा में प्रशिक्षण के लिए शावक को रखा गया। शावक को शिकार का प्रशिक्षण दिया गया और जंगल में स्वतंत्र विचरण के लिए तैयार किया गया। अब करीब 35 माह का हो चुका बाघ (शावक) 7 हेक्टेयर के बाड़े में प्रशिक्षण ले रहा है। यहां बाघ शावक के लिए करीब 180 चीतल छोड़े गए। जिनका शिकार बाघ (शावक) सफलता पूर्वक शिकार कर चुका है, अब बाघ (शावक) खुले जंगल में विचरण के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुका है और बाघ (शावक) जंगल में सरवाइव कर सकता है।

नौरादेही शिफ्ट करने का प्लान

कान्हा टाइगर रिजर्व पार्क प्रबंधन के द्वारा ट्रेंड हो चुके बाघ (शावक) को स्वतंत्र विचरण के लिए जंगल में छोड़ने के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) से अनुमति मांगी गई थी, जिसके बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) से नौरादेही (वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) सागर भेजने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। अब कान्हा प्रबंधन के द्वारा बाघ (शावक) को शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए नौरादेही (वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) सागर पार्क प्रबंधन से समन्वय स्थापित किया जा रहा है। सबकुछ ठीक रहा तो जनवरी माह के पहले पखवाड़े में ही बाघ को शिफ्ट किया जा सकता है।

आधिकारिक बयान

'घोरेला बाड़े में बाघ (शावक) प्रशिक्षित हो चुका है। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व भेजने की अनुमति प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) से प्राप्त हो चुकी है। जनवरी के पहले पखवाड़े में बाघ (शावक) शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है।'

रवींद्र मणी त्रिपाठी
क्षेत्र संचालक कान्हा

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव

4 प्रत्याशियों ने वापस लिया नामांकन, उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी

17 पदो के लिए ,अब 35 अधिवक्ता प्रत्याशी मैदान में, सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 17 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी भी तेज हो चुकी है।जहां जिला अधिवक्ता संघ के दो वर्षीय कार्यकाल के निर्वाचन के लिए जारी चुनावी प्रक्रिया के दौरान उपाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों के लिए अपनी दावेदारी पेश करने वाले 4 प्रत्याशियों ने चुनावी मैदान छोड़, अपना नामांकन फार्म वापस ले लिया है।तो वही कार्यकारिणी के महज 17 पदों के लिए अब 39 में से 35 अधिवक्ता प्रत्याशी चुनावी मैदान में डटे हुए है।जिनमें से 17 उम्मीदवारो का चुनाव आगामी 17 जनवरी को मतदान प्रणाली के तहत किया जाएगा।उधर सोमवार की शाम तक नाम वापसी की अंतिम मोहलत समाप्त होने के बाद, मंगलवार 6 जनवरी को उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाश कर दिया गया।जिसके उपरांत पूर्व से निर्धारित नियमों के तहत 17 जनवरी को जिला अधिवक्ता संघ के निर्वाचन के लिए मतदान कराया जाएगा।उसी दिन प्राप्त मतों की गणना के उपरांत देर से रात नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।

इन 4 प्रत्याशियों ने छोड़ा मैदान, नामांकन लिया वापस

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव, निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार शाम 5 बजे तक 17 पदों के लिए कुल 39 प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म भरकर जमा कराया था।जिन्हें सोमवार की शाम तक नाम वापस लेंने का मौका दिया गया था।जहा सोमवार शाम तक 4 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।इसमे उपाध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने वाले अधिवक्ता दिनेश कुमार पटले ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए, अपना नामांकन फार्म वापस लेकर चुनावी मैदान से किनारा कर लिया है तो वही कार्यकारिणी के सदस्य पद पर अपनी दावेदारी करने वाले तीन अधिवक्ताओ ने भी अपना नामांकन वापस लेकर चुनावी मैदान से दूरी बना ली है।जानकारी के मुताबिक अधिवक्ता गितेश्वरी कुंजाम, देवेंद्र कांकरिया, और राकेश सिंगारे ने अपना नामकरण वापस ले लिया है।इन 4 को छोड़कर, बाकी सभी पदों पर उम्मीदवार यथावत है।जो चुनावी मैदान में डटे हुए है।

इन 35 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 17 को

निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक जिलाअधिवक्ता संघ चुनाव के लिए विभिन्न पदों पर दावेदारी करने वाले 35 प्रत्याशी अब चुनावी मैदान में है। जिनके नाम की सूची प्रकाशित कर जगह-जगह चस्पा कर दी गई है।जानकारी के मुताबिक 1 अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशियों में अरविंद राय, आनंद टेभरे,प्रवेश मलेवार और मीना कुर्वे चुनावी मैदान में है।तो वही 1 उपाध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशियो में से दिनेश कुमार पटले, ने नामांकन वापस ले लिया है।जबकि उपाध्यक्ष पद के लिए अब 3 प्रत्याशी जिसमे धर्मेंद्र धानेश, दिलीप चौधरी और दिनेश्वरी राणा चुनावी मैदान में है। इसी तरह सचिव के 1 पद के लिए 3 प्रत्याशी राकेश सिंगारे, महेंद्र (मधु) बिसेन और विक्रम सिंह भूते चुनावी मैदान में है। जबकि सह सचिव के 2 पदो के लिए 5 प्रत्याशी, मुकेश लिल्हारे, अशोक शर्मा, विकाश खुरसेल, आनंद मेश्राम और गितेश्वरी कुंजाम चुनावी मैदान में डटे हुए है।इसी तरह कोषाध्यक्ष के 1 पद के लिए 3 प्रत्याशी संजय अग्निहोत्री, पंचम लाल खैरवार और गौरव जयसवाल भी चुनावी मैदान में है। इसी तरह ग्रंथपाल के 1 पद के लिए 2 प्रत्याशियों में से दोनों प्रत्याशी शुभम बोस और धनंजय देशमुख चुनावी मैदान में डटे हुए है। तो वही 10 पदों की कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 18 प्रत्याशियो में से अधिवक्ता गितेश्वरी कुंजाम, देवेंद्र कांकरिया, और राकेश सिंगारे ने अपना नामकरण वापस लेकर चुनावी मैदान से दूरी बना ली है।जबकि बचे शेष 15 अधिवक्ता अब भी चुनावी मैदान में डटे हुए है। जिंसमे मो. शाकिर कुरैशी, जितेंद्र जैन, पूजा विश्वकर्मा, कमला सार्वे, डिल्लन सिंह ताराम, अभिषेक डहाके, सत्य प्रकाश शुल्के, दीपेश मोहारे, संगीता बिसेन, आनंद गजभिये, लालचंद मोहारे, महेंद्र पटले, प्रभा सूर्यवंशी, डिगम्बर ढेकवार, और तिलक कावरे के भाग्य का फैसला 17 जनवरी को होना है।

धुँवाधार चुनाव प्रचार में जुटे प्रत्याशी

उधर जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के चलते बार में चुनाव लड़ने वाले अधिवक्ता प्रत्याशियो और अधिवक्ताओं के बीच हलचल तेज हो गई है।जहा बार परिसर में अभी से चुनाव जैसा माहौल नजर आने लगा है। विभिन्न अधिवक्ता प्रत्याशियों ने अभी से अपने नाम और फोटो के बैनर पोस्टर लगाकर चुनावी बिगुल फूक दिया है,तो वहीं विभिन्न प्रत्याशी जगह-जगह बैठके लेकर मतदाता अधिवक्ताओं को साधने में जुटे हुए हैं।जिसके चलते बार में जगह-जगह अधिवक्ताओं के अलग-अलग ग्रुप देखे जा रहे हैं, बताया गया कि प्रत्याशियों चुनाव प्रचार 16 जनवरी तक बार परिसर में देखने को मिलता रहेगा। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने चुनावी मैदान में उतरे अधिवक्ता प्रत्याशी, अब चुनाव को जीतने के लिए अभी से एड़ी चोटी का जोर लगाने में जुट चुके हैं। हालांकि इस चुनाव में किसे सफलता मिलेगी और किन्हें हार का सामना देखना पड़ेगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

17 को होगा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला-सह. निर्वाचन अधिकारी

अधिवक्ता संघ चुनाव के सहा.निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता प्रदीप सोनी, और अधिवक्ता प्रशांत गिरी गोस्वामी ने सँयुक्त रूप से बताया कि अंतिम तारीख तक 39 में से 4 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।जिसके चलते जिलाअधिवक्ता संघ चुनाव के लिए अब 35 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। जिनके भाग्य का फैसला 17 जनवरी को होगा। जहां 17 जनवरी को विभिन्न पदों के लिए मतदान कराकर उसी दिन शाम को मतों की गणना कर, चुनावी परिणाम जारी किए जाएंगे। जिसके साथ ही नई कार्यकारिणी की भी घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब इस चुनाव में अध्यक्ष के लिए 04, उपाध्यक्ष के लिए 03, सचिव के लिए 03, सह सचिव के लिए 05, ग्रंथपाल के लिए 02, कोषाध्यक्ष के लिए 03 और कार्यकारिणी सदस्य के लिए 15 अधिवक्ता प्रत्याशियों के नाम फाईनल किए गए है। जिनका चुनाव 17 जनवरी को होगा।इस चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अलग-अलग मतपेटी, सुरक्षा कर्मी सहित अन्य व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। अब इंतजार सिर्फ 17 जनवरी का है, जहां मतदान,मतगणना व चुनावी परिणाम के बाद जिलाअधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।इस दौरान निर्वाचन अधिकारी श्री नगपुरे, सहा निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता विकास श्रीवास्तव, अधिवक्ता वेणु शंकर परिमल और अजय बम्हे भी उपस्थित रहे।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई- शिक्षक और दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड ग्राम बहरई और लवादा के बीच सड़क दुर्घटना में एक शिक्षक सहित दूसरी मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। शिक्षक तुलसीदास पिता भाऊदास मेश्राम 56 वर्ष वार्ड नंबर 1 बूढ़ी बालाघाट और दोनो युवक जिनमें प्रवीण पिता स्व. शंकर लाल कोसरे 18 वर्ष,, विकास पिता अशोक कोसरे 17 वर्ष

दोनों ग्राम बेहरई थाना लालबर्रा निवासी है। इस दुर्घटना में तीनों घायल को इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूढ़ी बालाघाट निवासी शिक्षक तुलसीदास मेश्राम लालबर्रा क्षेत्र में आने वाले ग्राम अमोली स्थित स्कूल में पदस्थ है और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से आना-जाना करते हैं। ग्राम बेहरई निवासी प्रवीण कोसरे और विकास कोसरे एक ही परिवार के हैं और कक्षा दसवीं की पढ़ाई कर रहे हैं। 6 जनवरी को सुबह 10ः00 बजे शिक्षक तुलसीदास मेश्राम रोज की तरह अपने घर बूढ़ी बालाघाट से मोटरसाइकिल में अमोली स्कूल जाने निकले थे। बालाघाट से लालबर्रा की ओर जाते समय ग्राम बेहरई और लवादा के बीच प्रवीण कोसरे अपने चचेरे भाई विकास कोसरे के साथ मोटरसाइकिल में अपने घर से ग्राम चिल्लोद अपनी बहन के घर जा रहे थे। मोटरसाइकिल विकास कोसरे चला रहा था जिसके द्वारा तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल चलाने से सामने जा रहे शिक्षक तुलसीदास मेश्राम की मोटरसाइकिल को पीछे से टकरा गई। जिससे शिक्षक तुलसीदास मेश्राम मोटरसाइकिल सहित गिर गए वहीं दोनों युवक भी मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। इस दुर्घटना में घायल तीनों लोगों को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने शिक्षक तुलसीदास मेश्राम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

मोटरसाइकिल रोड किनारे डिवाइडर से टकराई-एक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत कटंगी रोड पर स्थित ग्राम बुदबुदा के पास मोटरसाइकिल रोड किनारे डिवाइडर से टकरा

गई।। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति घायल हो गया।घायल व्यक्ति दिलीप पिता मूलचंद पटले 37 वर्ष ग्राम कोचेवाही थाना वारासिवनी निवासी है। 5 जनवरी की रात्रि 10 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति मोटरसाइकिल में सावंगी प्लांट आ रहा था। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप पटले अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा सावंगी के प्लांट में काम करते है। जिसके परिवार में पत्नी, दो बेटी और माँ है। 5 जनवरी की रात्रि 10ः00 बजे दिलीप पटले मोटरसाइकिल में अपने घर ग्राम कोचेवाही से सावंगी प्लांट काम करने के लिए आ रहे थे। तभी कटंगी रोड पर स्थित ग्राम बुदबुदा के पास बोट्टेझरी जाने वाले रोड जाने वाली एक मोटरसाइकिल को साइड के दौरान मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर रोड किनारे डिवाइडर से टकरा गई ।इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दिलीप पटले घायल हो गए। जिन्हें वारासिवनी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दिलीप पटले को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

म.प्र महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट-होशंगाबाद और सिवनी ने जीते मैच

क्वाटर फाइनल आज, सेमीफाइनल कल, 9 को होगा फाइनल मुकाबला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वर्गीय दीवान बहादुर एम.एम मुलना साहब की स्मृति में 4 जनवरी से जारी हॉकी मध्यप्रदेश महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में रोजाना ही रोमांचक मुकाबले देखे जा रहे है।नगर के स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के तीसरे दिन 2 मैच खेले गये। जिसमें अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए होशंगाबाद और सिवनी ने मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया।बताया गया कि इस टूर्नामेंट में प्रदेश की करीब 20 टीमो ने भाग लिया है।जिसका क्वाटर फाइनल मैच बुधवार 7 जनवरी को खेला जाएगा,जिसके उपरांत 8 जनवरी को सेमीफाइनल मैच, तो वही 9 जनवरी को टूर्नामेंट का खिताबी फाइनल मुकाबला कराकर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

सिवनी ने दर्ज की एकतरफा जीत

आयोजित प्रतियोगिता के तहत टूर्नामेंट के

तीसरे दिन 2 मैच खेले गए। इसमें पहला मैच होशंगाबाद बनाम बड़वानी के मध्य खेला गया। जिसमें होशंगाबाद के खिलाडियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुये 4-1 गोल से विजय प्राप्त कर प्रतियोगिता के अगले चरण क्वाटर फाईनल में प्रवेश किया। तो वहीं दिन का दूसरा मैच सिवनी बनाम सागर के मध्य खेला गया। इसमें सिवनी की टीम ने अपनी कलाईयों जादू दिखाते हुए, 9-0 से एकतरफा जीत प्राप्त कर क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया है। इस मैच में अतिथि के रूप में सहायक कलेक्टर के.एस गौतम, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, डॉ. संतोषसिंह ठाकुर, उत्पानसिंह ठाकुर, जितेन्द्र कोचर, विजय वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

इनके बीच होगा क्वाटर फाइनल

टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल मैच 7 जनवरी बुधवार को खेला जाएगा। इनमें दिन का पहला मैच सुबह 9 बजे से मंदसौर बनाम बैतूल के मध्य खेला जाएगा तो वही दिन का दूसरा मैच जबलपुर बनाम होशंगाबाद के मध्य होंगा, इसी तरह दिन का तीसरा क्वाटर फाईनल मैच ग्वालियर बनाम रायसेन तो वही दिन का अंतिम व चौथा क्वाटर फाइनल मैच भोपाल बनाम सिवनी के मध्य खेला जाएगा। इस अवसर पर नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी के वरिष्ठ खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य, राजेश सेवईवार, सुशील वर्मा, वामन उके, फिरोज खान, गोपाल धुर्वे सहित अन्य पदाधिकारियों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

आस-पास की खबरें

नेवरगांव में जिला स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. में एकता क्लब नेवरगांव वा.

के तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का गत दिवस समारोहपूर्वक समापन किया गया। आयोजित जिला स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में जिलेभर की 16 टीमों के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल मैच एकता क्लब नेवरगांव वा. एवं ड्रीम कीलर तुमाड़ी के मध्य मैच खेला गया। जिसमें ड्रीम कीलर तुमाड़ी टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते ड्रीम कीलर तुमाड़ी को प्रथम पुरस्कार 15001 रूपये एवं एकता क्लब नेवरगांव वा. उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार 8001 रूपये देकर सम्मानित किया। वहीं उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है, जो अनुशासन, नेतृत्व, धैर्य एवं टीम भावना का विकास करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रमेश धुर्वे (अध्यक्ष) ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार के खेल आयोजनों से छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है। ऐसे आयोजन युवाओं को नशा, मोबाइल की लत एवं असामाजिक गतिविधियों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसी उद्देश्य से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और आगामी समय में इससे भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। आयोजन समिति एवं एकता क्लब नेवरगांव वा. के सचिव विकास मेश्राम के द्वारा टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्रायोजकों, निर्णायकों, खिलाड़ियों, स्वयंसेवकों, ग्रामवासियों एवं खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी इस प्रकार के बड़े एवं सुव्यवस्थित खेल आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिध्दार्थ बोपचे, डॉ. ईश्वरी चौधरी, क्लब संरक्षक विजय दखने, निसार खान, नरेंद्र बिसेन, प्रेमसिंग मर्सकोले, अभिमन्यु मेश्राम, गुलेन्द्र भगत जनपद सदस्य सरपंच प्रतिनिधि, क्लब उपाध्यक्ष प्रमोद हनवत, नासिर खान, कोषाध्यक्ष मसूद खान सहित अन्य सदस्यगण एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मापदण्ड का नही हो रहा पालन, विद्युत पोल बन रहा बाधा

लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग के अधूरे निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता

सड़क के बीच में आ रहे विद्युत पोल को हटाने, निर्धारित मापदंडों और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के लालबर्रा बस स्टैण्ड से गुजरी समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे सड़क का निर्माण कार्य एमपीआरडीसी विभाग के माध्यम से करोड़ों रूपयों की लागत से किया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण कार्य में निर्माण कंपनी के द्वारा अनियमितता बरती जा रही है। इस तरह से क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे के प्रयासों से अधूरे पड़े इस सड़क का निर्माण कार्य को पूर्ण करने की प्रक्रिया तो शुरू कर दी गई है। लेकिन मौके स्थल पर स्थिति कुछ और नजर आ रही है। सड़क निर्माण में निर्धारित मापदंडों का पालन नही किया जा रहा है जिसके कारण कुछ स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम तो कुछ जगह अधिक हो रही है। साथ ही सड़क के बीच में विद्युत विभाग के लगे विद्युत पोल भी आ रहे है उन्हे हटाये बिना ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जो निर्माण कार्य में बाधा बन रहे है। जबकि उक्त विद्युत पोल को अन्य स्थान पर स्थानांरित कर निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। अगर सड़क का निर्माण कर पूर्ण हो जाता है और विद्युत पोल सड़क के बीच एवं किनारे में ही रहेगें तो आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहेगी। इस तरह से लंबे समय बाद बन रही लालबर्रा से अमोली-समनापुर करीब 600 मीटर की अधुरी सड़क निर्माण कार्य में निर्माण कंपनी अनियमितता बरत रही है। जिससे ऐसा लग रहा है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मापदंडों को दरकिनार कर कार्य किया जा रहा है। जागरूक नागरिक एवं राहगीरों ने प्रशासन से सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने की मांग की है।

गुणवत्ता से समझौता, भविष्य के लिए बड़ा खतरा

क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर के अधुरे पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य में निर्माण एजेंसी सड़क की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दे रही है। साथ ही सड़क निर्माण के लिए जो तकनीकी मापदंड और मानक पूर्व में निर्धारित किये गये है उन्हे दरकिनार कर निर्माण किया जा रहा है। अगर सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया जाता है तो भविष्य के लिए खतरा बन सकता है। जबकि यह सड़क 7 मीटर चौड़ाई की बनने वाली है लेकिन कुछ स्थानों पर सड़क किनारे टीनशेड व अन्य अतिक्रमण आ रहे है उन्हे हटाया नही गया है। इस तरह से कुछ स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम-अधिक वाली बनेगी। ऐसी स्थिति में आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही नाली का भी निर्माण नही किया जा रहा है ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों एवं बारिश का पानी रोड़ के ऊपर से बहेगा जिससे सड़क जल्द खराब हो जायेगी। इसलिए ग्रामीण एवं राहगीरों की मांग है कि तकनीकी मापदंड एवं मानक के अनुरूप सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं साथ में नाली का भी निर्माण किया जाये।

मार्ग में बाधा बन रहे विद्युत पोलों को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की उठी मांग

लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से व्हीआरएस कंपनी के द्वारा विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया था परन्तु लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली तक 600 मीटर की सड़क का निर्माण कार्य अधुरा छोड़ दिया गया था। लंबे समय बाद इस अधुरे सड़क का निर्माण कार्य हो रहा है लेकिन इस निर्माण कार्य में भी अनियमितता बरती जा रही है।

वहीं निर्माण कार्य में सबसे बड़ी लापरवाही निर्धारित मापदंड का पालन नही करने एवं गुणवत्ता पर ध्यान नही देने के साथ ही सड़क के बीच और किनारों पर स्थित विद्युत पोलों को लेकर देखी जा रही है। जबकि मापदण्ड व मानकों का पालन करते हुए सड़क का निर्माण होना चाहिए। साथ ही सड़क के बीच एवं किनारे स्थित विद्युत पोलों को हटाये बिना ही निर्माण कार्य किया जा रहा है। ये पोल भविष्य में सुचारू आवागमन में बड़ी बाधा साबित होंगे। वहीं स्थानीयजन एवं राहगीरों ने संभावना व्यक्त की है कि इन पोलों के कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित होगी, जिसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। इसलिए सड़क निर्माण कंपनी से मांग है कि पहले विद्युत पोलों को अन्यंत्र स्थान पर शिफ्ट कर तीव्र गति, मापदण्ड का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण करवाये।

निर्धारित मापदंड को दरकिनार कर किया जा रहा निर्माण कार्य - सतानंद

पूर्व सरपंच, राहगीर सतानंद दमाहे ने बताया कि लंबे समय बाद लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से लोग खुश थे किन्तु निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुसार नही होने के कारण उनमें कुछ नाराजगी देखी जा रही है। क्योंकि सड़क का निर्माण निर्धारित मापदण्ड के अनुसार नही किया जा रहा है। कही सड़क चौड़ी है तो कहीं अत्यंत संकरी कर दी गई है एवं पुरानी नालियां भी क्षतिग्रस्त हो रही है और नालियों का भी निर्माण नही किया जा रहा है, जिससे पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। श्री दमाहे ने बताया कि सड़क के बीच एवं किनारे के विद्युत पोलों को भी नही हटाया गया है और निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, उक्त विद्युत पोल निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा है एवं विद्युत पोलों के कारण भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि उन्हे हटाकर निर्माण कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि यह सीमेन्टीकरण सड़क बन रही है लेकिन तराई भी नही की जा रही है, न ही साईन बोर्ड लगाया गया है कि कितनी लागत की सड़क बन रही है। इस तरह से ठेकेदार एवं प्रशासन निर्माण कार्य में मापदण्डों को दरकिनार कर गुणवत्ताहीन सड़क का निर्माण करवा रहे है। हमारी मांग है कि लंबे समय बाद सड़क का निर्माण हो रहा है तो निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए सामान चौड़ाई की गुणवत्तापूर्ण सड़क एवं पानी निकासी के लिए नाली का भी निर्माण करवाये प्रशासन।

7 मीटर चौड़ी बनेगी सड़क - मुकेश

दूरभाष पर चर्चा में एमपीआरडीसी विभाग के एजेएम मुकेश बेले ने बताया कि लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे सड़क का निर्माण किया जा रहा है और यह सड़क 7 मीटर चौड़ी बनेगी जिसका कार्य जारी है। साथ ही विद्युत पोल को हटाने की भी कार्यवाही की जायेगी और निर्धारित मापदण्ड के अनुसार कार्य किया जा रहा है, निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का जो आरोप लगा रहे है वह सभी निराधार है।

कटंगझरी एवं बल्हारपुर पंचायत में कालेज चलों अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के द्वारा कालेज चलों अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत शासकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों की टीम ने ग्राम पंचायत कटंगझरी एवं बल्हारपुर

पंचायत में मंगलवार को बैठक आयोजित कर कालेज चलों अभियान के बारे में ग्रामीणों को आवश्यक जानकारियां प्रदान की है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, नितेश कुमार, डॉ. आशीष बागडे, दीपक अहिरवार, व्यंकटरमन नगपुरे के द्वारा ग्राम पंचायंत बल्हारपुर, ग्राम पंचायत कटंगझरी में बैठक कर कॉलेज चलो अभियान अन्तर्गत जानकारी प्रदान की है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चौरे के संयोजन में कॉलेज चलों अभियान चलाया जा रहा है। महाविद्यालय द्वारा क्षेत्र के शासकीय/अशासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में सम्पर्क के साथ ही ग्राम पंचायतों में बैठक कर समुदायों एवं ग्रामीणों के साथ भी सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है। जिन्हे ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया गया। साथ ही कॅरियर काउंसलिग करते हुए विद्यार्थियों को कॅरियर के अवसरों की जानकारी, परीक्षा की तैयारियों, नैतिक शिक्षा, उच्च शिक्षा अध्ययन, रोजगार अवसरों एवं कौशल आधारित शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। वहीं पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणों को केन्द्र तथा राज्य सरकार सहित अन्य विभागों की छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन योजनाओं एवं नि:शुल्क सहायता योजनाओं एवं म.प्र. शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, महाविद्यालयीन सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई है। वहीं कालेज के प्राध्यापकों के द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित की जा रही सामुदायिक बैठकों का उद्देश्य है कि क्षेत्र में विद्यार्थियों का बारहवीं के बाद महाविद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश हो एवं कोई विद्यार्थी जानकारी के अभाव में प्रवेश से वंचित न रहे। कॉलेज चलो अभियान के इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बल्हारपुर के सरपंच सेवन काटेकर, सचिव राजेन्द्र बागरे, पंच ज्ञानीराम कुवरे, कटंगझरी के सरपंच श्रीमती कविता हटवार, नवीन पटले, रामप्रसाद अजीत एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, स्वसहायता समूह की सदस्य सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ददिया को पराजित कर टिटवा की टीम बनी विजेता

धपेरा मोहगांव में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत धपेरा मोहगांव में वीएस फोटोग्राफी के तत्वाधान में गत दिवस से जारी 25 हजार रूपये ईनामी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का 6 जनवरी को फाइनल मैच के साथ समारोहपूर्वक समापन किया गया। यह क्रिक्रेट प्रतियोगिता का फाइनल मैंच विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, ज्योति उमरे, बालाघाट जनपद उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन के प्रमुख आतिथ्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। फाइनल मैंच ददिया एवं टिटवा के मध्य खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर ददिया की टीम ने बेटिंग करने का निर्णय लिया और 12 ओवर की मैंच में महज 62 ही रन बना पाये और टिटवा की टीम को 63 रन बनाने का लक्ष्य दिया। वहीं दुसरी पाली देखने उतरी टिटवा टीम के खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 4 विकेट खोकर फाइनल मैच का खिताब जीत लिया। जिसके बाद अतिथियों के हस्ते टिटवा की टीम को प्रथम पुरस्कार 25 हजार रूपये, ट्राफी एवं उपविजेता टीम ददिया को द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रूपये, ट्राफी, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं विगत दिवस से जारी इस टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में जिलेभर की आधे सैकड़ा से अधिक टीमों ने भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिसमें ददिया एवं टिटवा की टीम फाइनल में पहुंची थी। जिनके मध्य मंगलवार को फाइनल मैंच खेला गया और सैकड़ों दर्शकों ने इस फाइनल मैंच का लुप्त भी उठाये। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि खेल में एक टीम को हार का सामना करना पड़ता है, लेकिन हारी हुई टीम को निराश होने की आवश्यकता नही है। खेल में कहा गलती हुई है उसमें सुधार करें और अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम का नाम जिले, प्रदेश में रौशन करें। साथ ही यह भी कहा कि खेल खेलने से शारीरिक एवं बौध्दिक विकास होता है इसलिए सभी को कुछ न कुछ खेल खेलते रहना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम का नाम जिले सहित प्रदेश में गौरवांवित करने की बात कही। चर्चा में आयोजन समिति के संचालक विकास मंदुरकर ने बताया कि युवाओं को खेल से जोड़ने एवं स्वस्थ रहने के लिए गत दिवस से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका समापन मंगलवार को फाइनल मैच के साथ किया गया है। वहीं फाइनल मैच ददिया एवं टिटवा के मध्य खेला गया जिसमें टिटवा की टीम ने फाइनल मैच का खिताब जीत लिया है। जिन्हे अतिथियों के हस्ते विजेता टीम को 25001 रूपये एवं उपविजेता टीम को 15001 रूपये, शिल्ड, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। श्री मंदुरकर ने बताया कि आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में आधा सैकड़ा से अधिक टीमों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये है और आगामी समय में इससे भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर समिति आयोजक विकास मंदुरकर, अध्यक्ष कृष्णा चोपकर, उपाध्यक्ष रविंद्र वरकड़े, हिमेश लिल्हारे, विनोद जामरे, संदीप नगपुरे, प्रवीण नगपुरे सहित ग्रामीणजन एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगाड़े की धुन और पैरों की थाप ने मोहा मन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नूतन कला निकेतन बालाघाट में सौरभ ग्रामीण विकास शिक्षा एवं जन कल्याण समिति द्वारा किये जा रहे चार दिवसीय (4 से 7 जनवरी) सांस्कृतिक कार्यक्रम में दूसरे दिन सोमवार रात झामसिंह एवं साथी कलाकार बाघाटोला के द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। 18 लोगों के इस समूह ने जब अपनी प्रस्तुति आरंभ की तो उनकी पारंपरिक संस्कृति और सादगी ने लोगो का मन मोह लिया।उनके द्वारा किये जाने वाले बैगा एवं गोंड जनजाति की पारम्परिक घटनाओं पर आधारित गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति एवं नगाड़े की धुन पर पैरों का तालमेल देखते योग्य था।इसी क्रम में उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति में मादर का बजना एवं देव पूजा की परंपरा, रीति रिवाजों को पूरी आत्मीयता से मानना एवं उसका सम्मान कैसे किया जाता है इसकी भी शानदार प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का स्थानीय दर्शकों ने ने भरपूर आनंद लिया।संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रदत्त अनुदान एवं सौरभ ग्रामीण विकास शिक्षा एवं जन कल्याण समिति का ये आयोजन दिनांक 06 एवं 07 जनवरी को भी नूतन कला निकेतन में सायं 7 बजे से किया जाएगा। आयोजको द्वारा दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की गई है।

रबी लगाने नहर के पानी का इंतजार कर रहे सिकंद्रा ग्रामवासी

किसानो ने नहर की मरम्मत कर पानी देने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के किसान रबी के सीजन की फसल लगाने के लिए नहर में पानी आने की रास्ता देख रहे हैं। जहां सिंचाई विभाग के द्वारा पानी नही देने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग के चक्कर भी लगाया जा रहे हैं। किंतु विभाग के द्वारा ना ही नहर की मरम्मत करने पर कोई कार्य किया गया है और ना ही पानी छोड़ा गया है। किसानों में सिंचाई विभाग के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है की विभाग के द्वारा रबि और खरीफ में पानी का पैसा बराबर लिया जा रहा है ,किंतु पानी वितरण में गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यही कारण है कि नगर के मध्य से गुजरने वाली ड्यूटी नहर की एक कैनाल वार्ड नंबर तीन होते हुए सिकंद्रा को आती है जिसका इस बार फाटा नहीं खोला गया है। जबकि गत दिवस नहर में पानी छोड़ा गया था और अभी भी नहर में पानी जमा है परंतु इस नहर में पानी नहीं दिया गया है तो वही नहर की मरम्मत भी नहीं की गई है। नहर में गंदगी और झाड़ियों से भरी हुई है किसानों के खूब आक्रोश में केवल जेसीबी लगाकर लीपा पोती कर दी जाती है। परंतु लंबे समय से आज तक विधिवत सिकंद्रा में पानी वितरण नहर की मरम्मत नहीं की गई है। जिसके कारण कई स्थानों पर गड्ढे और सुराग बने हुए हैं, रिक्शा कॉलोनी के पास से हर बार नहर टूट जाता है और अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाता है। वर्तमान में किसानों के द्वारा रबी लगाने के लिए नहर की रास्ता देखी जा रही है किंतु एक बूंद पानी खेतों तक नहीं पहुंच पाया है। इस दौरान नहर का पानी मिलाने की आशा में जिन किसानों के द्वारा गेहूं की बुआई की गयी थी वह बिना अंकुरित हुए खराब हो गए हैं। तो वहीं अब वह किसान पुन: खेती लगाने की तैयारी कर रहे है,परंतु पहले नहर के पानी का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें आगे नुकसान सहना करना ना पड़े। मुख्य नहर में देखा जाए तो इस नहर के फाटे बंद पड़े हुए हैं जहां खोला नहीं गया है। ऐसे में किसान काफी परेशान है जबकि उक्त क्षेत्र में करीब 50 से अधिक किसानो की भूमि स्थित है उनके द्वारा लगातार आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। किसानो की मांग है कि नहर का विधिवत मरम्मत कार्य करवाकर ऐसी व्यवस्था बनाए जाए कि सीधा अपनी अंतिम छोर तक पहुंचे। ताकि हर किसान को लाभ मिल सके परंतु देखने में आता है कि आधी नहर भी अ'छे से नहीं आ पा रहा है। जिससे किसानों की खेती पर सीधा सूखा पड़ने का असर देखने को मिल रहा है।

सिचांई विभाग नही दे रहा रबी की फसल लगाने पानी-भिवराम

किसान भिवराम चौधरी ने बताया कि नहर में पानी एक भी नहीं आ रहा है बीच बीच में भुड़के लगते हैं तो उसे बांधने के लिए हम जाते हैं। इस काम में पूरा दिन लग जाता है काम धंधा छोड़ना पड़ता है तो भी निश्चित नहीं है कि पानी आएगा या नहीं। अभी हमने खेत में गेहूं की बुवाई की थी परंतु पानी नहीं मिलने से वह पूरा खराब हो गया। रबी में यदि पानी नहीं मिलेगा तो दिक्कत रहेगी गेहूं का तो अंकुर तक नहीं निकल पाया। हम तो बीच में हैं आगे तक यह नहर बनी हुई है वहां तो पानी जाता ही नहीं है काफी मुश्किलों के बाद पानी आता है। सिंचाई विभाग को यह परवाह नहीं है कि हमें पानी मिले ना मिले पर उन्हें पानी का पैसा मिलना चाहिए। जिसे लेने के लिए वह समय पर खड़े हो जाते हैं हमें पानी चाहिए जिसकी हम लड़ाई लड़ रहे हैं।

कैंप लगाकर सिचांई विभाग वसूली करता है तो किसानों को पानी भी दें-कन्हैया

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि शहर वालों के लिए नहर एक कचरा डालने का साधन जिसमें कचरा गंदगी प्लास्टिक भरा हुआ है। हम जब अधिकारी से बात करते हैं तो वह साफ करवा देंगे इतने का टेंडर हो गया है सीमेंटी करण होगा पूरा लॉलीपॉप देकर समझाते हैं परंतु आज तक कोई सीमेंटी करण नहीं हुआ। रबी खरीफ की सिंचाई की बात आती है तो किसानों को वह विभाग में सरपंच बनाएगा कहते हैं। हम कई बार कहे हैं की राशि हमें डालो एजेंसी बना दो हम नहर बना देंगे क्योंकि बहुत दिक्कत है। नहर की सफाई नहीं होती वार्ड नंबर 2 रिक्शा कॉलोनी में जमीन नीचे नहर ऊपर है दबाव के कारण टूट जाती है सारा पानी आमा तालाब में जाता है। किसानों को परेशानी हो रही विभाग के चक्कर लगा रहे हैं यह जब एस्टीमेट बना लिए तो एजेंसी तैयार कर कार्य करवाए। नहर जगह जगह टूटी हुई है सदियों से इसका काम नहीं हुआ है केवल खाना पूर्ति की जाती है जेसीबी चलाकर। हजारों बार बोल दिया गया है सुधारने एक दिन नहीं आया और पंचायत में वसूली करने के लिए कैंप लगाकर बैठ जाते हैं लगातार विभाग में जब किसान जाता है तो सरपंच को बदनाम करते हैं।

ट्रैक्टर सहित 2.535 घन मीटर लकड़ी जप्त कर प्रकरण किया दर्ज

लकड़ी से भरे ट्रैक्टर पर वन विभाग ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन विभाग के द्वारा नगर के शंकर तालाब मार्ग पर आँजन और किन्ही की लकड़ियों से भरे ट्रैक्टर पर वन विभाग के द्वारा कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही विभाग के द्वारा वृक्षों की अवैध कटाई और अवैध परिवहन को लेकर की गई। मामले में वनोउपज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी के वन अमले के द्वारा क्षेत्र भ्रमण किया जा रहा था। इसी दौरान वन क्षेत्र के लिए नगर के शंकर तालाब मार्ग से दूसरी ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में उन्हें एक अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली में कटे हुए वृक्ष के बड़े.बड़े लट्ठे रखे हुए थे जिसे वह कहीं लेकर जा रहा था। यह देख तत्काल ट्रैक्टर को रोका गया जिससे पूछताछ की गई तो ड्राइवर ने अपना नाम शुभम पिता धुरेलाल बिंझवार उम्र 25 वर्ष कोथुरना निवासी बताया। तो वहीं लकड़ी और ट्रैक्टर बसंत पिता फूलीचंद रहाँगडाले ग्राम कोथुरना निवासी का होना बताया है। जिस पर वन विभाग के द्वारा मौके पर ड्राइवर से आवश्यक दस्तावेज मांगे गए परंतु वह मौके पर वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने में असमर्थ रहा। जिससे विभाग के द्वारा जप्त कर परिक्षेत्र कार्यालय में लाया गया जहां आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने समय दिया गया। परंतु समय सीमा पर भी दस्तावेज उपलब्ध नही होने पर विभाग के द्वारा वृक्षों की अवैध कटाई और अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर लिया हैं। वही ट्रैक्टर और ट्राली में भरे हुए आँजन और किन्ही वृक्ष के 15 नग लट्ठे जो करीब 2.535 घन मीटर लकड़ी है उसे जप्त कर लिया गया है। वहीं वनोउपज अधिनियम के तहत कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस कार्यवाही में रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन ,डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे ,वनरक्षक भवानी बिसेन ,दिनेश पानेकर ,आलोक पटले ,लक्ष्मीकांत डेकाटे का सराहनीय योगदान रहा।

वन विभाग ने उल्लू के 4 ब'चों का किया रेस्क्यू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर 12 शीतला माता मंदिर के पास निवासी नीरज सोनी के मकान से उल्लू के चार ब'चों का वन विभाग के द्वारा रेस्क्यू किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नीरज सोनी का पुराना मकान तोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जहां पर उल्लू के द्वारा अपना आशियाना बनाकर चार ब'चे को रखा गया था। जहां 6 जनवरी को मकान तोड़ने के दौरान सुबह यह उल्लू के ब'चे देखे गए जिसकी जानकारी वन विभाग को दी गई। जिस पर विभाग के द्वारा चारों ब'चों को कार्टून में सुरक्षित वन विभाग में लाया गया। जहां उन्हें रखा गया है वर्तमान में वह उड़ने में असमर्थ है जिसके कारण पुन: वन विभाग में सुरक्षित रखवाकर उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

श्री सकल समाज महिला मंडल की श्री शिवमहापुराण कथा में उमड़ा भक्तो का सैलाब

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ९ वर्षो की सतत परंपरा का पालन करते हुये श्री सकल समाज महिला मंडल के द्वारा नगर में श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिन श्रीगणेश जन्म के प्रसंग में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे उपस्थित होकर जिन्होने व्यासपीठ व महाराजश्री को नमन कर महाआरती के बाद आर्शीवाद भी प्राप्त किया। नगर के प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक रामकृपाल त्रिपाठी को नमन करते हुये प्रदीप जायसवाल ने कहा की शिवपुराण हिदूं धर्म के १८ महापुराणो में से एक है। जिसका महत्व भगवान शिव की महिमा, लीलाओ और ज्ञान से भरपुर है। इसका पाठ या श्रवण करने से भक्तो की सभी मनोकामनायें पूर्ण होती है। साथ ही भक्तगण शिवलोक में स्थान पाते है। और शिव भक्ति के गुणो को आत्मसात कर पाते है। श्री जायसवाल ने कहा की आज कथा का श्रवण करने से हम सभी के अंदर शिवजी के समान वात्सल्य, दया और करूणा के भाव विकसीत हुये है। श्री जायसवाल ने कहा की जब सागर मंथन के समय अम्रत और विष दोनो निकला तब अम्रत को पाने के लिये सभी देवतागण और राक्षणगण आतुर हो गये। किंतू विष को पाने के लिये कोई आगे नही आया। तब प्रभू शिव ने स्त्रष्टि को बचाने के लिये विष का पान किया, तब से उनका नाम नीलकंठ हो गया। और तभी से शिवजी के अभिषेक करने की परपंरा शुरू हो गयी। अभिषेक के जल से शिवजी के शरीर पर पडे जहर का असर कम होने से शिवजी की प्रसन्नता हम सभी को मिल जाती है।

सेवा सहकारी समिति बुदबूदा और रमरमा में हैं भारी डंप

खरीदी केन्द्रो में डंप धान से खरीदी व्यवस्था डांमाडोल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी अंतर्गत विभिन्न सोसायटियों के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शासन के निर्देशानुसार सेवा सहकारी समिति एवं वेयरहाउस में की जा रही है। इस दौरान सेवा सहकारी समितियों में बनाए गए खरीदी केन्द्रो में सबसे बड़ी समस्या वर्तमान में डंप बने हुए हैं। जहां पर हजारों क्विंटल धान की बोरियां पड़ी हुई है यही कारण है कि मौके पर किसानों को अपनी धान समिति को देने के लिए असुविधा हो रही है। तो वहीं पूरी तरह अव्यवस्था उत्पन्न हो रही है जिससे रोजाना किसान परेशान हो रहे हैं। जहां परिवहन के द्वारा धान का उठाव समय पर नहीं किया जा रहा है। जिस पर किसान और समिति के द्वारा लगातार प्रशासन से परिवहन की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की जा रही है ताकि वह खरीदी कर सके।

बुदबूदा और रमरमा में 18356 क्विंटल से अधिक धान का है भण्डारण

शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अपने अंतिम दौर में चल रही है जहां लगातार किसान बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर अति शीघ्र अपनी धान शासन को देने का कार्य कर रहे हैं। परंतु मौके पर पूर्व में खरीदी गई धान जिसका परिवहन समय रहते परिवहनकर्ता के द्वारा नहीं किया गया है। जबकि जिला कलेक्टर के द्वारा लगातार धान का उठाव करने के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं। परंतु उसका परिपालन वास्तविकता में धरातल पर देखने को नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबूदा और रमरमा के खरीदी केंद्र में 18356 से अधिक क्विंटल धान का डंप बना हुआ है। इस दौरान देखने में आ रहा है कि धान परिवहन के नाम पर सप्ताह में 1 से 2 ट्रक लगवाए जा रहे हैं वह भी खानापूर्ति करते नजर आ रहे हैं। जबकि पूर्व में अ'छा परिवहन किया गया फिर परिवहन में लापरवाही बरती जा रही है। विदित हो की बुदबुदा सोसायटी में 28902 क्विंटल कुल धान खरीदी की गई है,जिसमें 19662 क्विंटल धान का परिवहन हो गया है। तो वहीं करीब 9240 क्विंटल धान का भंडारण सोसायटी में पड़ा हुआ है। इसी प्रकार रमरमा समिति के द्वारा 31837 क्विंटल धान किसानों से खरीदा गया है, जिसमें 22720 क्विंटल धान का परिवहन हो गया है तो वहीं 9116 क्विंटल धान सोसाइटी में डंप पड़ा हुआ है। इस प्रकार दोनों सोसायटी में करीब 50000धान की बोरी डंप रखी हुई है जिसने खरीदी केंद्र का आधे से अधिक स्थान घेर कर रखा हुआ है। जहां किसान अपनी धान देने के लिए पहुंच रहे हैं तो उन्हें अपनी उपज रखना और शासन को देने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी वह मजबूरी में अव्यवस्था का सामना करते हुए समिति को धान दे रहे है। इस दौरान किसान की आपस में विवाद की भी स्थिति निर्मित हो रही है। क्योंकि मौके पर जगह का अभाव बना हुआ है तो वहीं मौसम भी लगातार परिवर्तित होता जा रहा है। बीते दिनों छिंदवाड़ा में बारिश हुई थी अगर यह बारिश यहां होती है तो एक बड़ी नुकसानी हो सकती है। क्योंकि समिति के द्वारा इतने बड़े डंप और किसान की उपज को बचाने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं तो है किंतु पूरा बचाना असंभव है। इस परिस्थिति में सेवा सहकारी समिति एवं समिति के किसानों के द्वारा शासन प्रशासन से परिवहन की गति को बढ़ाने और रोजाना परिवहन करवाने की मांग की जा रही है कि किसान और समिति को समस्या का सामना नही करना पड़े।

परिवहन की गति को बढ़ाने जिला कलेक्टर से करेंगे बात -पीतांबर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ है। किसान धान खरीदी केंद्र बुदबुदा और रमरमा पहुंच रहे हैं यहां स्थिति है कि धान का उठाव नहीं होने से किसान जो अपनी उपज ला रहे हैं उसे रखना और भरने तक का स्थान नहीं मिल रहा है। परिवहन की स्थिति यह है कि एक से दो गाड़ी लिमिट में आ रही है ऐसे में कैसा होगा किसान परेशान है धान रखने जगह नहीं है। जिला कलेक्टर का हम ध्यान आकर्षण करवाना चाहते हैं कि वह परिवहन की गति को बढ़ाएं किसान बहुत परेशान है। पूरा दिन गाड़ी लेकर बाहर खड़े रह रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी उपज रखना स्थान नहीं मिल रहा है। बुदबूदा में 10000 क्विंटल और रमरमा में 90000 क्विंटल करीब धान डंप पड़ा है। शासन प्रशासन से हमारी मांग है कि यहां व्यवस्था सुधरे परिवहन को तीव्र गति से चलवाए।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

आरएसएस बस्ती एवं मंडलों में आयोजित करवायेगा हिंदू सम्मेलन

अक्षत कलश यात्रा का हुआ नगरागमन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। 5 जनवरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर अक्षत कलश का नगर आगमन हुआ। इस दौरान नगर के दीनदयाल चौक से राम मंदिर तक बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा दीनदयाल चौक से प्रारंभ हुई जो बस स्टैंड,जय स्तंभ चौक ,नेहरू चौक ,आंबेडकर चौक का भ्रमण करते हुए श्री राम मंदिर पहुंची जहां शोभा यात्रा समाप्त की गई। विदित हो की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा शताब्दी वर्ष के अवसर पर हिंदू सम्मेलन का आयोजन प्रत्येक बस्ती और मंडल में किया जाना है। जिसके लिए यह अक्षत कलश वितरण किया गया है वारासिवनी खंड में 4 बस्ती ,15 मंडल बने हुए हैं जहां 15 से 30 जनवरी तक हिंदू सम्मेलन आयोजित होना है। जिसके लिए सभी मंडल और बस्तियों को 7 जनवरी को श्री राम मंदिर से अक्षत कलश का वितरण किया जाएगा। जिला कार्यवाह राम ठाकरे ने बताया की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है इस उपलक्ष में हर मंडल और केंद्र में हिंदू सम्मेलन किया जाएगा। बालाघाट में 23 बस्तियां 100 मंडल है सभी जगह यह कार्यक्रम होना है। जबलपुर मां नर्मदा के तट से पूजा अर्चना कर यह अक्षत कलश जिले में वितरण किया गया था। जहां से वारासिवनी खंड के लिए यह अक्षत कलश लाया गया है। यहां से इसका वितरण मंडल तक किया जाएगा यह कलश आगमन पर दीनदयाल चौक से राम मंदिर तक यात्रा निकाली गई है। इस कलश को राम मंदिर में स्थापित कर पूजा अर्चना की जायेगी इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

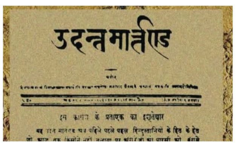

दिल्ली दंगों की साजिश रचने से जुड़े मामले में दो मुख्य आरोपियों की जमानत की अर्जी ठुकराते हुए पांच अन्य आरोपियों को सशर्त जमानत देकर शीर्ष अदालत ने आरोपों की गंभीरता को स्पष्ट करने के साथ यह कड़ा संदेश भी दिया है कि देश विरोधी मामलों में किसी भी तरह की रियायत नहीं बरती जाएगी।

न्याय : फैसला और संदेश

फरवरी, 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगों की साजिश रचने से जुड़े मामले में शीर्ष अदालत ने पांच आरोपियों के निरंतर कारावास को जरूरी नहीं मानते हुए उन्हें सशर्त जमानत दी, जबकि दो आरोपियों-उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इन्कार कर दिया, जिससे स्पष्ट है कि इन दोनों की भूमिका को अदालत ने सबूतों के आधार पर बेहद गंभीर माना है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि अभियोजन और सबूतों, दोनों के लिहाज से उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका अन्य आरोपियों की तुलना में %अलग और गंभीर% है। चूंकि, इन दोनों को दोबारा जमानत की अर्जी दायर करने के मामले में अदालत ने गवाहों की जांच पूरी हो जाने या फिर अधिकतम एक साल की शर्त रखी है, इससे साफ है कि दोनों को जल्दी राहत नहीं मिलने वाली है। पांच आरोपियों को बेशक सशर्त जमानत दी गई है, लेकिन उन पर लगाए गए आरोपों में कोई नरमी नहीं दिखाई गई,बल्कि कहा गया है कि अगर इन शर्तों का उल्लंघन होता है, तो ट्रायल कोर्ट जमानत रद्द करने के लिए स्वतंत्र होगा। गौरतलब है कि इन सातों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दिल्ली दंगों के संदर्भ में यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर फैली हिंसा में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। हालांकि, बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपियों को लंबे समय से जेल में कैद रखा गया है, पर अदालत ने स्पष्ट किया कि यह जमानत का आधार नहीं हो सकता, क्योंकि %कथित अपराधों में इन दोनों की भूमिका केंद्रीय रही है। इन दोनों की हिरासत की अवधि भले ही लंबी रही हो, पर यह न तो सांविधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करती है और न ही संबंधित कानूनों के तहत लगे वैधानिक प्रतिबंधों को निष्प्रभावी करती है।% अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत पेश किए हैं, उससे प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली दंगा स्वत:स्फूर्त नहीं भड़का था, बल्कि यह ऐसे समय में देश की संप्रभुता पर सुनियोजित हमला था, जब दूसरे देश के एक विशिष्ट अतिथि भारत दौरे पर थे। जाहिर है, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को बदनाम करने तथा देश में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की भी सोची-समझी कोशिश थी, जिसके लिए न सिर्फ भड़काऊ भाषण दिए गए, बल्कि व्हाट्सएप से संदेश भी प्रसारित किए गए। बेशक यह हिंसा सीएए और एनआरसी के खिलाफ चल रहे आंदोलनों के समय भड़की, लेकिन क्या इसका उद्देश्य विरोध से कहीं ज्यादा देश भर में आंतरिक अस्थिरता पैदा करना नहीं था? जाहिर है, शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अपने सुविचारित फैसले के जरिये कड़ा संदेश दिया है कि देश विरोधी मामलों में किसी भी तरह की रियायत नहीं बरती जाएगी और उससे सख्ती से निपटा जाएगा।

सवाल समाज के ताने-बाने को बचाने का है

-संकेत उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार

साल 2026 की शुरुआत नई तकनीक का दुरुपयोग करके महिलाओं के चित्रों पर से कपड़े हटवाने और उनको बिकिनी पहनाने से हुई, जो बेहद आपत्तिजनक है। ऐसी तस्वीरें एक्स पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सरकार ने एक्स से जवाब मांगा है, लेकिन समाज की भी अपनी जिम्मेदारी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुष्परिणामों पर पोथा लिखा जा चुका है। लेकिन साल 2026 की शुरुआत हुई नई तकनीक के पुराने दुरुपयोग से, यानी महिलाओं के चित्रों पर से कपड़े हटवाना और उनको बिकिनी पहना देना। यह सिर्फ हिंदुस्तान में नहीं, पूरी दुनिया में होने लगा। और इस बार इस सामाजिक विकृति के पीछे था-एलन मस्क का नया खिलौना, ग्रोक एआई और ट्वीटर का नया अवतार एक्स।

एक्स पर पिछले कुछ दिनों से लगातार महिलाओं की तस्वीरें डाली जा रही हैं और उस पर लिखा जा रहा है कि ग्रोक अपनी तकनीक का प्रयोग करके महिलाओं के कपड़े हटा दे और महिलाओं को बिकिनी पोशाक पहना दे। और ग्रोक यह कर भी रहा है। शुरुआत में तो यह खेल जैसा ही लगा, पर कुछ ही पल में इसके दुरुपयोग को लेकर समाज में सिर्फ चिंता ही पैदा नहीं हुई, बल्कि इस दुरुपयोग को देखा भी गया। पहले बताया गया कि महिलाएं खुद ही अपनी तस्वीरों को बिकिनी में देखना चाहती हैं। बाद में कमेंट्स में लोग अपने हिसाब से महिलाओं की तस्वीरों के वस्त्र बदलने लगे।

दुनिया भर में हल्ले के बाद ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने संज्ञान तो लिया है, लेकिन वह अधूरा है। यह कहते हैं कि ग्रोक का दुरुपयोग करने वालों के साथ वही होगा, जो बाकी अवैध सामग्री डालने वालों के साथ होता है। मगर आगे सुनिए। वह यह भी कहते हैं कि इन सबके लिए ग्रोक जिम्मेदार नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल करने वाले लोग हैं। कलम से कुछ खराब लिख दिया जाए, तो दोष कलम का नहीं होता, लिखने वाले का होता है। सतही रूप से देखें, तो बात तार्किक लगेगी। लेकिन कलम का उदाहरण गलत है। कलम अपना दिमाग नहीं लगाती। ग्रोक एक भाषा सीखने का मॉड्यूल है। वह खुद दिमाग लगाता है, इसलिए पाप में भागीदार भी है और मस्क यह न भूलें कि

दुरुपयोग रोकना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। एक बड़ा सवाल हमारे समाज और हमारी सरकार से भी है। यह हम होने

कैसे दे रहे हैं? क्या तकनीक के नाम पर हम कुछ भी स्वीकार कर लेंगे? सोचिए जरा, आज यह किसी अनजान महिला की तस्वीर है, जिसे आप वस्त्रहीन होते देख रहे हैं। कल अगर किसी ने आपकी या आपके परिवार की किसी महिला सदस्य की तस्वीर के साथ ऐसा कर दिया, तो? जब तक आप यह साबित करेंगे कि यह डीपफेक एआई छवि है, तब तक इसी समाज के लोग उन चीजों की कल्पना कर चुके होंगे, जो सभ्य समाज को नागवार गुजरना चाहिए। आज ग्रोक है, कल कोई और एआई। पिछले वर्ष एक बड़ा बवाल तब उठ खड़ा हुआ था, जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का डीपफेक वीडियो सामने आया। लंदन की किसी मॉडल के तंग कपड़ों के वीडियो पर रश्मिका की तस्वीर

डाल दी गई। बवाल हुआ। अमिताभ बच्चन तक हैरान हुए। तब भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग की चर्चा तेज हुई थी। मुझे याद है, मैंने पिछले कई वर्षों से एआई के भयानक दुरुपयोग पर तमाम स्टोरी कीं। जैसे इसके कई एप, जो किसी भी दो तस्वीर को या तो गले लगवा देंगे, या उनसे मार-काट करवा देंगे। याद कीजिए, आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल का भीमराव आंबेडकर के साथ का एक वीडियो, जिसमें आंबेडकर उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं। लेकिन फिर कुछ ही घंटों में एक और वीडियो सामने आया, जिसमें आंबेडकर केजरीवाल को थप्पड़ मारते हुए दिखाई देते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं। पर एक एआई के एप ने तो मुझे हिला कर रख दिया। इसमें पैसे देकर आप किसी भी दो तस्वीरों को चुंबन करवा सकते हैं। और यह सब खुलेआम हो रहा है। ऐसे एप अपना प्रचार भी करते हैं। एक दौर था फोटोशॉप का, जब यही सब चीज करने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एडोब फोटोशॉप की जरूरत पड़ती थी।

समाज में महिलाओं के सम्मान का मखौल आज से नहीं उड़ रहा। लेकिन एक्स पर फैल रही खुली नग्नता इसलिए ज्यादा चिंताजनक और परेशान करने वाली बात है, क्योंकि जो चीज अब तक पर्दे के पीछे ही हो रही थी, अब वह बहुत तेजी से बेरोकटोक व खुलेआम हो रही है। कुछ सेकंडों में हो रही है। और चूंकि यह सब सोशल मीडिया एक्स पर उपलब्ध है, तो तेजी से फैल भी रही है। यह डिजिटल दुराचार से कम नहीं। समाज में कुछ लोग मानसिक रूप से बीमार हैं। ऐसे एप उस बीमारी को और बढ़ावा दे रहे हैं।

एआई जैसी तकनीक से हमेशा दो कदम आगे रहना कठिन है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। इस क्षेत्र में बहुत शोध हो रहा है और हम (सरकार तथा सरकार के बाहर) इन पर चर्चा कर भी रहे हैं। लेकिन वक्त है तेजी से काम करने का। इन सब मामलों में इंतजार घातक हो सकता है। हमारे देश के मौजूदा कानून महिला सम्मान की रक्षा करने में सक्षम हैं। एक्स में जो समस्या है, वही समाधान भी है। कौन ग्रोक से सवाल पूछ रहा है और कौन नग्नता फैला रहा है, यह सब खुले में हो रहा है। ऐसे एक्स हँडल्स के खिलाफ देश के कानून प्रवर्तन तंत्र तुरंत हरकत में आ सकते हैं। जब कार्रवाई त्वरित होगी, तो ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में कानून का डर बनेगा। घटिया मानसिकता रखने वाले लोगों को यह जताना बहुत जरूरी हो गया है कि महिलाओं का सम्मान करना कोई विकल्प नहीं है, बल्कि अनिवार्य है। कम से कम हरेक नागरिक से इतना तो अपेक्षित ही है कि वह महिलाओं का सम्मान करे।

अच्छी बात यह है कि सरकार ने मामले की गंभीरता को समझा है। बीते दो जनवरी को इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने एक्स को एक चि?ट्ठी भेजी। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 33 (घटनाओं की जानकारी देना) और धारा 111 (साइबर अपराध तथा संगठित अपराध) शामिल हैं। यह चिट्ठी एक्स को उसकी जिम्मेदारी याद दिला रही है। इसमें आईटी एक्ट की उन धाराओं का भी उल्लेख है, जिसमें एक्स को अब तक की सारी तस्वीरों को हटाना होगा और 72 घंटे के भीतर जानकारी देनी होगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो विधिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। समस्या यह है कि फेसबुक (मेटा), गूगल व एक्स जैसी कंपनियां कई देशों से बड़ी हो गई हैं। ऐसे में, यदि एक्स व ग्रोक भारत के कानून का पालन नहीं करती, तो क्या भारत एक्स पर यह कार्रवाई करके एक उदाहरण पेश करेगा? हमारे नेताओं को और जागरूक होना पड़ेगा। राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने चिंता व्यक्त करते हुए एक चि?ट्ठी तो लिखी है, लेकिन यदा-कदा लिखी गई ये चिट्ठियां खानापूर्ति ज्यादा लगती हैं। एआई का दुरुपयोग विपक्ष और सरकार के बीच रस्साकसी का मुद्दा नहीं, समाज के ताने-बाने को बचाने का है। यहां सब की जिमेदारी बनती है। कल को आपके घर परिवार के लोगों के साथ भी ऐसा हो सकता है। नेताओं के साथ भी। इसलिए, एआई पर फैलने वाली इस अश्लीलता पर रोक लगानी ही होगी।

-फ्रेडरिक नीत्शे

हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानें। यह स्वीकृति आपको गुलाम नहीं बनाती, बल्कि आपको मुक्त करती है। तब आप भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हैं।

भाग्य से प्रेम करने का साहस रखें

जीवन अक्सर हमारी योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। वह अपनी ही लय में चलता है-कभी हमें ऊंचाइयों पर ले जाता है, कभी गहराइयों में धकेल देता है। इसमें पीड़ा है, असफलताएं हैं, अपमान है और ऐसे क्षण भी आते हैं, जब लगता है कि पूरा संसार हमारे विरुद्ध खड़ा हो गया है। लेकिन यहीं से जीवन का एक गहरा और क्रांतिकारी सत्य प्रकट होता है-सच्ची शक्ति परिस्थितियों को बदलने में नहीं, बल्कि उन्हें पूरे हृदय से स्वीकार करने और उनसे प्रेम करने में है। यही है अमोर फाति, यानी अपने भाग्य से प्रेम करना।

अमोर फाति का अर्थ समर्पण नहीं, बल्कि स्वीकृति है। यह कहना नहीं कि %मुझे सहना ही होगा%, बल्कि यह कहना है कि मैं इसे चाहता हूं। जो घट रहा है, वह केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि आवश्यक है। यह दृष्टि जीवन को युद्धभूमि नहीं, बल्कि आत्म-निर्माण की प्रयोगशाला मानती है। जो तुम्हें तोड़ता है, वही तुम्हें गढ़ता है। जो तुम्हें चोट पहुंचाता है, वही तुम्हें गहराई देता है। बुरी चीजों को भी सुंदर देखना सीखो। तब तुम उन लोगों में से एक बन जाओगे, जो स्वयं चीजों को सुंदर बना देते हैं। बीमारी, हानि, तिरस्कार-ये कोई अभिशाप नहीं, बल्कि भाग्य के उपहार हैं। इनके विरुद्ध युद्ध मत छेड़ो। जो तुम्हारे हिस्से आया है, उसे गले लगाओ। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, लेकिन भाग्य से प्रेम करने वाला शक्तिशाली हो जाता है।

स्वयं से एक कठोर प्रश्न पूछो-यदि यही जीवन, जैसा है, हर आनंद और हर पीड़ा के साथ, अनंत बार दोहराया जाए, तो क्या तुम इसे फिर भी %हां% कहोगे? या स्वीकारोगे? यही अमोर फाति की अंतिम परीक्षा है। महान वही है, जो कह सके कि कुछ भी अलग नहीं होना चाहिए। अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को कोसो मत। हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानो। यह स्वीकृति तुम्हें गुलाम नहीं बनाती, बल्कि यह तुम्हें मुक्त करती है। तब तुम भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हो। यही स्वतंत्र आत्मा की पहचान है। अमोर फाति निष्क्रियता नहीं सिखाता। यह सक्रिय, साहसी और रचनात्मक स्वीकृति है। जब कोई रिश्ता टूटे, तो उसे पतन नहीं, विकास का द्वार समझो। जब जीवन तुम्हें चुनौती दे, तो उसे अवसर मानो-स्वयं को और ऊंचा उठाने का अवसर। खुद को %हां% कहने वाला बनाओ। हर सुबह यह संकल्प लो कि आज जो भी आएगा, मैं उसका स्वागत करूंगा। दर्द आए, तो पूछो कि यह मुझे क्या मजबूत बना रहा है? सफलता मिले, तो कृतज्ञ बनो और उसे भाग्य का वरदान मानो। ऐसी मनोवृत्ति चिंता को जला देती है, भय को निष्प्रभावी कर देती है। तब तुम जीवन के साधारण पात्र नहीं रहते, तुम उसके नायक बन जाते हो। हर अध्याय को पूरे उत्साह से जीने वाले नायक। भाग्य से प्रेम जीवन को बोझ नहीं, उत्सव बना देता है। दुख में भी सौंदर्य खोजो, हर क्षण को अमर बनाओ। जब तुम अपने भाग्य से प्रेम करने लगते हो, तब जीवन भी तुमसे प्रेम करने लगता है।

सूत्र - भविष्य से डरें नहीं

जीवन को बदलने की कोशिश मत करो, उसे अपनाना सीखो। जो घट रहा है, वही आवश्यक है, चाहे वह सुख हो या दुख। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, जबकि प्रेम करने वाला शक्तिशाली बनता है। हर पीड़ा तुम्हें गढ़ने आई है, हर असफलता तुम्हें गहराई देने। अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को स्वीकारो और भविष्य से भय मत खाओ।

सम-सामयिक

काराकस : अमेरिका के सैन्य अभियान की वैधता पर सवाल

अमेरिका के द्वारा वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ ले जाने के अभियान की वैधता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अमेरिका के लिए आपरेशन %एब्सोल्यूट रिजाल्व% का घोषित उद्देश्य उस व्यक्ति को पकड़ कर ले जाना था, जिसके बारे में उसका दावा था कि उसने 2024 के चुनावों में धांधली कर वेनेजुएला के राष्ट्रपति का पद हासिल किया था। महत्त्वपूर्ण बात यह रही कि न्यूयार्क की एक संघीय अदालत ने उस पर अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशीले पदार्थों की तस्करी का सिंडिकेट चलाने और आतंकवाद से जुड़े होने का अभियोग लगाया था।

अदालत के अभियोग पत्र में कहा गया है, %पिछले 25 वर्षों से वेनेजुएला के नेताओं ने सार्वजनिक विश्वास के पदों का दुरुपयोग किया है और अमेरिका में बड़ी मात्रा में कोकीन बेची है। आरोपी निकोलस मादुरो मोरोस इस भ्रष्टाचार में सबसे आगे है।% हालांकि, अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की आलोचना की जा रही है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप मादुरो को सत्ता से हटाने के लिए पर्याप्त थे।

चैथम हाउस थिंक टैंक में प्रोफेसर और अंतरराष्ट्रीय कानून कार्यक्रम के निदेशक मार्क वेल्लर ने सैन्य अभियान को %वेनेजुएला की संप्रभुता और संयुक्त राष्ट चार्टर का स्पष्ट रूप से उल्लंघन% बताया है। संरा चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) में कहा गया है कि %सभी सदस्य अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल के प्रयोग या धमकी से परहेज

निकारागुआ का मामला

निकारागुआ बनाम संयुक्त राज्य अमेरिका (1984) मामले में, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) मध्य अमेरिकी देश के खिलाफ अमेरिकी सैन्य बल के प्रयोग के मामले पर विचार कर रहा था। अन्य बातों के अलावा, अमेरिका शीत युद्ध के उद्देश्यों और साम्यवाद को रोकने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे दक्षिणपंथी समूहों की गतिविधियों का समर्थन कर रहा था।

%संयुक्त राष्ट के किसी सदस्य पर सशस्त्र हमले की स्थिति में व्यक्तिगत या सामूहिक आत्मरक्षा के अंतर्निहित अधिकार% को मान्यता देता है। कानून के विशेषज्ञों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार %सशस्त्र हमले% को जायज नहीं ठहरा सकती। वेल्लर ने लिखा है, %अंतरराष्ट्रीय कानून में, केवल सैन्य या इसी तरह के साधनों से किया गया प्रत्यक्ष हमला ही आत्मरक्षा का आधार माना जाता है।% संयुक्त राष्ट के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने भी कहा कि वै वेनेजुएला में हिंसा से बेहद चिंतित हैं और ये घटनाक्रम खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। वेनेजुएला अभियान को लेकर तर्क दिया जा रहा है कि इससे चीन जैसे देशों को ताइवान समेत कई अन्य देशों में बिना किसी ठोस औचित्य के अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू करने का प्रोत्साहन मिल सकता है। न्यूयार्क टाइम्स ने लिखा कि वेनेजुएला ओपिओइड फॅटानिल का %महत्त्वपूर्ण उत्पादक% नहीं है। बल्कि, यह कार्रवाई दिसंबर 2025 में जारी की गई नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत किए गए पुनर्गठन का हिस्सा है, जिसमें %पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व को बहाल करने% की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

मादुरो के मामले से मिलता-जुलता एक मामला 1989 में पनामा के तत्कालीन नेता जनरल मैनुअल नोरीगा की अमेरिका द्वारा गिरफ्तारी का था। हालांकि वे पहले अमेरिका के सहयोगी थे, लेकिन उनकी वफादारी पर संदेह पैदा हुआ और अमेरिका ने उन पर मादक पदार्थों से संबंधित आरोप लगाकर जवाब दिया। इस मामले में अमेरिकी सेना भी देश में दाखिल हुई थी।

पाठकनामा

शासकीय चरागाह भूमि पर महापुरुषों के नाम से अतिक्रमण

मैं लक्ष्मीकान्ता चौरीवार वार्ड क्र.14 किरनापुर की निवासी है तथा वार्ड नं 14 कि वार्ड पंच (जनप्रतिनिधी) भी है इसी वार्ड को डॉ. भीमराव आम्बेडकर के नाम से जाना जाता है। मै आपके समाचार पत्र बालाघाट एम्सप्रेस जो बालाघाट जिले के लिए एक लोकप्रिय समाचार पत्र है अपनी व्यथा सुनाना एवं जन मानव तक पहुंचाना चाहती हूँ। मै समझती हूॅ भारत वर्ष में आजादी के बाद या आजादी के पूर्व जतने की महापुरुष हुये है। उन्होने किसी एक जाति के उत्थान के लिए कार्य नहीं किया है। सम्पूर्ण मानव जाति क्या सभी प्रकार के जीवजन्तुओ के भी भले के लिये कार्य किये है किन्तु वर्तमान परिवेश में महापुरुषों को जातिय व्यवस्था कहो या समुदाय में बाट लिया गया है। इन्हे महापुरुषो या उनके कार्यो से कोई लेना देना नहीं है सिर्फ और सिर्फ महापुरुषों के नाम पर अपना व्यवसाय चलाना तथा अपने आप को महापुरुषो का बहुत बड़ा हितेषी साबित करना है। इसी कड़ी में प्रथम स्थान पर भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आम्बेडकर जी है। मैं भी इन्ही के कार्यों के कारण शिक्षित एवं वार्ड पंच (जनप्रतिनिधी) बन पाई। किरनापूर ग्राम में सैकड़ो नागरिक है जिन्हें रहने के लिए आवास नहीं है। किन्तु थोड़ी बहुत चरागाह भूमि बची हुई है वहा पर डॉ. भीमराव आम्बेडकर के सभा मंच के नाम से अतिक्रमण किया जा रहा है मैं जिस वार्ड मे में रह रही हुँ वहा पर पूर्व से ज्ञानोदय स्कूल के सामने डॉ. भीमराव आम्बेडकर के नाम से सभामंच बना हुआ है किन्तु वर्तमान से शासकीय अस्पताल के बाजू मे चिरघर (शव विच्छेदन) से लगकर चरागाह भूमि पर अतिक्रमण कर सिमेंट कांक्रिट सभा मंच बना दिया गया है। जिसकी शिकायत मेरे द्वारा उच्च आधिकारीयों को कलेक्टर महोदय एसडीएम तहसीलदार महोदय को कर दी गई है। तहसीलदार महोदय द्वारा जॉच पटवारी सहाब से करवाई तो गई है।किन्तु अतिक्रमण हटाया तो नही गया किन्तु रहवाशियों को कारण बताओ नाटीस जारी किया गया है।

सम्पादक महोदय जी इस तरह से किरनापूर मे सात जगहो पर अतिक्रमण किया गया है कई जगहो पर आवारा पशुओं का जमावडा नजर आता है। एक जगह पर तो अजब गजब का का नजारा देखने को आता है। पहले से माता सावित्री देवी फुले एवं महात्मा ज्योतिबा फूले, कि मूर्ती स्थापित है। वहीं पर शिक्षित ज्ञानी कहे जाने वाले लोगो के द्वारा संविधान चौक पंचाशील तथा बाउन्ड्रीवाल पर डॉ. भीमराव कि प्रतिमा स्थापित कर दी गई हैं मेरे समझ से परे है कि उस चौक को क्या कहा जावें। मैने एक शिक्षक महोदय से जानने की कोशिश की क्या संविधान को चौक में तब्दील करना उचित है तो महोदय का जवाब आया नागपूर,बालाघाट मे है तो हम क्यो नहीं रख सकते मैने कहा भारतीय संविधान तो राष्ट्रीय ग्रन्थ है ऐसा नही होना चाहिए तो वह सज्जन कुछ इस तरह बोले कि मैं बया नही कर सकता।

- श्रीमति लक्ष्मीकांता चौरीवार
वार्ड.पंच(जनप्रतिनिधि)
वार्ड न. 14 किरनापुर
जिला बालाघाट

आरबीआई गवर्नर ने चुनिंदा बड़ी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से बैठक की

मुंबई (एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चुनिंदा बड़ी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से बैठक की। बैठक में अच्छे अंडरराइटिंग स्टेंडर्ड अपनाने और एसेट की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी करने के लिए कहा गया। आरबीआई गवर्नर की ओर से की गई मुलाकात में चुनिंदा एनबीएफसी कंपनियों के एमडी और सीईओ शामिल हुए थे। इसमें सरकारी एनबीएफसी कंपनियां, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां और माइक्रोफाइनेंस कंपनियां भी शामिल हैं। बैठक में आरबीआई गवर्नर ने लोन के प्रवाह में एनबीएफसी कंपनियों के महत्व को बताया। साथ ही कहा कि यह देखकर अच्छे अंडरराइटिंग स्टेंडर्ड अपनाने और एसेट की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने सेक्टर में भरोसा बनाए रखने और इसके व्यवस्थित और टिकाऊ विकास को समर्थन करने के लिए ग्राहक केंद्रित एप्रोच, नैतिक आचरण और जिम्मेदार लेंडिंग के साथ-साथ शिकायतों के तुरंत निपटारे के महत्व पर भी जोर दिया।

रिजर्व बैंक ने आखिरी बार एनबीएफसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ ऐसी बैठक 13 फरवरी, 2025 को की थी। इस बैठक में भाग लेने वाली कंपनियों के पास एनबीएफसी सेक्टर की कुल एसेट्स का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा है। इस बैठक में इंडस्ट्री में सेल्फ-रेगुलेटरी संगठनों, सा-धन, माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क और फाइनेंस इंडस्ट्री डेवलपमेंट काउंसिल के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। आरबीआई ने बताया कि चर्चा के दौरान, प्रतिभागियों ने एनबीएफसी सेक्टर से जुड़े पॉलिसी मुद्दों और ऑपरेशनल मामलों पर फीडबैक शेयर किया।

बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयरपर्सन को जमानत

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त 2024 को धाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 27,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयरपर्सन अरविंद धाम को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द किया था, जिसमें पहले धाम को जमानत देने से इनकार किया गया था। न्यायमूर्ति आराधे ने कहा कि अदालत ने धाम की अपील स्वीकार कर ली है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त 2024 को धाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि समय से पहले रिहाई जांच की जवाबदेही कमजोर कर सकती है। ईडी ने एमटेक ऑटो, एआरजी लिमिटेड, एसीआईएल लिमिटेड, मेटलिस्ट फोर्जिंग लिमिटेड, कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और अरविंद धाम समेत अन्य के खिलाफ धन शोधन रोधी कार्रवाई की। दिवालिया कंपनियों की 550 करोड़ रुपये से अधिक संपत्तियों को अस्थायी जब्त किया गया और सितंबर 2024 में 5,115.31 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गईं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर 27 फरवरी 2024 को पीएमएलए के तहत जांच शुरू की गई। धाम को जुलाई 2024 में गिरफ्तार किया गया और सितंबर 2024 में आरोपपत्र दायर हुआ। जांच में पाया गया कि समूह की कंपनियों को दिवालियापन प्रक्रिया से गुजारा गया, जिससे बैंकों को 80 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ। ईडी के अनुसार एमटेक की सभी संपत्तियां अपराध की प्रत्यक्ष आय के रूप में दर्ज हैं और ये धाम की कंपनियों और ऋण देने वाले बैंकों के पास हैं।

सेवा और निजी क्षेत्र की वृद्धि में दिसंबर में मंदी, रोजगार सृजन में ठहराव

नई दिल्ली (एजेंसी। देश के सेवा क्षेत्र में दिसंबर में वृद्धि की गति धीमी हो गई है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर के 59.8 से घटकर 58.0 पर आ गया, जो जनवरी 2025 के बाद सबसे धीमी विस्तार दर दर्शाता है। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक विस्तार और 50 से नीचे संकुचन को दर्शाते हैं। नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि 11 महीनों में सबसे कम रही, और कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती से परहेज किया। कंपनियों ने वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशावाद बनाए रखा, लेकिन समग्र भावना लगभग साढ़े तीन साल के निचले स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण में एशिया, उत्तरी अमेरिका, पश्चिम एशिया और ब्रिटेन से निर्यात ऑर्डर में वृद्धि दर्ज की गई। कच्चे माल और उत्पादन शुल्क में हल्की वृद्धि देखने को मिली। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि दिसंबर का प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन संकेतक नई साल में वृद्धि की गति धीमी होने का इशारा कर सकते हैं। निजी क्षेत्र का उत्पादन सूचकांक नवंबर के 59.7 से घटकर 57.8 पर आ गया। यह जनवरी 2025 के बाद सबसे कमजोर स्तर है। दोनों विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में मंदी रही। रोजगार सृजन में ठहराव देखा गया, जो वस्तु उत्पादकों में मंदी और सेवा प्रदाताओं में आंशिक छंटनी के कारण है।

रोजगार संकट से निपटने 10 करोड़ रोजगार का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी। देश में रोजगार की बढ़ती चुनौती को देखते हुए उद्योग जगत ने हंड्रेड मिलियन जॉब्स' नामक राष्टीय पहल की शुरुआत की। इसका उद्देश्य अगले दस वर्षों में भारत में 10 करोड़ नए रोजगार अवसर पैदा करना है। इस कदम की घोषणा सॉफ्टवेयर उद्योग संगठन नैसकॉम, इंडस एंटरप्रेन्योर्स और सीआईपीपी ने संयुक्त रूप से की। भारत में कार्यशील आयु की आबादी हर साल लगभग 1.2 करोड़ की दर से बढ़ रही है। लेकिन पारंपरिक रोजगार क्षेत्र जैसे विनिर्माण अपेक्षित गति से विस्तार नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में हर साल 80ङ्क90 लाख नई नौकरियों का सृजन जरूरी है। हालांकि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन रोजगार सृजन की गति आर्थिक विस्तार के मुकाबले पीछे है। 'हंड्रेड मिलियन जॉब्स' मिशन उद्यमिता, कौशल विकास और श्रम-प्रधान उद्योगों को केंद्र में रखता है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन को आर्थिक प्रगति का प्रमुख पैमाना बनाना और देश के विभिन्न हिस्सों में टिकाऊ तथा सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करना है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और ट्रेंट के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। बड़े स्टॉक्स में आई गिरावट से आज पूरे दिन बाजार धारणा कमजोर रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 376.28 अंक नीचे आकर 85,063.34 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 71.6 अंक टूटकर 26,178.70 के स्तर पर बंद हुआ। आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आठ महीने से अधिक समय की सबसे बड़ी गिरावट रही। वहीं ट्रेंट के शेयरों में कंपनी के तीसरी तिमाही के बाद करीब 9 फीसदी की तेज गिरावट रही। रिलायंस और ट्रेंट के अलावा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसीस और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज,

हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसे शेयरों में गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट में भी कमजोरी नजर आयी। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.19 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.22 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। जिससे निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। आज कारोबार के दौरान निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स सबसे नीचे आया। इसके अलावा मीडिया और केमिकल सेक्टर के शेयर भी दबाव में रहे जबकि हेल्थकेयर और फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार ऊपर आया। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। आज सुबह सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 85,331 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ 26,189.70 पर खुला। तेल और गैस सेक्टर के शेयरों में कमजोरी बाजार पर भारी पड़ी। रिलायंस इंडस्ट्रीज में आई बिकवाली ने सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर दबाव बनाया। इसके अलावा बैंकिंग सेक्टर में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से भी बाजार की धारणा कमजोर हुई। एशियाई शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.12 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.85 फीसदी गिर गया।

तेल की कीमतों में गिरावट से भारत को मिलेगा बड़ा आर्थिक लाभ

पांच रुपए सस्ता हो सकता है पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली (एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अगले छह महीनों में तेल की कीमतें 50 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती हैं। अगर ऐसा होता है, तो इसका भारत की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर होगा। अमेरिकी क्रूड फिलहाल 60 डॉलर और ब्रेंट क्रूड 61 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि अमेरिकी क्रूड में लगभग 14 फीसदी और ब्रेंट क्रूड में लगभग 19 फीसदी तक की गिरावट हो सकती है। एसबीआई के अनुसार, जून 2026 तक कच्चा तेल 50 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है। तेल की कीमतों में गिरावट भारत के लिए कई मोर्चों पर फायदेमंद हो सकता है जैसे- सीपीआई आधारित महंगाई 3.4 फीसदी से नीचे रह सकती है। ईंधन की कीमतें 5 रुपए प्रति लीटर तक घट सकती हैं। आयात बिल घटने से अरबों डॉलर की बचत होगी। तेल में 14 फीसदी गिरावट से रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 3 फीसदी मजबूत होकर 87.5 रूपए तक जा सकता है। कम ऊर्जा लागत से जीडीपी में 0.1-0.15 फीसदी तक इजाफा संभव है।

आईआरईएफ ने बजट में चावल निर्यात को बढ़ावा देने मांगा प्रोत्साहन

निर्यात ऋण पर 4 फीसदी ब्याज सब्सिडी और माल ढुलाई के लिए 3 फीसदी समर्थन की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी। भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआरईएफ) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से 2026-27 के केंद्रीय बजट में निर्यातकों के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहनों की मांग की है। संघ ने निर्यात ऋण पर 4 फीसदी ब्याज सब्सिडी और सड़क एवं रेल माल ढुलाई के लिए 3 फीसदी समर्थन की सिफारिश की। इसके अलावा रोडटेप के तहत शुल्क और कर माफी योजनाओं को समय पर वितरित करने का आग्रह किया गया, ताकि निर्यातकों की लागत कम हो और मूल्य प्रतिस्पर्धा मजबूत रहे। आईआरईएफ ने जल-बचत और कम उत्सर्जन वाली पद्धतियों जैसे एडब्ल्यूडी, डीएसआर लेजर लेवलिंग और ऊर्जा-कुशल मिलिंग के लिए कर और निवेश प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव रखा। ये उपाय टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ किसानों के परिणामों में सुधार करेंगे। संघ ने किसानों को प्रीमियम बासमती, जीआई/जैविक और विशेष गैर-बासमती चावल की खेती की ओर प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। इससे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दबाव कम होगा और उच्च मूल्य वाली किस्मों का उत्पादन बढ़ेगा। आईआरईएफ ने कहा कि कुछ चावल किस्मों पर 20 फीसदी निर्यात शुल्क के कारण पुराने शुल्क दावों में विसंगतियां उत्पन्न हुई हैं। संघ ने इन दावों की एकमुश्त छूट की मांग की और क्षेत्रीय अधिकारियों और निर्यातकों के बीच व्याख्या की असंगतियों को दूर करने का आग्रह किया। आईआरईएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत वैश्विक चावल व्यापार में लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 170 से अधिक देशों को लगभग 2.01 करोड़ टन चावल निर्यात किया। निर्यात किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और देश की आर्थिक मजबूती में योगदान देता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपके बिजनेस में कुछ नयी योजनाएं बेहतर रहेंगी। कोई बड़ा टेंडर आपको मिल सकता है। पार्टनरशिप में काम करना भी आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर पाएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। आप अपने काम को लेकर व्यस्त रहेंगे। संभव हो किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोलें। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिर दर्द बनेगा। आपको अपने संतान की सेहत में लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है, नहीं तो उनकी वह बीमारी बाद में बड़ी बन सकती हैं। आप अपने खान-पान पर पूरा ध्यान दें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। जीवन साथी के लिए आप किसी छोटे-मोटे व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। जो लोग नौकरी में कार्यरत हैं वह पार्ट टाइम कार्य करने के लिए भी समय निकालने में कामयाब रहेंगे। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोग किसी बड़ी डील को फाइनल करेंगे। वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपनी शौक मौज की चीजों पर भी अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। आपको धन संबंधित समस्या होने की संभावना है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर काम को करने के लिए रहेगा। बिजनेस में यदि लंबे समय से किसी काम को लेकर परेशान चल रहे थे, तो उसमें आपको अच्छा लाभ मिलेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ रिश्ते में आगे ले ब ?ने की कोशिश करेंगे। विवाह की बात भी पक्की हो सकती हैं। आपके कोई मन की इच्छा पूरी होने से परिवार में किसी पूजा पाठ का आयोजन हो सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने खर्चों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके खर्च बढ़ने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी। आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं। किसी वाद विवाद से आपको दूर रहने की आवश्यकता है। आप किसी को धन उधार देने से बचें, नहीं तो बेवजह का कोई लड़ाई झगड़ा हो सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपने ऑफिस के काम को पूरा करने में काफी व्यस्त रहेंगे। माता जी आपको कोई जिम्मेदारी देंगे, उसमें भी आप ढील दे सकते हैं। आप किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोलें। आप अपनी वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिसमें परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी। आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। पारिवारिक सदस्य काम को लेकर आपको कोई सलाह दे सकते हैं, जिस पर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए उलझन भरा रहने वाला है। आज आपको संतान की पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना होगा क्योंकि वह किसी गलत राह पर आगे बढ़ सकते हैं। दिल से संबंधित मामलों को आप मिलकर दूर करने की कोशिश करें। आपका यदि कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था तो वह भी पूरा हो सकता है। बिजनेस में कोई योजनाएं लंबे समय से रुकी हुई थी वह फिर शुरू हो सकती हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में अकस्मात गिरावट आने से आपको भाग दौड़ लगी रहेगी। यदि आप ऑनलाइन कोई व्यवसाय करना चाहते हैं, तो उसकी शुरुआत कर सकते हैं। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात करने का मौका मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने काम को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखानी है। आप अपनी अच्छी सोच कर लाभ उठाएंगे। आप अपने काम में कुछ बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आपके घर किसी मेहमान का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। जो लोग सिंगल हैं, उन्हें उनके साथी से मुलाकात हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। जो युवा रोजगार को लेकर इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें भी मेहनत अधिक करनी होगी। पारिवारिक समस्याओं को भी आप नजरअंदाज न करें। आप अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा निवेश थोड़ा सोच समझकर करें, क्योंकि इसमें आपको कोई नुकसान हो सकता है। आपको अपने किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा होगा।

शब्दजाल - 8133

शब्दजाल में दस धार्मिक स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

हरिद्वार,गंगोत्री,वैष्णोदेवी,बद्रीनाथ,नासिक, केदारनाथ,अमरनाथ,ऋषिकेष,काशी, वाराणसी

शब्दजाल - 8132 का हल

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7077

1			■	2	■	3	4		5
	■	■	6		7	■		■	
8		9	■	10				■	■
	■	11		■		■	12	13	
14			■	15	■	16			■
	■	17	18				■	19	20
■	21	■		■	■	22		■	
23				24	■		■	25	
■		■	■		■	26	27	■	
28		■	29			■	30		■

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7076

अ	नि	ता	■	रो	श	नी	■	धू	म
क्स	■	क	सौ	टी	■	ल	ज्जा	■	स्त
■	अं	त	■	क	स	म	■	भा	■
जो	श	■	कं	प	नी	■	आ	र	जू
रू	■	दि	■	ड़ा	■	जी	न	त	■
का	ज	ल	■	औ	र	त	■	■	पा
गु	■	ज	रू	र	त	■	पा	ल	की
ला	ड़	ला	■	म	न	■	य	■	जा
म	■	■	शा	का	■	जा	ल	■	■
■	फ	र	दी	न	खा	न	■	फि	दा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

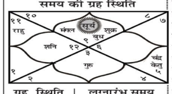

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	07.16 बजे से
चंद्र	सिंह में	कुंभ	09.03 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.36 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.46 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.44 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.58 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.26 बजे से
राहुकाल		तुला	00.37 बजे से
12.00 से 1.30		वृश्चिक	02.51 ब.से
बजे तक		धनु	05.07 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का सातवा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 06.53 बजे तदनन्तर पंचमी 06.34 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 11.57 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 18.34 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.53 बजे, कौलव 18.37 बजे तदनन्तर तैतिल 06.34 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 24' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872582 **जूलियन दिन** 2461047.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः राजा का सपना

एक राजा को शिकार का नशा था। वह राजकाज छोड़कर हर समय शिकार में लगा रहता था। वह जिससे मिलता उससे शिकार के किसी प्रसंग पर ही बात करता। एक बार जब वह शिकार करने पहुंचा तो एक हिरन उसके सामने आ खड़ा हुआ। राजा उसे देखकर चकित रह गया। तभी कोमल वाणी में हिरन ने कहा, 'राजन, आप प्रतिदिन वन में जाकर जीवों का शिकार करते हैं। कुछ जीव आपके हाथी-घोड़ों द्वारा कुचल दिए जाते हैं। मेरे शरीर के भीतर कस्तूरी का भंडार है। आपसे प्रार्थना है कि आप इस भंडार को ले लें और वन के प्राणियों का शिकार करना छोड़ दें।' हिरन की बात सुन राजा विस्मय से बोला, 'क्या तुम उन्हें बचाने के लिए अपने प्राण देना चाहते हो? तुम जानते हो कस्तूरी पाने के लिए मुझे तुम्हारा वध करना होगा।' हिरन बोला, 'राजन, आप मुझे मारकर कस्तूरी का भंडार ले लीजिए, पर निरापराध जीवों को मारना छोड़ दीजिए।' राजा ने पुनः कहा, 'तुम्हारा शरीर बहुत सुंदर है। तुम्हारे भीतर कस्तूरी का भंडार है।' हिरन ने जवाब दिया, 'राजन यह शरीर तो नश्वर है। मैं दूसरों के प्राण बचाने के लिए मर जाऊं इससे अच्छी बात क्या हो सकती है।' मृग की ज्ञान भरी वाणी ने राजा के मन में प्रकाश पैदा कर दिया। वह सोचने लगा, यह जानवर होकर दूसरों के लिए अपने प्राण दे रहा है और मैं मनुष्य होकर रोज जीवों को मारता हूं। धिक्कार है मुझ पर। तभी उसकी नींद टूट गई। इस सपने ने उसकी आंखें खोल दी थीं। उस दिन से राजा हिंसा छोड़कर सब पर दया करने लगा।

सूडोकु नवताल- 7386

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7385 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8601

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8600 का हल

■	म	ह	क	■	ता	म	झा	म
ज	न	■	म	न	न	■	■	स
हा	■	प	र	■	ना	स	■	ख
न	ज	र	बं	द	■	दा	य	रा
■	न	■	द	■	ह	■	म	■
दा	म	न	■	न	क	ब	ज	न
बा	■	ल	क	■	ब	स	■	ती
न	■	■	मा	य	का	■	ता	जा
ल	ति	या	ना	■	ना	सू	र	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नगर परिषद कार्यालय सहित नगर के सभी सीसीटीवी कैमरे बदहाल

नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद कार्यालय सहित पूरे लांजी शहर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की बदहाल स्थिति अब नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। हालात यह हैं कि स्वयं नगर परिषद कार्यालय के कैमरे ही लंबे समय से बंद पड़े हैं, ऐसे में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर वर्षों से खराब कैमरों की सुध कौन लेगा—यह बड़ा प्रश्न बन गया है।

सुरक्षा के लिए लगाए गए थे कैमरे, अब रखरखाव नदारद

नगर परिषद द्वारा कुछ वर्ष पूर्व शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। उद्देश्य था कि अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। लेकिन समय के साथ इन कैमरों का उचित रखरखाव नहीं किया गया, जिसके चलते आज अधिकांश कैमरे खराब हो चुके हैं।

कई जगह कैमरे गायब, सिर्फ पोल और तार बचे

स्थिति यह है कि कई स्थानों पर कैमरे पूरी तरह गायब हो चुके हैं। वहां अब केवल पोल और लटकते हुए तार ही दिखाई देते हैं। कुछ जगहों पर कैमरे टूटे हुए नीचे की ओर झूलते नजर आते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि लंबे समय से इनकी कोई देखरेख नहीं की गई।

चोरी की घटनाओं में पुलिस को होती है परेशानी

नगर क्षेत्र में चोरी और अन्य आपराधिक घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। लेकिन सीसीटीवी कैमरे बंद होने के कारण पुलिस को जांच-पड़ताल में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कैमरों से मिलने वाले फुटेज के अभाव में कई मामलों में सुराग जुटाना मुश्किल हो जाता है।

तिरंगा अपमान प्रकरण में भी उठे थे सवाल

गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व नगर परिषद परिसर में कचरा वाहन पर राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) लटका हुआ पाए जाने का मामला सामने आया था, जिसे लेकर तिरंगे के अपमान को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। उस समय नगर परिषद के सीएमओ द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की बात कही गई थी। लेकिन अब जब नगर परिषद कार्यालय के ही कैमरे बंद होने की बात सामने आ रही है, तो यह सवाल उठता है कि जांच आखिर किस आधार पर की गई या की जाएगी।

नगरवासियों में बढ़ी नाराजगी

शहरवासियों में इस स्थिति को लेकर नाराजगी और चिंता दोनों देखी जा रही हैं। लोगों का कहना है कि जब नगर परिषद अपने ही कार्यालय के कैमरों की देखरेख नहीं कर पा रही है, तो पूरे शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भरोसा कैसे किया जाए।

प्रशासन से सुधार की उम्मीद

नगरवासियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सभी खराब सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कर उन्हें फिर से चालू किया जाए, साथ ही भविष्य में नियमित रखरखाव की ठोस व्यवस्था की जाए, ताकि शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके।

इनका कहना है

कुछ दिन पूर्व समाचार के माध्यम से यह खबर प्राप्त हुई थी कि नगर परिषद पर खड़े कचरा वाहन पर किसी ने राष्ट्रीय ध्वज को लटका दिया था जिस पर नगर को इस सीमा द्वारा कहा गया था कि सीसीटीवी कैमरे चेक करके जांच की जाएगी लेकिन आज तक उसे संबंध में कोई बात सामने नहीं आई जब नगर परिषद के ही कैमरे बंद है तो लांजी नगर के कैमरे की बात तो बहुत दूर की है, जिनको उनके कार्यालय की ही सीसीटीवी कैमरे चालू करने की चिंता नहीं है वह नगर के कैमरे की चिंता क्या ही करेंगे। इस इस विषय पर शासन को संज्ञान लेकर तुरंत ही नगर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए।

उज्वल श्रीवास्तव
पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष लांजी

यह कैमरे पुराने समय में लग गए थे मुझे जानकारी मिली कि वह भी बंद है इसका जो सर्वर था वह लांजी थाने में था और वह सर्वर रूम शायद जर्जर हो चुका था इस वजह से यह सब दिक्कत आई है, इस संबंध में एसडीएम सर से भी मेरी चर्चा हुई है कि जो सामान कैमरे का इधर-उधर रखा हुआ उसको एक जगह पर व्यवस्थित कर तकनीशियन से चेक किया जाए, कैमरे की मॉनिटरिंग थाने में होती है अगर वहां पर कुछ सर्वर रूम मिल जाए तो हम टेक्निशियनों से चेक करवा कर कमरे चालू करवा देंगे। इस संबंध में परिषद में प्रस्ताव रखा जाएगा और जल्द से जल्द इसकी व्यवस्था की जाएगी।

मयूर वाहने
सीएमओ लांजी

आज से आमगांव में बागेश्वर सरकार की कथा

बालाजी शिष्य मंडल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिवर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। आमगांव महाराष्ट्र में होने जा रहे भव्य रामकथा का शुभांरभ 6 जनवरी को कलश यात्रा के साथ हो गया है। आज 7 जनवरी से

बागेश्वर सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 11 जनवरी तक रामकथा सुनाएंगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भारत को एक हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए अभियान भी चला रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री अपने दिव्य दरबार के लिए काफी ज्यादा फेमस है, उनके दरबार में हमेशा भक्तों का तांता लगा रहता है। सोशल मीडिया पर भी बागेश्वर सरकार की बड़ी फैन फॉलोइंग देखने को मिलती है। आमगांव में होने जा रहे कथा को लेकर भव्य तैयारियां कर ली गई है। कथा नॉवेल्टी एवं श्रृंगार परिवार द्वारा कराया जा रहा है, लेकिन जिनकी जितनी शक्ति हर कोई सेवा करने की कोशिश कर रहा है। इसी तारतम्य में बालाजी शिष्य मंडल के सत्याप्रकाश फुल्हारे, दिनेश दशरिया, योगेश दमाहे, दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, रमेश लिल्हारे, शोभित दशरिया, मुकेश पटले, संजय पटले, छायाताई पटले द्वारा 5 दिनों तक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें रानी अवंतीबाई मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल गोंदिया डॉ माहुले गैस्ट्रो, लिवर एंड इनफर्टीलिटी सेंटर के डॉ. राजु माहुले एमबीबीएस एमडी मेडिसिन, डॉ स्वेतल माहुले एमबीबीएस, डीजीओ के मार्गदर्शन में बालाजी शिष्य मंडल के सदस्य सेवा देंगे। कथा में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लाभ लेने की अपील बालाजी शिष्य मंडल के सदस्य और पदाधिकारियों ने की है।

सीमित संसाधनों में बड़ी सफलता

पाथरगांव के ऋषभ ऐड़े ने नीट में हासिल किए 672 अंक

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड के ग्राम पाथरगांव निवासी ऋषभ, पिता राधेश्याम ऐड़े, ने चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 720 में से 672 अंक अर्जित किए हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले ऋषभ की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। ऋषभ ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई हिंदी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल, पाथरगांव, लांजी से पूरी की। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने बड़े लक्ष्य देखे और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। उन्होंने बताया कि उन्होंने केवल एक वर्ष में इंदौर स्थित एक कोचिंग संस्थान के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन तैयारी की। इस दौरान उन्होंने मात्र 5 हजार रुपये वार्षिक शुल्क में अपनी पढ़ाई पूरी की। एक साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में पले-बढ़े ऋषभ ऐड़े ने यह साबित कर दिया कि सफलता महंगे संसाधनों, बड़े शहरों की मोहताज नहीं होती। सही मार्गदर्शन, अनुशासन और ईमानदार मेहनत से किसी भी कठिन परीक्षा में

सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी पहचान बना सकते हैं। ऋषभ की यह उपलब्धि उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो असफलताओं के बाद निराश होकर परिस्थितियों या अपनी कमजोरियों को दोष देने लगते हैं। ऋषभ का मानना है कि लगातार कोशिश, धैर्य और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर निस्वार्थ समाजसेवी एवं भारतीय सेना के सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले , जेई सिग्नल्स एवं सर्वे अधिकारी ने कहा कि ऋषभ येड़े की सफलता आज के युवाओं को यह संदेश देती है कि इस संसार में कुछ भी असंभव नहीं है। यदि लक्ष्य राष्ट्रहित, मानवता और सभी प्राणियों की सेवा हो, और उसे पाने के लिए जुनून, ईमानदारी और धैर्य के साथ निरंतर प्रयास किया जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। ऋषभ ऐड़े की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनेगी और यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों में भी सपनों को साकार किया जा सकता है।

पूर्वाटोला के युवाओं ने पेश की मानवता और एकजुटता की मिसाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जहां एक ओर समाज में स्वार्थ और संवेदनहीनता की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं दूसरी ओर लांजी नगर से लगे ग्राम पूर्वाटोला के युवाओं ने मानवता, सहयोग और सामाजिक समरसता की एक प्रेरणादायी मिसाल पेश की है। ग्राम के युवाओं ने एक गंभीर रूप से बीमार निर्धन व्यक्ति के उपचार के लिए आपसी सहयोग से आर्थिक सहायता जुटाकर यह साबित कर दिया कि आज भी समाज में इंसानियत जीवित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पूर्वाटोला में निवासरत उक्त बीमार व्यक्ति अत्यंत आर्थिक रूप से कमजोर है। उसके परिवार में केवल एक वृद्ध मां और पत्नी ही हैं, जो उसकी देखभाल कर रही हैं। परिवार की सीमित आय और संसाधनों के अभाव में उपचार कराना कठिन हो रहा था। इस स्थिति की जानकारी मिलते ही ग्राम के युवाओं ने उसे अपना पारिवारिक सदस्य मानते हुए मदद का संकल्प लिया और घर-घर संपर्क कर सहयोग राशि एकत्रित की। उल्लेखनीय है कि ग्राम पूर्वाटोला में अधिकांश आबादी

निम्न एवं मजदूर वर्ग की है, इसके बावजूद ग्रामीणों ने अपने सीमित संसाधनों में से यथासंभव सहयोग कर बीमार व्यक्ति के उपचार में योगदान दिया। यह पहल न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है, बल्कि एक आदर्श समाज की परिकल्पना को भी साकार करती है। इस सराहनीय प्रयास पर जनपद सदस्य दिनेश लांडे ने बीमार व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए समस्त सहयोगकर्ता युवाओं एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और अन्य लोगों को भी सेवा एवं सहयोग के लिए प्रेरित करते हैं। इस मानवीय पहल में युवाओं की टोली में प्रमुख रूप से सरपंच गणेश बागड़े, प्रदीप महराज, प्यारे लाल सोमनकर, धनराज सहारे, देवेन्द्र सहारे, बिरज टेकाम, कपिल ठोमरे, शैलू श्रीवास, तिलक यादव सहित ग्राम के अन्य जागरूक नागरिक शामिल रहे। ग्राम पूर्वाटोला के युवाओं का यह प्रयास निश्चित ही समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह संदेश देता है कि जब समाज एकजुट होता है, तो कोई भी संकट बड़ा नहीं रहता।

वर्षों पुराना आम का पेड़ हुआ धराशायी

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर स्थित आमगांव रोड पर सोमवार 5 जनवरी की शाम लगभग 6 बजे सौ वर्ष से भी अधिक पुराना आम का पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ की जड़ें कमजोर हो जाने के कारण वह धराशायी हो गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि घटनास्थल के पास लांजी बालक छात्रावास के समीप सड़क डिवाइडर का निर्माण कार्य चल रहा था। कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से सड़क के दोनों ओर बैरिकेटिंग कर दी गई थी, जिससे एक तरफ का

आवागमन पूरी तरह बंद था। पेड़ गिरने के समय मजदूर मौके पर काम कर रहे थे, लेकिन बैरिकेटिंग और ठेकेदार की सतर्कता के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आवागमन चालू रहता या यह घटना किसी अन्य समय घटित होती, तो भारी जनहानि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता था। प्रशासन से मांग की जा रही है कि ऐसे पुराने और जर्जर पेड़ों की समय रहते जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

आमगांव में श्रीमद् शिव महापुराण कथा के शुभारंभ पर गांव से निकली मंगल कलश यात्रा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम आमगांव में श्रीमद् शिव महापुराण कथा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम के शैलेन्द्र सिल्हारे ,श्रीमती संतोषी सिल्हारे के गृह निवास स्थान से परम पावन शिव महापुराण कथा के शुभारंभ अवसर पर भव्य मंगल कलश यात्रा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भक्ति के साथ निकाली गई। इस दौरान सैकड़ों मातृशक्ति एवं भक्तजन ने पीले वस्त्रों को धारण कर में सुसज्जित होकर, कलश यात्रा मे शामिल होकर ग्राम का भ्रमण किया। इस दौरान पूरा वातावरण हर हर महादेव के जय घोषों से गूंज उठा और मार्ग मंत्रोच्चार तथा भक्तिमय संगीत से पूरी तरह शिवमय बन गया। वही कथा के अगले दिन दिनांक 6 जनवरी दिन मंगलवार को श्रीमद् शिव महापुराण प्रारंभ हुआ। जिसमें कथावाचक पंडित राघव प्रसाद शास्त्री जी ने बताया कि जिस स्थान पर शिव महापुराण कि कथा होती हो उसे तीर्थ स्थल मानकर कथा का श्रवण करना चाहिए। जिससे जन्म जन्मांतर के पुण्य जाग्रत होते है वहीं शिव महापुराण की अमृतवाणी कथा का श्रवण कर पाते है। व्यक्ति को जीवन में शिव महापुराण कि कथा अवश्य सुनना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल मे बड़ी संख्या मे श्रद्धालु भक्तों की मौजूदगी रही।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोर्ड परीक्षा में 16 लाख छात्रों पर रहेगा डिजिटल पहरा!

परीक्षा की होगी ऑनलाइन निगरानी, केंद्रों पर लगेंगे जैमर और सीसीटीवी कैमरे

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 7 फरवरी 2026 से शुरू होने जा रही हैं। इस बार मंडल ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सुरक्षा और निगरानी के अब तक के सबसे कड़े इंतजाम किए हैं। प्रदेश भर से करीब 16.07 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे और उनकी हर गतिविधि पर डिजिटल सिस्टम के साथ-साथ फील्ड स्तर पर भी नजर रखी जाएगी।

मंडल ने साफ कर दिया है कि परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इस प्रतिबंध में केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक और अन्य स्टाफ भी शामिल हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षा से जुड़ी कोई भी सूचना अनधिकृत तरीके से बाहर न जा सके और पूरी प्रक्रिया केवल आधिकारिक माध्यमों से ही संचालित हो।

- सीबीएसई की 12वीं के एग्जाम कैंसिल होने के बाद लिया निर्णय।
- एक्सपर्ट की राय लेकर मंत्रियों का समूह तय करेगा कि रिजल्ट कैसे बनेगा
- सीबीएसई 12वीं के प्रदेश में करीब 1.30 लाख विद्यार्थी।
- इससे पहले सीबीएसई और एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

मोबाइल एप आधारित होगी निगरानी

परीक्षा की निगरानी के लिए इस बार मोबाइल एप आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है। यह प्रणाली प्रश्नपत्रों के पुलिस थाने से निकलने के समय से लेकर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने, प्रश्नपत्र खोलने, वितरण, परीक्षा समाप्त होने के बाद बंडल बनाने और मूल्यांकन केंद्र पर जमा होने तक हर चरण की डिजिटल एंट्री दर्ज करेगी। यहां तक कि प्रत्येक प्रश्नपत्र बंडल की लोकेशन भी ट्रैक की जाएगी, जिससे किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

परीक्षा केंद्रो पर लगेंगे जैमर और सीसीटीवी कैमरे

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रदेश के 700 संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर नेटवर्क जैमर लगाए जाएंगे, जबकि 226 केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी। पूरी व्यवस्था की मॉनिटरिंग एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से ऑनलाइन की जाएगी। मोबाइल के विकल्प के तौर पर परीक्षा केंद्रों और मंडल के बीच संचार के लिए लैंडलाइन फोन और एक विशेष पोर्टल की व्यवस्था की गई है, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान बिना किसी रुकावट के हो सके। परीक्षा प्रक्रिया में तैनात सभी अधिकारी और उडऩदस्तों के सदस्य मंडल का अधिकृत मोबाइल एप इस्तेमाल करेंगे। पुलिस थानों से प्रश्नपत्र बंडल निकालने की जिम्मेदारी कलेक्टर प्रतिनिधियों को दी गई है, जो सुबह 6.30 बजे थाने पहुंचकर सेल्फी भेजेंगे। पुलिस थाना से लेकर परीक्षा केंद्र तक प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और वितरण की पूरी निगरानी इसी एप के माध्यम से की जाएगी।

प्रदेश में बनाए गए 3856 परीक्षा केंद्र

मंडल के अनुसार, इस वर्ष 10वीं कक्षा के करीब 9.07 लाख और 12वीं कक्षा के लगभग 7 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे, जिनके लिए प्रदेश भर में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। मोबाइल प्रतिबंध, डिजिटल ट्रैकिंग, सीसीटीवी, जैमर और नियंत्रण कक्ष की संयुक्त व्यवस्था के जरिए माशिमं का लक्ष्य है कि 2026 की बोर्ड परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और लीक-प्रूफ तरीके से संपन्न कराई जाएं।

शांति और संवाद का मंच बनेगा भोपाल का भारत भवन

- देश के पहले महाभारत समागम का होगा आयोजन

भोपाल। राजधानी भोपाल के भारत भवन से शांति का संदेश दिया जाएगा। दरअसल, 16 से 24 जनवरी तक ऐतिहासिक महाभारत समागम का आयोजन होगा। नौ दिवसीय आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। वीर भारत न्यास के आयोजन में भारत सहित इंडोनेशिया, श्रीलंका और जापान के प्रतिष्ठित रंग समूह भाग लेंगे। नौ दिवसीय आयोजन में नाटक, नृत्य-नाट्य, कठपुतली कार्यशालाएं, लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियां, अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और इमर्सिव डोम थिएटर के माध्यम से युद्ध के विरुद्ध शांति और संवाद का सशक्त संदेश दिया जाएगा।

वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते युद्ध, हिंसा और सभ्यताओं के टकराव के दौर में भोपाल का भारत भवन शांति और संवाद का मंच बनेगा। महाभारत समागम देश का पहला और अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन है। जो महाभारत को केवल युद्ध कथा नहीं, बल्कि मानवता, विवेक और करुणा की महागाथा के रूप में प्रस्तुत करेगा।

युद्ध कभी समाधान नहीं

नौ दिवसीय आयोजन में नाटक, नृत्य-नाट्य, लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि युद्ध कभी समाधान नहीं होता। श्रीकृष्ण के संवाद आधारित प्रयास आज की वैश्विक परिस्थितियों में भी प्रासंगिक हैं। नेपथ्य कला, अस्त्र-शस्त्र, चक्रव्यूह और पताकाओं की प्रदर्शनी दर्शकों को महाभारत के दृश्य संसार से परिचित कराएगी। महाभारत आधारित चित्र प्रदर्शनी और भारतीय कठपुतली कला भी आयोजन का अहम हिस्सा होंगी। इसके साथ 'सभ्यताओं की सांस' और 'भूली बिसरी सभ्यताएं' पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा।

बड़े शहरों की अपेक्षा छोटे शहरों में मिल रहा शुद्ध पानी

जल शक्ति मंत्रालय के सर्वे में सामने आई मप्र की हकीकत

भोपाल। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में सरकारी पानी की सप्लाई से फैली गंभीर बीमारी ने 16 लोगों की जान ले ली है। इस हादसे के बाद से पूरे शहर में मातम का माहौल है। नर्मदा लाइन से सप्लाई हो रहे पानी की जांच में मल-मूत्र जनित पेसाब और जानलेवा बैक्टीरिया मिलने की पुष्टि हुई है। केवल इंदौर ही नहीं बल्कि भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित प्रदेश के लगभग हर शहर में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। इसका खुलासा हाल ही में आई जल शक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट में भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मप्र के बड़े शहरों की अपेक्षा छोटे शहरों में शुद्ध पानी मिल रहा है।

भागीरथपुरा से लिए गए पानी के सैंपल की जांच में फीकल कॉलीफॉर्म, ई कोलाई और क्लेस बेला जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं। ये बैक्टीरिया उल्टी, दस्त और आंतों से जुड़ी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। जानकारी के मुताबिक कुछ सैंपल में विब्रियो कोलेरी जैसे तत्व भी मिले हैं, जो हैजा की बीमारी में पाए जाते हैं। यह प्रशासनिक लापरवाही का भी प्रमाण है। इंदौर ही नहीं भोपाल, ग्वालियर जैसे शहरों में भी 100 फीसदी घरों को पीने योग्य पानी नहीं मिल रहा है। यह खुलासा मप्र में घरों तक सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता को लेकर जिला-वार रिपोर्ट में सामने आई है। कुछ जिलों में जहां सभी घरों में पीने योग्य पानी उपलब्ध है, वहीं कई जिलों में यह आंकड़ा शून्य प्रतिशत तक दर्ज किया गया है। मप्र में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति भी असमान बनी हुई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार कई जिलों में जहां 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से अधिक पानी उपलब्ध है, वहीं कुछ जिलों में बड़ी आबादी को अब भी 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से कम पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है। छिंदवाड़ा की स्थिति इस मामले में सबसे ज्यादा खराब है। यहां 48 फीसदी आबादी को 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन से कम पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इसके अलावा देवास, धार, दतिया, बुरहानपुर में भी बड़ी आबादी को अपर्याप्त जल आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है।

कुछ जिलों में पीने योग्य पानी नहीं

भारत सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सर्वे कराने के बाद जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कुछ जिले तो ऐसे हैं, जिनको पीने योग्य पानी मिल ही नहीं रहा है। रिपोर्ट में उल्लेख है कि कई जिलों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार नियमित जल आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे पीने योग्य पानी की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि जहां जल गुणवत्ता और उपलब्धता कमजोर है, वहां शुद्धिकरण संयंत्र, पाइपलाइन सुधार, स्रोत संरक्षण और नियमित आपूर्ति पर तत्काल ध्यान देना जरूरी है, ताकि हर परिवार को सुरक्षित पेयजल मिल सके।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार का बड़ा फैसला

दागी अफसर पर केस चलाने की अनुमति अब संबंधित विभाग देगा

भोपाल। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू की जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी अफसरों पर कार्रवाई की अभियोजन स्वीकृति नहीं मिलने की वजह से सरकार ने अब भ्रष्टाचार और घोटालों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए अब अभियोजन स्वीकृति का अधिकार सीधे विभागों को दे दिया है। सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार में लिप्त, रिश्वतखोर, वित्तीय अनियमितताएं, गबन-घोटाले में लिप्त अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति अब इन अफसरों को नियुक्त करने वाले विभाग स्वयं देंगे।

इनके लिए सामान्य प्रशासन विभाग और विधि विभाग के पास प्रस्ताव नहीं भेजना होगा। केवल उनके अभिमत इनमें लिए जाएंगे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने मध्यप्रदेश शासन कार्य आवंटन नियमों में संशोधन कर दिया। जीएडी ने किया कार्य आवंटन नियमों में संशोधन है। कार्य आवंटन नियमों के नियम दो में अनुसूची में बदलाव करते हुए अब यह किया गया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 218 और विशेष, अन्य अधिनियमों में के अधीन लोक सेवकों के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति में अब सीधे विभागों को ही अधिकार दे दिए गए हैं। जो उन दागी अफसरों के नियोक्ता विभाग है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य शासन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 197 और 299 के अधीन किए गए दांडित अपराधों तथा आपराधिक षड्यंत्र के अपराधियों के अभियोजन के लिए भारतीय नागरिक सुरक्ष संहिता 2023 की धारा 217 के अधीन पूर्व अनुमति और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 तथा विशेष, अन्य अधिनियमों के अंतर्गत लोक सेवकों के विरुद्ध अभियोजन की मंजूरी देने के अधिकार अब सीधे विभाग को दिए गए है।

जांच एजेंसियों को मिलेगी मदद और कोर्ट में पहुंचेंगे केस

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को कहना है कि अभी तक भ्रष्टाचार के मामले में विभाग अनुमति कई मामलों में नहीं देता था लेकिन अब उसी को बाध्य कर दिया गया है। ऐसे में अभी जो जांच एजेंसियों के पास केस पेंडिंग है। वह भी कोर्ट तक पहुंचेंगे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह बात और है कि अफसर कोशिश विभाग की तरफ से दागी अफसर को बचाने की की जाती है। ऐसे कई मामले मध्य प्रदेश में उदाहरण के तौर पर आए हैं। फिर भी उम्मीद है कि नए बदलाव से भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को जेल भेजा जाएगा।

फेक एक्सपीरियंस सार्टिफिकेट बनाने वाले पीएचई के इंजिनियर पर एफआईआर दर्ज

भोपाल। फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग दमोह के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एवं फर्म अमन इन्टरप्राइजेज पन्ना के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने मामला कायम किया है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ सागर में आवेदक सम्यक जैन और मनन अग्रवाल द्वारा अनावेदक एम के उमरिया तत्कालीन, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड़ दमोह के खिलाफ मेसर्स अमन इन्टरप्राइजेज पन्ना को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में शिकायत की गई थी। शिकायती आवेदन की जांच में मेमर्स अमन इन्टरप्राइजेज को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करना पाये जाने से तत्कालीन कार्यपालन यंत्री व फर्म के प्रोपराइटर अमर ओमरे के खिलाफ मालमा दर्ज किया गया है।

ईओडब्ल्यू, सागर की जांच के दोरान सामने आया की जिला दमोह में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जारी टेंडर उमापति ड्रिलर्स को प्राप्त हुआ। फर्म द्वारा काम को पूरा करने पर कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र मेसर्स उमापति ड्रिलर्स को जारी किया गया था। इसके विपरीत तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एम के उमरिया द्वारा साल 2022 में टेंडर पाने वाली फर्म से अलग फर्म मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस को अनुभव प्रमाण पत्र जारी किया गया। जबिक मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से कोई भी टेंडर प्राप्त नहीं किया गया था, और ना ही किसी प्रकार का अनुबंध नहीं किया गया था। अमन इन्टरप्राईजेस द्वारा इस फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का उपयोग पन्ना जिले में टेंडर प्राप्त करने के लिए किया गया। इस तरह तत्कालीन एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एम के उमरिया द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए षडयंत्रपूर्वक मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस के प्रोप्राइटर अमन ओमरे के साथ मिलकर मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस को अनुभव प्रमाण पत्र जारी किया गया, जबकि वह टेंडर उमापति ड्रिलर्स को प्राप्त हुआ था, व कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र भी उमापति ड्रिलर्स को जारी किया गया था।

जांच के आधार पर आरोपियों में शामिलएम के उमरिया तत्कालीन कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड दमोह, अमन ओमरे प्रोप्राइटर मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस पन्ना और मेसर्स अमन इन्टरप्राईजेस, अजयगढ़ चौराहा पन्ना के खिलाफ धारा 420, 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ में मामला दर्ज कर आगे की जॉच में लिया गया है।

मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की भर्राशाही

- लोक सुनवाई सिंगरौली में सूचना छपी भोपाल में

भोपाल । मप्र में एक तरफ सरकार का फोकस अविवादित विकास पर है, वहीं दूसरी तरफ अधिकारी सरकार की मंशा को पलीता लगा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला प्रदेश की ऊर्जाधानी सिंगरौली में सामने आया है। जिले के चितरंगी तहसील के ग्राम सिल्फोरी एवं सिधार में गोल्ड ब्लॉक आवंटन होना है। इसको लेकर वहां लोक सुनवाई होनी है। लेकिन मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की भर्राशाही यह देखिए कि उसने इसकी सूचना भोपाल के एक अंग्रेजी अखबार में छपवाई है।

गौरतलब है कि मप्र का सिंगरौली जिला इन दिनों उद्योग घरानों के लिए जंगल साफ करने की वजह से देशभर में चर्चा में है। सिंगरौली के चितरंगी में ही पुलिस सुरक्षा के बीच बड़ी संख्या में पड़ काटे गए थे। जिसको लेकर सिंगरौली से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चला। इस बीच मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सिंगरौली स्थिति क्षेत्रीय अधिकारी ने चितरंगी तहसील के ग्राम सिल्फोरी एवं सिधार में गोल्ड ब्लॉक आवंटन से पहले होने वाली लोक सुनवाई की सूचना 700 किमी दूर भोपाल के एक अंग्रेजी समाचार पत्र में जारी की है। क्षेत्रीय कार्यालय, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सिंगरौली द्वारा जारी की गई जनसुनवाई की सूचना के अनुसार गुड़हड़ पहाड़ गोल्ड ब्लॉक की माइनिंग लीज से संबंधित पर्यावरण प्रभाव आंकलन रिपोर्ट (ईआईए-आर) बोर्ड की पोर्टल, पर भी उपलब्ध नहीं है। सिंगरौली के गुड़हड़ पहाड़ गोल्ड ब्लॉक का माइनिंग लीज का ठेका हरियाणा के कुंदन समूह को मिला है। कुंदन समूह गोल्ड माइनिंग के क्षेत्र में भी काम करता है। बताया गया कि सिंगरौली के गुड़हड़ पहाड़ गोल्ड ब्लॉक से एक टन पत्थर से 1.03 ग्राम सोना निकलेगा। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सचिव अभिच्युत मिश्रा का कहना है कि क्षेत्रीय अधिकारी ने स्थानीय स्तर पर भी किसी अखबार में जनसुनवाई की सूचना जारी की होगी। ऐसा होता है कि सूचना अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषा के अखबार में जारी करवाई जाए, इसलिए भोपाल गई है। सूचना के तहत हरियाणा मूल की कंपनी मैसर्स कुंदन, गोल्ड माइंस प्रायवेट लिमिटेट को ग्राम सिल्फोरी एवं सिधार में 149.30 हेक्टेयर का गोल्ड ब्लॉक माइनिंग लीज आवंटित के लिए 4 फरवरी को लोक सुनवाई होगी। जिसका समय 12 बजे एवं स्थानी ग्राम पंचायत भवन सिल्फोरी तहसील चितरंगी, जिला सिंगरौली निर्धारित है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय के 2009 के आदेश के परिपालन में किसी भी कंपनी को खनन के लिए लीज देने से पहले लोक सुनवाई आवश्यक है। इसी के परिपालन में गोल्ड माइंस के लिए जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। लेकिन मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जनसुनवाई की सूचना अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र में स्थानीय स्तर पर जारी न करवाकर 700 किमी दूर प्रकाशित करवाई है। जबकि गोल्ड माइंस को लीज पर देने के लिए आयोजित होने वाली जनसुनवाई की सूचना स्थानीय समाचार पत्र, स्थानीय भाषा में जारी करवाई जाना अनिवार्य है। इस संबंध में मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सचिव अभिच्युत मिश्रा से जानकारी चाही गई, लेकिन वे स्पष्ट रूप से यह नहीं बता पाए कि सिंगरौली जिले के सिल्फोरी एवं सिधार ग्राू में होने वाली जनसुनवाई की सूचना स्थानीय आषा में स्थानीय स्तर पर कहां प्रकाशित करवाई है।

42 लाख वोटरों के नाम कटने से भाजपा सकते में

भोपाल। मध्य प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में 42 लाख वोटरों के नाम कटने से बीजेपी सकते में हैं। इसे लेकर अब भारतीय जनता पार्टी ने अपने मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों डिप्टी सीएम समेत सभी मंत्रियों को जिम्मेदारी दी है। यह सभी संभाग और जिलों की समीक्षा करेंगे। विधायकों से भी चर्चा करेंगे यानी बूथ स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

एमपी में एसआईआर के तहत प्रथम चरण की प्रक्रिया होने के बाद मतदाता सूची का प्रारूप जारी किया गया था। जिसके मुताबिक, 42 लाख 74 हजार 160 मतदाताओं के नाम कम हुए हैं। 40 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम कटने से भारतीय जनता पार्टी सकते में है।

कुख्यात जुबैर मौलाना और साथी को तीन साल की सजा

भोपाल। भोपाल के कुख्यात अपराधी जुबैर मौलाना और उसके गुर्गे शुभम राय को भोपाल की एक कोर्ट ने तीन साल कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने यह फैसला सुनाया है। दोनों ने डांसर युवती को जान से मारने की धमकी देकर बंधक बनाकर उसके साथ अश्लील छेड़छाड़ की थी। प्रकरण में अभियोजन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक राजेश सिंह द्वारा पैरवी की गई थी। भीम नगर जहांगीराबाद निवासी युवती विवाह समारोह में डांसर के रूप में काम करती है। वर्ष 2017 में वो एक विवाह समारोह में डांस कर रही थी। इसी दौरान कुख्यात अपराधी जुबेर मौलाना एवं उसके गुर्गों ने जान से मारने की धमकी देकर युवती को बंधक बनाकर उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए जबरन डांस करने पर मजबूर किया था।

17 मौतें, 4 मुआवजे, भाजपा की असंवेदनशीलता उजागर - जीतू पटवारी

मुख्यमंत्री तत्काल मुआवजा और इलाज सुनिश्चित करें - उमंग सिंघार

भोपाल । मंगलवार को राऊ विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस परिवार के साथियों के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आगामी 11 जनवरी को इंदौर में प्रस्तावित न्याय यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक के उपरांत जीतू पटवारी एवं उमंग कांग्रेस ने इंदौर में जहरीला पानी पीने से मृतक पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात कर उनके दर्द और त्रासदी को वीडियो माध्यम से सार्वजनिक किया।

पटवारी ने कहाकि अत्यंत दुख और पीड़ा के साथ कहना पड़ रहा है कि सरकारी रिकॉर्ड में 17 लोगों की मौत दर्ज होने के बावजूद मात्र 4 पीड़ित परिवारों को ही दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। यह भाजपा सरकार की घोर असंवेदनशीलता, लापरवाही और भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण है। जिन निर्दोष नागरिकों की जान गई, उनकी पीड़ा को यह सरकार आंकड़ों में दबाने का प्रयास कर रही है।

पटवारी ने कहाकि इंदौर की जनता ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और जागरूकता से शहर को स्वच्छता में देश का सिरमौर बनाया।आज उसी इंदौर को सरकारी लापरवाही के ज़हरीले पानी ने कलंकित किया है।यह कोई हादसा नहीं, बल्कि संगठित सरकारी अपराध है। मां अहिल्या की न्याय नगरी में दूषित पानी से गई हर जान सरकारी हत्या का प्रमाण है।

इस कलंक-कथा के प्रमुख चेहरे कैलाश विजयवर्गीय तुरंत इस्तीफा दें!

प्रभारी मंत्री के नाते मोहन यादव भी नाक रगड़कर, मेरे इंदौर की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें!

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मन दुखी है यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की घोर लापरवाही और कुशासन का जीवंत प्रमाण है, जिसका खामियाज़ा आज निर्दोष जनता भुगत रही है। मुख्यमंत्री तत्काल दूषित पानी से प्रभावित सभी मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ, समुचित उपचार एवं हर संभव सहायता बिना किसी देरी के उपलब्ध कराए !

सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री से मेरी स्पष्ट और दृढ़ माँग है कि मृतकों के परिजनों को तत्काल एवं उचित मुआवजा दिया जाए तथा भविष्य में ऐसी त्रासदी की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहाकि भागीरथपुरा सहित इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के आँकड़े भाजपा सरकार दबा रही है। कांग्रेस पार्टी की स्पष्ट माँगें है कि

प्रत्येक मृतक के परिवार को न्यूनतम रू 1 करोड़ का मुआवजा दिया जाए

इंदौर के महापौर पर एफआईआर दर्ज कर आपराधिक मुकदमा चलाया जाए और तत्काल बर्खास्त किया जाए

शिकायतों के बावजूद स्वच्छ पेयजल उपलब्ध न करवाने के दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो

कैलाश विजयवर्गीय नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा दें

प्रभारी मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री स्वयं राजवाड़ा में मां अहिल्या की प्रतिमा के समक्ष जनता से माफी माँगें

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा से मिले संविदा कर्मचारी

नीति में संशोधन करने और सीनियरिटी के आधार पर विभागों में रिक्त पदों पर संविलयन की मांग

भोपाल। प्रदेया के कई विभागों में रिक्त पदों संबिदा कर्मचारियों प्रदेश के संविदा कर्मचारियों अधिकारियों संविलियन किए जाने और 22 जुलाई 2023 को जारी संविदा नीति में संशोधन किए जाने की मांग को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल ने उपमु यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा से मुलाकात की है। प्रतिनिधिमंडल ने संविदा कर्मचारियों को वरिष्ठता के हिसाब से विभागों में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए अथवा संविलियन किया जाए। संविदा कर्मचारियों के वेतन भत्ते, वरिष्ठता के आधार पर निर्धारित किए जाएं।

इस दौरान उपमु यमंत्री देवड़ा को बताया गया कि 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति में 50 फीसदी पदों के आरक्षण का उल्लेख किया गया है, जिसमें संविदा कर्मचारियों को परीक्षा देनी होगी लेकिन चतुर्थ श्रेणी तथा वाहन चालक के जो पद हैं उन पदों पर मध्य प्रदेश शासन ने भर्ती पर प्रतिबंध लगा रखा हुआ है जिसके कारण चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती नहीं होगी।

इस नीति से चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को कोई लाभ नहीं होगा जिसके कारण 25 से 30 वर्षों से संविदा पर काम करने वाले कर्मचारी कभी नियमित नहीं हो पाएंगे। इसलिए स्कूल शिक्षा विभाग और अन्य विभागों में जो संविदा के पद रिक्त हैं उन रिक्त पदों पर चतुर्थ श्रेणी, वाहन चालक, चौकीदार के संविदा कर्मचारियों का संविलियन कर दिया जाए। बताया गया कि 22 जुलाई 2023 की संविदा नीति में अनेक विसंगतियां हैं। इस नीति में संशोधन किया जाए।

उपमु यमंत्री देवड़ा ने संविदा कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को मु यमंत्री के संज्ञान में लाकर निर्णय लिया जाएगा।

संविदा नीति की इन विसंगतियों की जानकारी दी

प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि संविदा कर्मचारियों को वरिष्ठता के हिसाब से विभागों में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए अथवा संविलियन किया जाए।

संविदा कर्मचारियों के वेतन भत्ते, वरिष्ठता के आधार पर निर्धारित किए जाएं।

समयमान वेतनमान दिया जाए और नियमित कर्मचारियों के समान सभी अवकाश दिए जाएं।

महिला संविदा कर्मचारियों को संतान पालन अवकाश दिया जाए। जिन संविदा कर्मचारियों का ग्रेड पे कम कर दिया है उनका ग्रेड पे सुधारा जाए।

एशेज के 5वें टेस्ट में हेड और स्मिथ के शतक

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 518/7; इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल की

सिडनी। ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ की शतकीय पारियों ने ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज के 5वें टेस्ट में इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त दिला ली है। कंगारू टीम ने मंगलवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 129 और ब्यू वेबस्टर 42 रन बनाकर नाबाद हैं।

हेड ने दिन के पहले सेशन में जोश टंग की गेंद पर कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन की पारी खेली, जिसमें 24 चौके और एक छक्का शामिल रहा। इससे पहले इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी।

रोचक फैक्ट

स्टीव स्मिथ ने एशेज सीरीज में 13वां शतक लगाया है। उन्होंने इंग्लैंड के जैक हॉब्स (12 शतक) को पीछे छोड़ा। अब वे इस सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सर डॉन ब्रैडमैन (19 शतक) से ही पीछे हैं।

स्मिथ ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (स्क्त) में टेस्ट करियर का 5वां शतक लगाया है। वे रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड से महज एक शतक पीछे हैं। यहां पर रिकी पोंटिंग ने 6 शतक लगाए हैं।

टेस्ट करियर का 12वां शतक यह ट्रैविस हेड के टेस्ट करियर का 12वां शतक है। मौजूदा एशेज सीरीज में यह उनका तीसरा शतक रहा, जबकि स्क्त पर यह उनका पहला टेस्ट शतक है। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति तक हेड 91 रन बनाकर नाबाद लौटे थे।

121 रन पर मिला जीवनदान

हेड को 121 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे ब्रायडन कार्स की गेंद पर विल जैक्स ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। मैथ्यू पॉट्स के एक ओवर में उन्होंने लगातार तीन चौके भी लगाए।

स्मिथ का सिडनी में 5वां टेस्ट शतक स्टीव स्मिथ ने 166 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 95 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। यह स्मिथ का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवां टेस्ट शतक है। इस मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रिकॉर्ड अब भी रिकी पोंटिंग के नाम है, जिन्होंने यहां 6 शतक लगाए हैं।

जो रूट के शतक से इंग्लैंड 384 पर सिमटा

इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 384 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने 242 गेंदों में 160 रन की पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है। रूट ने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर टेस्ट करियर का 41वां शतक पूरा किया।

लक्ष्य मलेशियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे, मालविका हारी

कुआलालंपुर। भारत के बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने साल की अच्छी शुरुआत करते हुए मलेशियाई ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। लक्ष्य ने पहले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-16, 15-21, 21-14 से पराजित किया। वहीं महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ पहले दौर में थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन के हाथों 11-21, 11-21 से मिली हार के साथ बाहर हो गयीं।

लक्ष्य ने कठिन हालातों के बीच ही विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर कायम जिया हेंग जेसन तेह को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में हराया। इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल से एक दूसरे पर दबाव बनाने का पूरा प्रयास किया पर लक्ष्य के सामने जेसन टिक नहीं पाये । अब विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य का मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव और हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा। दूसरी ओर महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ असफल रहीं। बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद खेल में वापसी करते हुए मालविका को पहले दौर में ही थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21, 11-21 से सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा।

श्रेयस ने वापसी करते हुए अर्धशतक लगाकर फार्म और फिटनेस साबित की

जयपुर । न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उपकप्तान बनाये गये बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी से अच्छी वापसी की है। श्रेयस ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में मुंबई की कप्तानी करते हुए हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 82 रनों की अच्छी पारी खेलकर अपनी फिटनेस और फार्म दोनो को ही साबित कर दिया है। पारी की शुरुआत में ही अय्यर का कैच गिर गया। जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया और 53 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाकर एक अच्छी पारी खेली जिससे मुम्बई की टीम ने 33 ओवर में 9 विकेट पर 299 रन बनाये। खराब मौसम और कोहरे के कारण मैच देर से शुरु हुआ। इसलिए इसे घटाकर 33 ओवरों का किया गया।

अय्यर आठवें ओवर में यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान के विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने मुशीर खान के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रनों बनाये। वहीं मुशीर ने 51 गेंदों में 73 रन बनाए। अय्यर ने सूर्यकुमार यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। सूर्यकुमार ने 18 गेंदों में 24 रन बनाए। श्रेयस ने इस मैच में अपने लिस्ट-ए करियर का 42वां अर्धशतक लगाया। वह कुशल पाल की गेंद पर आउट हुए।

पीटरसन से बोले युवराज, कैंसर की बात पता चलने पर लगा अब बच नहीं पाउंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपनी जिंदगी में कैंसर जैसी गंभीर बिमारी से लड़कर भी खेल में वापसी की थी। भारत को 2011 विश्वकप में जीत दिलाने वाले युवराज ने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर केविन पीटरसन से बातचीत के दौरान उन पलों के बारे में बताया है जब उन्हें डॉक्टर ने कैंसर होने की बात बतायी थी। तब उनसे कहा था कि आपके पास तीन से छह महीने का ही समय बचा है पर फिर भी युवराज विचलिल नहीं हुए और उन्होंने जीने का जुनून बनाये रखा। पीटरसन से बातचीत में युवराज ने कैंसर के खिलाफ मुकाबले को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें डर लग रहा था कि वह शायद नहीं बच पाएंगे। डॉक्टरों ने उनसे कह दिया कि उनके पास जीने के लिए सिर्फ 3 से 6 महीने हैं। अब आपको फैसला करना है कि इस समय में आप क्रिकेट खेलना चाहेंगे या इलाज कराना।

युवराज ने कहा, तब मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर जाना चाहता था क्योंकि मैंने टेस्ट क्रिकेट में जगह पाना अभी शुरू ही किया था। मैं रिटायर होना नहीं चाहता था और मैं टेस्ट में जगह मिलने का 7 साल से इंतजार कर रहा था। आपको पता है कि मैं 40 टेस्ट मैचों में 12वां खिलाड़ी रहा हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर जा रहा था और फीजियो मेरे पास आए और कहा कि आप नहीं जा रहे हो। इसका कारण है कि मैंने डॉक्टर से बात की। उन्होंने कहा कि आपके पास जीने के लिए सिर्फ 3 से 6 महीने हैं। अब आप फैसला करो कि आप क्रिकेट खेलना चाहते हो या इलाज कराना।

युवराज ने कहा, 'ट्यूमर मेरे फेफड़े और दिल के बीच में था और वह दिल की नसों को दबा रहा था। इसलिए डॉक्टरों ने कहा कि अगर आप कीमोथेरेपी नहीं कराते हैं तब आपको हार्ट अटैक आ सकता है। और उसके बाद उन्होंने मुझे इलाज के लिए भेज दिया।'

युवराज ने कहा कि जब वह कैंसर का इलाज कराने गए तब एक डॉक्टर की कही एक बात ने उनमें हिम्मत, भरोसा और उम्मीद जगायी। उन्होंने कहा, 'उन्होंने कहा था आप एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर बाहर निकलेंगे जैसे उसे कभी कैंसर हुआ ही न हो। डॉक्टर की तरफ से हौसला देने वाले वो पहले शब्द थे।'उसके बाद वह ठीक होते चले गये। युवराज ने अपने जज्बे और डॉक्टरों के इलाज की सहायता से कैंसर को हरा दिया। इस प्रकार देखा तो उन्होंने एक बार फिर अपने को जिंदगी में सच्चा चैंपियन साबित किया।

टी20 विश्वकप को लेकर आईसीसी के जवाब का इंतजार कर रहे -बीसीबी

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि उनकी टीम के टी20 विश्वकप मैच को भारत से बाहर रखे जाने को लेकर उनकी बातें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से हो रही है। साथ ही कहा कि विश्कप आईसीसी इवेंट है, इसलिए हम भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) से बात नहीं कर रहे हैं। बीसीबी के अनुसार इस मामले में वह आईसीसी के जवाब का वह इंतजार कर रहें हैं और उसी के आधार पर आगे कदम उठाऐंगे। बीसीबी के चेयरमैन अमीनुल इस्लाम ने कहा कि कहा है कि वे अभी आईसीसी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। बीसीबी ने आईसीसी कहा है कि सुरक्षा कारणों से उनके टी20 विश्वकप के मैच भारत से बाहर रखे जायें। बीसीसीआई ने हाल ही में तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया था। उसके बाद बीसीबी ने कहा था कि भारत में उसकी टीम को सुरक्षा कारणों से नहीं भेजा जा सकता है।

अगले माह सोफी से शादी करेंगे धवन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दूसरी शादी करने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार धवन का अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से पहले ही तलाश हो गया है और अब वह आयरलैंड की सोफी शाइन से शादी करने वाले है। धवन और सोफी के बीच पिछले काफी समय से अफेयर की खबरें आ रही थीं और अब दोनो ही शादी कर इसे पक्का करना चाहते हैं। साल 2025 में दुबई में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों को एक साथ देखा गया था। जिसके बाद से ही दोनों के बीच रिलेशनशिप की खबरें आ रहीं थीं। गौरतलब है कि सोफी आयरलैंड की रहने वाली हैं। इनकी शादी समारोह फरवरी में होने की संभावना है। इस अवसर पर खेल जगत के साथ ही बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल रहेंगी। सोफी अभी शिखर धवन फाउंडेशन की प्रमुख हैं, जो उनके स्पोर्ट्स ग्रुप की सामाजिक संस्था है। धवन ने हाल ही में अपनी आत्मकथा भी भी जारी की थी। उनकी होने वाली पत्नी सोफी एक प्रोडक्ट कंसल्टेंट के तौर पर काम करती हैं। दोनो की ही कई बार तस्वीरें सोशल मीडिया पर आयी हैं।

रुट के नाम 8 देशों में हैं टेस्ट शतक

सिडनी। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में शतक लगाते ही अपना 41 शतक लगाया है। रूट ने अब तक 8 देशों में टेस्ट शतक लगाये हैं। उनके कुल 41 टेस्ट शतकों में से आधे से अधिक 24 शतक इंग्लैंड में बने हैं। वहीं वेस्टइंडीज में उनके नाम 4 जबकि भारत में 3 शतक हैं। न्यूजीलैंड में उन्होंने 3 शतक लगाये हैं। श्रीलंका में भी उनके नाम इतने ही शतक हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में उनके नाम 2 शतक हैं जो उन्होंने वर्तमान सीरीज में लगाये हैं। एक-एक शतक उन्होंने दक्षिण् अफ्रीका और पाकिस्तान में लगाया है। वर्तमान एशेज सीरीज में उन्होंने दूसरा शतक लगाया है। इस सीरीज से पहले रुट के नाम ऑस्ट्रेलिया में एक भी शतक नहीं था। ऐसे में ये सीरीज उनके लिए काफी सफल मानी जा सकती है। रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने के मामले में अब संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, उनसे आगे केवल भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 51 और दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस 45 हैं, जबकि तीसरे नंबर पर उनके साथ 41 शतक के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग भी हैं।

गावस्कर से लेकर धोनी तक को पेंशन देती है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) संन्यास के बाद भी खिलाड़ियों को पेंशन देती है। ताकि उन्हें आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध करायी जा सके। ये पेंशन सुनील गारस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज क्रिकेटों को भी मिलती है। धोनी सहित कई क्रिकेटरों को संन्यास के बाद भी विज्ञापनों और अन्य साधनों से करोड़ों की आय होती है। वहीं इसके साथ ही उन्हें पेंशन के तौर पर हर माह 70 हजार रुपये पेंशन मिलती है। पेंशन की रकम खिलाड़ी ने अपने करियर में कितने मैच खेले हैं उससे तय होती है। धोनी ने भारतीय टीम की ओ से 90 टेस्ट, 350 एकदिवसीय और 98 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसके आधार पर वह पेशंन के लिए बनी पूर्व टेस्ट क्रिकेटर्स की शीर्ष सूची में आते हैं, इस वर्ग की पेंशन को 50 हजार से बढ़ाकर 70 हजार कर दिया गया है।

बिग बैश लीग मुकाबले में विफल रहने पर ट्रोल हुए बाबर

मेलबर्न । आजकल ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेल रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम एक युवा गेंदबाज की गेंद पर आउट होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच हुए मैच में बाबर की टीम 115 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी पर इस मैच में वह असफल रहे। वहीं लोगों को उम्मीद थी कि बाबर सिडनी सिक्सर्स की ओर से आक्रामक रुप से पारी की शुरुआत करेंगे पर वह दो रन बनाकर ही एक आसान की गेंद का शिकार बन गये।

ओली पैटरसन की जिस गेंद पर बाबर आउट हुए वह इतनी कमजोर थी कि उसपर छक्का लगाया जा सकता था पर बाबर इसमें पूरी तरह से असफल रहे। बाबर इस गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में कैच हो गये। इस प्रकार बाबर सात गेंदों में केवल दो रन ही बना पाये। आउट होने के बाद वह काफी मायूस दिखे क्योंकि उन्हें अंदाजा हो गय था कि ये गेंद बेहद कमजोर थी। इस मैच में सिडनी को बेहद मुश्किल से जीत मिली। ब्रिस्बेन हीट के गेंदबाजों ने उसके शुरुआती सात विकेट 56 रनों के स्कोर पर ही गिरा दिये। इसके बाद जोएल डेविस ने 35 रन और हेडेन कर ने 27 रन बनाकर छठे विकेट के लिए अच्छी साझेदारी कर टीम को 18 ओर और चार गेंदों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बाबर अब तक इस लीग में प्रभावित नहीं कर पाये हैं। पहले दो मैचों में अर्धशतक के बाद पिछले चार मैचों से वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

वीनस ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में वापसी का कारण बताया

न्यूयॉर्क । इस साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 18 जनवरी 2026 से खेला जाएगा। इसमें 45 साल की अमेरिकी महिला टेनिस स्टार वीनस विलियम्स पर सबकी नजरें रहेंगी। वीनस इस टूर्नामेंट में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिताड़ी रहेंगी। वीनस ने कहा है कि 45 साल की उम्र में भी वापसी वह इसलिए कर रही हैं क्योंकि उनके अंदर अभी भी खेल को लेकर उत्साह है। वीनस ने कहा कि वह खेलने के लिए नहीं, बल्कि अच्छे स्तर का टेनिस दिखाने के लिए कोर्ट पर उतर रही हैं। वीनस को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड के जरिये प्रवेश मिला है और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। मेलबर्न में वह पांच साल बाद वापसी कर रही हैं। सात बार कि ग्रैंड स्लैम वीनस ने हालांकि कहा कि अब वह रिकार्ड के लिए नहीं बल्कि अपनी खुशी के लिए खेल रही हैं। उन्होंने कहा, 'अब मैं रिकॉर्ड्स के पीछे नहीं भागती। मेरा लक्ष्य खुश रहना है और अपने को चुनौती देना है। कठिन हालातों को अपने अनुकूल बनाना ही चैंपियंस की पहचान होती है।' उन्होंने आगे जोड़ा कि इतनी लंबी दूरी तय कर टूर्नामेंट खेलने आने का मतलब ही है कि उनके भीतर अब भी जीतने की भूख मौजूद है।

विराट के पास सबसे तेजी से 28000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का सुनहरा अवसर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में सबसे तेज 28000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का अवसर है। इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए विराट को केवल 25 रनों की जरुरत है। ऐसे में विराट अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ अगर पहले ही मैच में 25 रन बना लेते हैं तो उनके 28000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे हो जाएंग। इसके अलावा विराट इस सीरीज में विराट कोहली सबसे तेज 28000 अंतरराष्ट्रीय रन का सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं।

विराट ने अब तक टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27975 रन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाये हैं। हैं। वहीं कोहली को 28000 रन पूरे करने के लिए केवल 25 रनों की जरूरत जो वह पहले ही मैच में भी बना सकते है। ये आंकड़ा हासिल करते ही विराट 28000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। वह यहां तक सबसे कम पारियों में पहुंचने वाले बल्लेबाज बन जाएंगेचिन गौरतलब है कि तेंदुलकर ने 644 पारियों में 28 हजार रन के आंकड़े को पूरा किया था जबकि कुमार संगाकारा ने यह कीर्तिमान 666 पारियों में किया था। वहीं विराट अगर पहले ही मैच में 25 रन बनाते हैं तो वे 624 पारियों में ही 28000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट इन दिनों जिस प्रकार से लय में है उससे तय है कि वह पहले ही मैच में ये रन बना लेंगे। ऐसे में पहले ही मैच पर प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली एकदिवसीय सीरीज में उन्होंने 302 रन बनाये थे। इसके अलावा हाल में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे में एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

लाडली बहना के से नाम कटने, अतिथि शिक्षिका की व्यथा, जीवित माता का नाम राशन कार्ड से हटाने और दुर्घटना सहायता राशि सहित मांगो को लेकर पहुचें पीड़ित

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 06 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 61 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में लांजी तहसील की मानसी पटले नियमानुसार अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्ति दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मानसी पटले का कहना था कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी मेरिट सूची में उसका चयन अतिथि शिक्षिका (प्री-प्राइमरी) पद के लिए क्रमांक 01 पर हुआ था। किंतु चयन के बावजूद विद्यालय प्राचार्य द्वारा प्रशासनिक स्तर पर हुई त्रुटि के कारण उन्हें प्री-प्राइमरी के स्थान पर प्राइमरी कक्षाओं में जॉइन करा दिया गया। मानसी ने बताया कि वह बीते चार माह से निरंतर पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से प्राथमिक शाला सुलसुली में शिक्षण कार्य कर रहीं है, किंतु अब विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा उनसे विद्यालय आने के लिए मना किया जा रहा है, साथ ही अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम बेनेगांव की निवासी सलिता गुरबेले लाडली बहना योजना से उसका नाम काटने संबंधी शिकायत लेकर आयी थी। सलिता का कहना था कि 25 अप्रैल 2025 से उसे लाडली बहना योजना की राशि मिलना बंद हो गई है। सलिता ने बताया कि इस संबंध में उसने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई गई थी किंतु उसमें बताया जा रहा है कि आपके द्वारा स्वयं योजना का त्याग किया गया है, जबकि योजना का त्याग करने संबंधी कोई कार्यवाही सलिता द्वारा नही की गई है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत पदमपुर के मेखराम ठकरेले अपनी माता का राशन कार्ड से नाम काट देने संबंधी शिकायत लेकर आये थे। मेखराम ने बताया कि उसकी माता जीवित हैं, इसके बावजूद पंचायत द्वारा उनका नाम राशन कार्ड से हटा दिया गया है। शिकायत में यह भी बताया गया कि पंचायत क्षेत्र में समान नाम की एक अन्य महिला की मृत्यु होने के बावजूद उसका नाम योजनाओं में दर्ज है और लाभ उसके परिवार को मिल रहा है। पीड़ित परिवार ने कलाबाई ठकरेले का नाम पुन: राशन कार्ड में जोड़ने, पेंशन चालू कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस प्रकरण में उप संचालक सामाजिक न्याय को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम मनेरी के ग्रामीण सिंचाई संबंधी समस्या लेकर आये थे। ग्रामीणों ने रबी फसल की सिंचाई के लिए नहर से पर्याप्त पानी दिलाने की मांग की। इस प्रकरण में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में ग्राम खामघाट की निवासी तामेश्वरी बिसेन अपने पति की दुर्घटना में मृत्यु होने पर शासन से मिलने वाली सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थीं। तामेश्वरी का कहना था की उसका दूसरा विवाह अशोक बिसेन से हुआ था और तब से लेकर वह अशोक बिसेन के साथ दाम्पत्य जीवन का निर्वहन कर रही है। 03 सितम्बर 2025 कों उसके पति की कुएँ में गैस रिसाव होने के कारण मृत्यु हो गयी है। तामेश्वरी ने बताया कि पति के मृत्यु प्रमाण पत्र पर उसके नाम के स्थान पर पहली पत्नि रीता बिसेन का नाम दर्ज किया गया है। उसके पति नें उसके नाम से कृषि यन्त्र, ट्रैक्टर, पिकअप, मोटर साइकिल के लिए ऋण लिया था जिसकी वसूली के लिए बैंक व फाइनेंस कंपनी तामेश्वरी को परेशानी कर रही है जबकि पति की मृत्यु के पश्चात मिलने वाली सहायता राशि तामेश्वरी के पति की पहली पत्नी को मिल रही है। कलेक्टर नें एसडीएम वारासिवनी कों तामेश्वरी के प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

पट्टा वितरण में भेदभाव का आरोप

वार्ड क्रमांक 33 सहित अन्य वार्डों के लोगों ने जताई आपत्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते दिनों वार्ड क्रमांक 33 सहित आसपास के कुछ वार्डों के 50 से अधिक वार्डवासियों ने शासन की योजना के तहत पट्टा जारी किए जाने की मांग को लेकर संबंधित विभाग में आवेदन किया था। इनमें से हाल ही में केवल सात लोगों को पट्टा जारी किए जाने के बाद शेष वार्डवासियों में नाराजगी फैल गई है। वार्डवासियों का आरोप है कि समान परिस्थितियों में रहने के बावजूद उन्हें पट्टा नहीं दिया गया, जो उनके साथ अन्याय है।

इसी विषय को लेकर 6 जनवरी को वार्ड क्रमांक 33 सहित अन्य वार्डों के बड़ी संख्या में रहवासी नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पट्टा जारी किए जाने की प्रक्रिया को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखी और शेष पात्र लोगों को भी पट्टा दिए जाने की मांग उठाई। इस संबंध में नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक 33 के पार्षद योगेश बिसेन ने बताया कि उनके द्वारा पूर्व में वार्ड के 50 से अधिक लोगों के लिए पट्टा जारी किए जाने की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन विभाग द्वारा केवल सात आवेदकों को ही पट्टा दिया गया है। इससे वार्डवासियों में भारी असंतोष है। योगेश बिसेन ने कहा कि जिन सात लोगों को पट्टा जारी किया गया है, उसी तरह की स्थिति में अन्य वार्डवासी भी निवास कर रहे हैं, ऐसे में सभी पात्र लोगों को समान रूप से पट्टा मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि शेष वार्डवासियों के साथ पुन: विभाग में आपत्ति दर्ज कराई गई है और मांग की गई है कि उन्हें भी शासन की योजना के अंतर्गत पट्टा जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पट्टा मिलने के बाद ही वार्डवासी नगर पालिका एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

एसडीएम एवं तहसीलदारों द्वारा अलग अलग ग्रामों में की गई जनसुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर प्रत्येक मंगलवार को सभी एसडीएम एवं तहसीलदार द्वारा अपने क्षेत्र के अलग अलग ग्रामों में जाकर जनसुनवाई की जा रही है और ग्रामीणों की समस्याओं का सुना जा रहा है।

06 जनवरी को वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ग्राम पंचायत लिंगमारा, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ग्राम गोगाटोला, परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्यासी ग्राम लौगूर, लांजी एसडीएम कमल सिंहसार ग्राम रिसेवाड़ा एवं किरनापुर एसडीएम एमआर कोल ग्राम पंचायत बिनोरा में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए। इसी प्रकार जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते एवं तहसीलदार मंजूला महोबिया ग्राम पंचायत रट्टा, खैरलांजी तहसीलदार छवि पंत ग्राम पंचायत सालेटेका एवं बिरसा तहसीलदार ग्राम झामुल एवं तिरोड़ी तहसीलदार शांडिल्य ग्राम कोडबी में आयोजित जनसुनवाई में शामिल हुए। लिंगमारा मे आयोजित जनसुनवाई में 24 आवेदन प्राप्त हुए जबकि सालेटेका में आयोजित जनसुनवाई में 28 आवेदन प्राप्त हुए। वारासिवनी एसडीएम श्री जायसवाल ने ग्राम लिंगमारा में जनसुनवाई के पश्चात शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया और बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जांच की। बालाघाट तहसीलदार एवं जनपद सीईओ ने ग्राम रट्टा में जनसुनवाई के पश्चात प्राथमिक शाला में बच्चों को दिये जा रहे मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया। इसी प्रकार तिरोड़ी तहसीलदार शांडिल्य द्वारा ग्राम कोडबी की माध्यमिक शाला में मध्यान्ह भोजन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्चों को मेन्यू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है। ग्राम लौगुर में आयोजित जनसुनवाई में पेयजल एवं बिजली से संबंधित समस्यायें ग्रामीणों द्वारा बतायी गई।

राजा भोज क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का आज से होगा आगाज

जागपुर घाट मैदान पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता, 16 टीमें लेंगी हिस्सा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और समाज के युवाओं को एकजुट करने के उद्देश्य से राजा भोज क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का शुभारंभ 7 जनवरी से किया जा रहा है। इस संबंध में टूर्नामेंट आयोजन समिति द्वारा क्रिकेट स्थल स्थानीय जागपुर घाट मैदान में प्रेस वार्ता आयोजित कर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला राजा भोज क्रिकेट समिति के जिला अध्यक्ष मनोज भैरम ने बताया कि बीते वर्ष की सफलता के बाद इस वर्ष भी जिला राजा भोज क्रिकेट समिति द्वारा यह टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट समिति का दूसरा सीजन है, जिसे जिला स्तरीय प्रतियोगिता के रूप में आयोजित किया जा रहा है। मनोज भैरम ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले भर के सभी विकासखंडों से पवार समाज की क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं। अब तक लगभग 16 टीमों का पंजीयन हो चुका है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 7 जनवरी को सुबह 9 बजे से किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा प्रतिदिन तीन मैच आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जानकारी दी कि टूर्नामेंट की शुरुआत लीग मैचों से होगी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और अंत में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 18 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष टूर्नामेंट में विशेष रूप में महिला खिलाड़ियों के मैच भी आयोजित

किए जा रहे हैं, जिसमें समाज की महिलाएं और महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। इसके साथ ही 15 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों के लिए भी अलग से टूर्नामेंट रखा गया है, जिससे कम उम्र के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मनोज भैरम ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक युवाओं को खेल के माध्यम से जोड़ना और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से समाज के सभी वर्ग एक मंच पर एकत्र होंगे और आपसी मेलजोल बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 71 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। भविष्य में इस टूर्नामेंट को जिला स्तर से राज्य स्तर तक विस्तारित करने की योजना भी है। अध्यक्ष मनोज भैरम, उपाध्यक्ष महात्मा हनवत, तपन राजा चौधरी रजत कटरे, अतुल टेंभरे, संकेत राहंगडाले, महा सचिव दीपक पटले, कोषाध्यक्ष गुनेन्द्र पटले, सहसचिव राजेश राहगडाले, नीरज बिसेन, डेनिश ठाकरे, प्रशांत ठाकरे, डॉ. अक्षय कटरे, सुनील पटले, कार्यकारिणी सदस्य, प्रकाश पटले, कार्तिक बिसेन, संजय वेंकटराव हरिनखेरे, आयुष पटले, प्रजल राहंगडाले, विमल गौतम, खिलेश टेम्भरे क्रिकेट प्रेमियों को आयोजन में उपस्थित होने की अपील की है।

बैगा महोत्सव 17-18 जनवरी को प्रगति मैदान मलाजखंड में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैगा समाज की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने तथा पारंपरिक एवं लोक खेलों के संरक्षण और प्रोत्साहन के उद्देश्य से कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा बैगा महोत्सव का आयोजन 17 एवं 18 जनवरी को प्रगति मैदान मलाजखंड में किया जाएगा। इस महोत्सव के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताएँ चरणबद्ध रूप से आयोजित की जाएंगी। प्रारंभिक चरण में जोनल टूर्नामेंट का आयोजन 9 एवं 10 जनवरी को किया जाएगा, जिसमें 44 जोनों में विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएँ संपन्न होंगी। जो प्रतिभागी किसी कारणवश जोनल प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे, उन्हें ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता का अवसर मिलेगा। इसके तहत 11 जनवरी को ब्लॉक स्तरीय मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए खेल परिसर मैदान बैहर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसा का खेल मैदान एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाड़ा का खेल मैदान निर्धारित किया गया है। इन चरणों में चयनित टीमों एवं खिलाड़ियों के मध्य नॉकआउट एवं फाइनल मुकाबले 17 एवं 18 जनवरी को प्रगति मैदान में आयोजित किए जाएंगे, जहां विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इन चरणों के उपरांत चयनित टीमों एवं प्रतिभागियों के बीच नॉकआउट एवं फाइनल मुकाबले 17 एवं 18 जनवरी को प्रगति मैदान में आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के दौरान कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकशी, तीरंदाजी, गिल्ली-डंडा, त्रिटंगी दौड़, बोरा दौड़, पिट्ठू और कंचे जैसी खेल प्रतियोगिताएँ होंगी। यह आयोजन बैगा समाज के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का सशक्त एवं प्रेरणादायी मंच सिद्ध होगा, साथ ही पारंपरिक खेलों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी बनेगा। जिला प्रशासन ने खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

टास्क फोर्स की बैठक में वैकल्पिक वृक्षारोपण, वन ग्रामों के राजस्व ग्राम में परिवर्तन सहित कई मुद्दों पर हुआ विमर्श

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 6 जनवरी 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न बांध एवं जलाशय परियोजनाओं के अंतर्गत वन भूमि के एवज में किए जाने वाले वैकल्पिक वृक्षारोपण, खनन पट्टों के सीमांकन, वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन तथा वन अधिकार पट्टों में फौती दर्ज करने से संबंधित प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में टास्क फोर्स समिति के सचिव एवं दक्षिण सामान्य वन मंडल के वनमंडलाधिकारी श्री नित्यानंदम एल. सहित समिति के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जानकारी दी गई कि राजीव सागर परियोजना के लिए अधिग्रहित वन भूमि के बदले ग्राम केसा, खैरगांव, सारद एवं घुम्मुगर की कुल 237 हेक्टेयर राजस्व भूमि वैकल्पिक वृक्षारोपण हेतु उपलब्ध कराई गई है। इनमें से 100 हेक्टेयर क्षेत्र को संरक्षित वन घोषित किया जा चुका है, जबकि शेष 137 हेक्टेयर क्षेत्र को संरक्षित वन घोषित किया जाना शेष है। इसी क्रम में तिरोड़ी तहसील अंतर्गत ग्राम हरदोली की 23.560 हेक्टेयर राजस्व भूमि को वैकल्पिक वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को हस्तांतरित किए जाने पर चर्चा की गई। वहीं सातनारी जलाशय परियोजना से प्रभावित 53.400 हेक्टेयर वन भूमि के एवज में ग्राम पांडेवाड़ा रैयत में उपलब्ध 66.720 हेक्टेयर भूमि वन विभाग को उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी गई।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि वन क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की परिधि में खनिज विभाग द्वारा राजस्व क्षेत्रों में स्वीकृत खनन पट्टों का राजस्व, वन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों की संयुक्त उपस्थिति में विधिवत सीमांकन कराया जाए। साथ ही स्वीकृत खदान क्षेत्र में सीमा स्तंभ (मुनारे) स्थापित किए जाने के पश्चात ही खनन संचालन की अनुमति दी जाए।

इसके अतिरिक्त वन अधिकार पट्टों से संबंधित फौती के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को गति देने के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीणा ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप समय-सीमा में प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए।

महाविद्यालय के द्वारा कॉलेज चलो अभियान का प्रथम चरण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय के द्वारा कॉलेज चलो अभियान के प्रथम चरण का प्रभावी संचालन 5दिसम्बर से 5 जनवरी 2026 तक किया गया। यह अभियान महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी हेमंत कुमार गनवीर के संयोजन से संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले शासकीय एवं अशासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालयों से संपर्क किया गया। साथ ही अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर कॉलेज चलो अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अभियान के अतर्गत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को महाविद्यालय में ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, रा'य एवं केन्द्र के द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नवीन प्रावधानों से अवगत कराया गया। महाविद्यालय में उपलब्ध अन्य गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, एनसीसी, ग्रंथालय, कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से कॅरियर विकल्प एवं उ'च शिक्षा में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अभियान में महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक स्टॉफ त्रिरत्नेष गजभिये, नरेन्द्र कुमार डोंगरे, कृष्णा पराते, मोहनीष इड़पाचे, अनिरूद्ध सिंह काकोड़िया, दोमदत्त सिंह, विजय दांदरे, सजाद मीर, विनोद सिंह, सरिता नागवंशी, सविता सेनवार, श्रीमती नंदिनी टेंभरे, पराग पालेवार, श्रीमती शिल्पा वासनिक एवं सभी शैक्षणिक स्टॉफ का सक्रिय योगदान रहा।

झरिया में भिमा कोरेगांव विजय दिवस पर बाबासाहेब आंबेडकर, गौतम बुद्ध प्रतिमा का हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। खैरलांजी जनपद मुख्यालय अंतर्गत ग्राम झरिया टोला में भिमा कोरेगांव विजय दिवस के पावन अवसर पर डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर,गौतम बुद्ध की प्रतिमाओं का अनावरण आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी वर्ग उपस्थित रहा।

कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक समरसता, समानता और संविधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमाएं समाज को सही दिशा देने वाली प्रेरणा हैं। तथागत बुद्ध के बताए मार्ग पर मन, क्रम और वचन से चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बुद्ध ने प्रकृति के निकट रहकर ज्ञान प्राप्त किया जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश मिलता है। विधायक पारधी ने युवाओं से डॉ.आंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान का अध्ययन करने और पंचशील के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की अपील करते हुए सामाजिक समरसता और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत खैरलांजी अध्यक्ष प्रतिनिधि गुना राम बघेले, उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे,मोहनलाल बोपचे, नारायण गौतम,भारत लाल रहांगडाले,राजेश सहारे, अनिल सहारे मौजूद रहे।

सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक चेतना की अनुपम मिसाल बना शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) बालक एवं बालिका इकाई द्वारा ग्राम कुम्हारी स्थित पीएम श्री रानी अवंती बाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रविवार, 4 जनवरी 2026 को गरिमामय, भावनात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह शिविर 29 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक सेवा, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ संचालित किया गया।

समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर संरक्षक डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी. एस. कातुलकर, जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे, ग्राम पंचायत कुम्हारी के सरपंच श्री सावन पिछोड़े, उपसरपंच श्रीमती प्रमिला सहित जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएँ एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शिविर के सात दिनों में स्वयंसेवकों को विभिन्न दलों में विभाजित कर स्वच्छता अभियान, श्रमदान, प्रभात फेरी, सामाजिक जागरूकता गतिविधियाँ, भोजन एवं रसोई संचालन, मंच सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन तथा 卐शिविर दर्पण卐 जैसे रचनात्मक समाचार पत्र के निर्माण की जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इन सभी गतिविधियों का संचालन स्वयंसेवकों ने पूर्ण अनुशासन, आपसी समन्वय एवं नेतृत्व क्षमता के साथ किया, जिससे शिविर एक जीवंत सामाजिक प्रयोग के रूप में उभरकर सामने आया।

समापन दिवस की शुरुआत ग्राम कुम्हारी में अंतिम प्रभात फेरी एवं शिविर स्थल की व्यापक स्वच्छता से हुई। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अतिथियों ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण समाज में स्वच्छता, सामाजिक चेतना, आपसी सहयोग एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हैं। जनपद सदस्य श्रीमती लक्ष्मी दशहरे ने कहा कि एनएसएस शिविर युवाओं को संवेदनशील नागरिक बनाते हैं और ग्रामीण विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि शिविर के दौरान अर्जित सेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व के गुण स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व निर्माण में आजीवन सहायक सिद्ध होंगे। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी. एस. कातुलकर ने शिविर को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बताते हुए निरंतर सामाजिक कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा दी। समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ दल, सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक एवं सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका का चयन कर उन्हें मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही शिविर के दौरान तैयार किए गए प्रेरणादायी समाचार पत्र शिविर दर्पण का विमोचन किया गया, जिसमें सात दिनों की गतिविधियों, अनुभवों एवं सामाजिक संदेशों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया गया।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

अटल पेंशन योजना में बालाघाट जिला देश में अव्वल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अटल पेंशन योजना (APY) के अंतर्गत Citizens Choice HwPv अभियान (01 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025) में बालाघाट जिले ने पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। अभियान के दौरान जिले को 3,269 खातों का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध 15,104 खातों का पंजीयन कर 462 प्रतिशत की ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की गई। यह उपलब्धि देश के सभी जिलों में सर्वाधिक है।

अटल पेंशन योजना की प्रोग्रेस रिपोर्ट (दिनांक 31 दिसंबर 2025) के अनुसार बालाघाट जिले में अब तक कुल 1,32,255 अटल पेंशन खातों का पंजीयन किया जा चुका है। इनमें महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक रही है। यह तथ्य न केवल योजना के प्रति महिलाओं की जागरूकता को दर्शाता है, बल्कि बालाघाट जिले के 1022 स्त्री-पुरुष लिंगानुपात को भी सार्थक रूप में प्रतिबिंबित करता है। महिलाओं, युवाओं एवं किसानों ने बड़ी संख्या में इस योजना से जुड़कर अपने सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस उल्लेखनीय सफलता का श्रेय कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीना के मार्गदर्शन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के सक्रिय सहयोग, जिला प्रशासन, अग्रणी जिला कार्यालय तथा जिले की सभी बैंक शाखाओं के समन्वित प्रयासों को जाता है। भारतीय पेंशन नियामक एवं विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा जारी स्कोरकार्ड में बालाघाट जिले को पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि, अटल पेंशन योजना के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना हमारा प्रमुख उद्देश्य है। बैंक एवं पंचायत स्तर पर किए गए निरंतर प्रयासों से बालाघाट ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने कहा कि, यह उपलब्धि जिले के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा।

पुल की मांग: निर्माण संबंधी लिखित आश्वासन के बाद टला कलेक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन

चंदा इकट्ठा कर 140 किमी दूर से कलेक्टर से मिलने पहुंचे माना लपटी गांव के एक सैकड़ा आदिवासीजन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गढ़ी क्षेत्र के ग्राम लपटी के लगभग एक सैकड़ा ग्रामीण अपने गांव के पहुंच मार्ग पर पक्का पुल निर्माण की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि 2024 वर्ष में हुई अतिवृष्टि के दौरान गांव के मुख्य पहुंच मार्ग पर बना पुल टूट गया था। उस समय संबंधित विभाग द्वारा पक्का पुल अथवा नाला निर्माण किए जाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो पुल का निर्माण किया गया। ज्ञापन सौंपने के बाद ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट के पास कुछ समय तक प्रदर्शन किया और वहीं बैठकर अपनी मांग जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन की ओर से उन्हें लगभग एक माह के भीतर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया है।

जिला मुख्यालय से करीब 140 किलोमीटर दूर स्थित गढ़ी क्षेत्र के माना और लपटी गांव के लगभग एक सैकड़ा आदिवासी ग्रामीण मंगलवार को पक्का पुल निर्माण की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि जिले की आदिवासी बाहुल्य बैहर तहसील के गढ़ी अंतर्गत माना पंचायत में लपटी और माना गांव को जोड़ने वाला पुल वर्ष 2024 की भारी बारिश में बह गया था, जिससे दोनों गांवों का आपसी संपर्क टूट गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुल टूटने के बाद मजबूरी में उन्होंने लकड़ी का अस्थायी पुल बनाकर आवागमन शुरू किया था। इस स्थिति का वीडियो सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में सामने आने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए वहां लोहे का अस्थायी पुल बनवाया और ग्रामीणों को यह आश्वासन दिया गया कि तीन माह के भीतर नाले पर पक्का पुल का निर्माण कराया जाएगा। आश्वासन के कई महीने बीत जाने के बावजूद आज तक पक्का पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में आवागमन की स्थिति बेहद कठिन बनी हुई है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, बच्चों को स्कूल भेजने और आवश्यक सामग्री गांव तक लाने-ले जाने में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर 6 जनवरी को ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरना देने के उद्देश्य से अपने घरों से खाना बनाने का सामान, बर्तन और खाद्य सामग्री लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने पहले कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और इसके बाद कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। कुछ समय तक ग्रामीण वहीं बैठ गए, जिससे कलेक्ट्रेट परिसर के सामने आवागमन बाधित हो गया। प्रदर्शन के बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने उन्हें एक माह के भीतर पक्का पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराने का लिखित आश्वासन दिया। लिखित आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण फिलहाल शांत हुए और धरना समाप्त किया।

एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पा रही हैं - लोकपाल

ग्राम लपटी के ग्रामीण युवक लोकपाल ने बताया कि उनके गांव का पुल पिछले दो वर्षों से टूटा हुआ है। इस संबंध में वे कई बार कलेक्टर कार्यालय में आवेदन और निवेदन कर चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। लोकपाल ने कहा कि पुल टूटे होने के कारण बच्चों का स्कूल जाना बंद हो गया है, वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही है। किसानों को खेतों तक ट्रैक्टर और कृषि उपकरण ले जाने में भी भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि आज वे गांव से खाद्य सामग्री लेकर पैदल ही कलेक्टर कार्यालय पहुंचे हैं, ताकि प्रशासन तक अपनी पीड़ा पहुंचा सकें।

आदिवासी विकास सिर्फ कागजों में, धरातल पर नहीं - प्रहलाद सिंह

ग्राम लपटी से पहुंचे प्रहलाद सिंह ने कहा कि वर्तमान में केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार है, जो आदिवासी समाज के विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन धरातल पर कोई ठोस काम नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि आज हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि ग्रामीणों को अपने गांव से चलकर जिला मुख्यालय तक आना पड़ रहा है। आदिवासियों के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आता है, इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में न तो विकास हो रहा है और न ही पहुंच मार्गों पर पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इस गंभीर समस्या पर संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए।

चंदा जुटाकर जिला मुख्यालय आना पड़ रहा - शुभम उईके

शुभम उईके ने बताया कि ग्रामीणों को 100-100 रुपये का चंदा इकट्ठा कर जिला मुख्यालय आना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आदिवासी ग्रामीणों को अपनी बुनियादी मांगों के लिए बार-बार आवेदन और निवेदन क्यों करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आखिर संबंधित विभाग और अधिकारी गांवों में मूलभूत सुविधाएं क्यों नहीं दे पा रहे हैं। शुभम उईके ने बताया कि इससे पहले भी ग्रामीणों ने भारी बारिश के दौरान रैली निकालकर पुल निर्माण की मांग की थी, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करेंगे और वहीं डेरा डालेंगे।

नगर पालिका बालाघाट के सीएमओ एवं उपयंत्रियों का 2 दिन का वेतन काटने के आदेश

सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने समक्ष में की सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्येक मंगलवार को सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों का रेण्डमली चयन कर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं शिकायतकर्ता का समक्ष में बुलवाकर शिकायत को सुना जाता है और उस पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये जाते है। शिकायत के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित पर कार्यवाही के निर्देश भी दिये जाते है। इसी कड़ी में 06 जनवरी को कलेक्टर द्वारा 18 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई है।

कलेक्टर श्री मीना ने ग्राम किरनापुर के शिकायतकर्ता कोमलदास मेश्राम द्वारा की गई बटांकन नही किये जाने संबंधी शिकायत के निराकरण के संबंध में पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि इस शिकायत में नक्शा बटांकन के संबंध में आदेश पारित किया जा चुका है। इसी प्रकार किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम खपराझरी के शिकायतकर्ता सतीष परते द्वारा अपनी भूमि पर किये गए अतिक्रमण संबंधी शिकायत को सुना गया, जिस पर पटवारी द्वारा बताया गया कि सतीष द्वारा जिस भूमि पर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत की गई है उस पर उसका नाम दर्ज नही है और उसे इस संबंध में बता दिया गया है। शिकायतकर्ता सतीष अब संतुष्ट है और उसने अपनी शिकायत वापस ले ली है।

कलेक्टर द्वारा समक्ष में की गई सुनवाई के दौरान वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा निवासी रामप्यारे आसरे की अतिक्रमण संबंधी शिकायत को संतुष्टि पूर्वक बंद कराया गया। कटंगी तहसील के अंतर्गत अर्जुननाला निवासी अभिषेक गुप्ता द्वारा शिकायत की गई थी कि इंदुबाई द्वारा उसके घर के सामने स्थित शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है और उस पर झोपड़ी बनाकर रहती है। जबकि उसके बच्चें एवं परिजन सम्पन्न है और शासकीय सेवा में है। इस प्रकरण में हाईकोर्ट द्वारा भी कहा गया है कि यदि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है तो उसे हटाया जा सकता है। इस प्रकरण में कलेक्टर श्री मीना ने कटंगी तहसीलदार को शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये है। इस पर शिकायतकर्ता द्वारा अपनी शिकायत वापस ली गई है। सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई के दौरान खैरलांजी तहसील के ग्राम सावरी के उमाशंकर लिल्हारे, वारासिवनी के डिलेश गौतम, परसवाड़ा तहसील के ग्राम समनापुर की चंपाबाई की शिकायतों का समाधान होने पर उन्हें बंद कराया गया है।

नगरीय क्षेत्र बालाघाट की सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की सुनवाई के दौरान पाया गया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बीडी कतरोलिया, उपयंत्री ज्योति एवं प्रीति द्वारा जल प्रदाय एवं अतिक्रमण संबंधी शिकायतों का उचित निराकरण दर्ज नही किया जा रहा है और भौतिक रूप से भी उन पर कोई कार्यवाही नही की जा रही है। जिस पर कलेक्टर श्री मीना ने इन तीनों अधिकारियों का 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये है। इस दौरान शिकायतकर्ता प्रशांत चौरसिया, आदर्श नेवारे, मोहित नागेश्वर की जल प्रदाय संबंधी शिकायतों, अनिल शर्मा की अतिक्रमण हटाने संबंधी एवं निलाजी चौहान की नालियों के पानी की निकासी व्यवस्था संबंधी शिकायतों का बंद कराया गया। इसके साथ ही नगर पालिका के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गए कि अवैध नल कनेक्शन काटे जाए और शासकीय भूमि पर अतिक्रमण संबंधी शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जाए। वार्ड नं. 32 नर्मदा नगर के आदित्य सिंह, वार्ड नं. 10 भटेरा चौकी के अनिल कुमार पटले की नल से पानी नही आने संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

8वीं तक की कक्षायें 9:30 के बाद लगेंगी

शीत लहर को देखते हुए स्कूलों के समय में हुआ बदलाव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में शीत ऋतु के दौरान तापमान में लगातार गिरावट को देखते हुए अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर मृणाल मीना ने नर्सरी से कक्षा 8वीं तक की कक्षाओं के संचालन के समय मे परिवर्तन किया है।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, नवोदय, सीबीएसई एवं अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए शाला संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। अब सभी संबंधित विद्यालयों का संचालन आगामी आदेश तक प्रातः 9.30 बजे के बाद ही किया जाएगा। इसके साथ ही दो पालियों में संचालित होने वाले विद्यालय विद्यार्थियों की सुविधा के अनुसार अपने संचालन की व्यवस्था करेंगे। वहीं, परीक्षाएं पूर्व निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार ही आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रातः 9.30 बजे से पहले कोई भी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय संचालित नहीं की जाएगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट